आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि
- 12

शाह बोले- बंगाल में घुसपैठ और भ्रष्टाचार का खतरा मौजूद
- 12

विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की लगातार चौथी जीत, जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन
-14

नव वर्ष की शुभकामनाएं

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

गुरुवार, 1 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 332, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
10.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.28

पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

अखबार पढ़ने की आदत: एक जरूरी पुनर्विचार

1960 से 1980 के दशक में जन्मी पीढ़ी के लिए अख़बार केवल समाचार पत्र नहीं था, बल्कि दिन की शुरुआत का एक अनिवार्य हिस्सा था। सुबह दरवाज़े पर अख़बार गिरने की मद्धम सी आवाज़ के साथ दिन शुरू होता। जो जल्दी उठता, वही सबसे पहले पूरा अख़बार पढ़ने का सौभाग्य पाता। कुछ ही घंटों में उसके पन्ने घर के अलग-अलग सदस्यों तक पहुंच जाते— किसी के लिए समाचार, किसी के लिए खेल, व्यापार या फिर स्थानीय खबरें।

उन दिनों अख़बार समाज की धड़कन हुआ करता। स्थानीय विज्ञापन, वैवाहिक सूचनाएं, शोक समाचार, टेंडर नोटिस, राजनीतिक गतिविधियां, सामाजिक कार्यक्रम और नागरिक मुद्दे-सब कुछ उसी में दर्ज होते। ये समाचार लोगों को अपने आसपास की दुनिया से जोड़ते और समुदाय के साथ एक आत्मीय रिश्ता भी बनाते थे। आज हम एक डिजिटल और मोबाइल-केंद्रित युग में जी रहे हैं। सूचनाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन विश्वसनीयता, पुष्टि और संदर्भ का अभाव स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर खबरें तेज़ी से आती-जाती हैं, परंतु उनमें गहराई और ज़िम्मेदारी अक्सर नहीं होती। सबसे अधिक नुकसान हाइपरलोकल समाचारों का हुआ है- वे खबरें जो सीधे हमारे जीवन, हमारे शहर और हमारे मोहल्ले को प्रभावित करती हैं।

मीडिया उद्योग में अपने 30 वर्षों के अनुभव के दौरान मैंने इस परिवर्तन को बहुत करीब से देखा है। तकनीक बदली है, समाचार वितरण के माध्यम बदले हैं, लेकिन पत्रकारिता का मूल उद्देश्य आज भी वही है- सत्य, संतुलन और विश्वास। अख़बार आज भी प्रमाणिकता, संपादकीय अनुशासन और ज़िम्मेदार रिपोर्टिंग का सबसे मज़बूत माध्यम बने हुए हैं। अखबार समाचारों और सूचनाओं का सच्चा और तटस्थ माध्यम आज भी है, यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूलों में अखबार अनिवार्य किया है। साथ ही छात्रों को इसे पढ़ने की आदत डालने के लिए भी कहा है। अख़बार हमें रुककर सोचने की आदत सिखाता है, केवल प्रतिक्रिया देने की नहीं। यह समाज का दस्तावेज़ है— आज का भी और आने वाले कल का भी। अखबार पढ़ना अतीत की कोई धुंधली याद नहीं, बल्कि वर्तमान की एक बौद्धिक आवश्यकता है। यह हमें शोर से बचाकर सार तक ले जाता है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियां केवल सूचनाओं से भरी न हों, बल्कि उनके पास विवेक और समझ भी हो, तो अखबार को फिर से ड्राइंग रूम की मेज पर गरिमापूर्ण स्थान देना होगा।

2026 की ओर बढ़ते हुए यह सवाल प्रिंट बनाम डिजिटल का नहीं, सवाल यह है कि हम किस तरह की जानकारी पर भरोसा करना चाहते हैं। घरों, दफ्तरों और संस्थानों में अख़बार को फिर से रोज़मर्रा की आदत बनाना किसी अतीत की याद नहीं, बल्कि एक जागरूक समाज की ज़रूरत है।

आइए, एक संकल्प लें:
● एक अख़बार की सदस्यता लेने का। ● स्थानीय पत्रकारिता को समर्थन देने का। ● पुष्ट और विश्वसनीय समाचार पढ़ने का। ● और सबसे अहम अगली पीढ़ी को अखबार पढ़ने की आदत सौंपने का।

अमृत विचार की तरफ से आप सभी को नूतन वर्ष मंगलमय हो...

पार्थो कुनार
सीओओ

डीआरडीओ की बड़ी कामयाबी, एक ही लॉन्चर से दागीं दो प्रलय मिसाइलें

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए एक ही लांचर से एक के बाद एक दो स्वदेशी प्रलय मिसाइलों का एक साथ सफल प्रक्षेपण किया। दोनों मिसाइलों ने निर्धारित मार्ग पर सभी उड़ान उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसकी पुष्टि चांदीपुर स्थित परीक्षण रेंज के ट्रैकिंग सेंसरों से हुई।

● ट्रैकिंग सेंसरों से हुई सफल परीक्षण की पुष्टि

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह से 'सैल्वो' प्रक्षेपण सुबह ओडिशा तट के पास किया गया। सैल्वो प्रक्षेपण में एक से ज्यादा मिसाइलें एक साथ दागी जाती हैं। टर्मिनल घटनाओं की पुष्टि प्रभाव बिंदुओं के निकट तैनात जहाज पर स्थापित टेलीमेट्री प्रणालियों ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रलय मिसाइल के 'सैल्वो' प्रक्षेपण की सफलता ने मिसाइल की विश्वसनीयता स्थापित की है।

अत्याधुनिक नेविगेशन है विशेषता

प्रलय देश में ही विकसित ठोस ईंधन आधारित अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसमें उच्च सटीकता सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक मार्गदर्शन और नेविगेशन प्रणाली का उपयोग किया गया है। यह मिसाइल विभिन्न लक्ष्यों के विरुद्ध अनेक प्रकार के मुखास्त्र ले जाने में सक्षम है। यह मिसाइल हैदराबाद स्थित शोध केंद्र इमारात द्वारा डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के सहयोग से विकसित की गई है।

स्वदेशी उपलब्धियों के नाम नए साल की पूर्व संध्या

एसएसएलवी के तीसरे चरण का स्थैतिक परीक्षण

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र की 'सॉलिड मोटर स्टैटिक टेस्ट फैसिलिटी' में लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के तीसरे चरण के उन्नत संस्करण का सफल स्थैतिक परीक्षण किया है। इसरो द्वारा विकसित एसएसएलवी तीन-चरणीय, पूर्णतः ठोस-ईंधन प्रक्षेपण यान है और यह दो प्रक्षेपणों के बीच कम समय में तैयारी पूरी कर प्रक्षेपण की जरूरतें पूरी कर सकता है। ऊपरी चरण या तीसरे चरण की ठोस मोटर, प्रक्षेपण यान को चार किमी सेकंड तक का वेग प्रदान करती हैं।

● चार किमी/सेकेंड का वेग प्रदान करने में रहा सक्षम

कोटा-नागदा खंड पर 180 किमी घंटा की रफ्तार से दौड़ी वंदे भारत

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' का अंतिम चरण का हाईस्पीड परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ आत्मनिर्भर रेल प्रौद्योगिकी की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। रेल मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की देखरेख में किया गया यह परीक्षण कोटा-नागदा खंड पर हुआ, जहां ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति से दौड़ी।

इससे पहले वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कई बार निर्धारित समय सीमा से चूक गई थी। अधिकारियों ने ट्रेन के सुरक्षा परीक्षण के बारे में बताया कि सवारी स्थिरता, दोलन, कंपन व्यवहार, ब्रेकिंग प्रदर्शन, आपातकालीन ब्रेकिंग प्रणाली, सुरक्षा प्रणालियों और अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों के आकलन सहित व्यापक तकनीकी मूल्यांकन किए गए। उन्होंने दावा किया, उच्च गति पर ट्रेन का प्रदर्शन पूरी तरह संतोषजनक पाया गया। परीक्षण में इस्तेमाल की गई 16 कोच वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लंबी दूरी के सफर को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है।

● सफलतापूर्वक पूरा हुआ ट्रेन का अंतिम परीक्षण

स्थिर रहे ट्रेन में रखे पानी भरे गिलास

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया जिसमें पानी से भरे गिलासों की स्थिरता का प्रदर्शन किया गया। ट्रेन की तेज गति के बावजूद पानी से भरे गिलास स्थिर रहे। रेल मंत्री ने कहा, आज किए गए परीक्षण में हमारे स्वयं के पानी के गिलास के परीक्षण ने इस नई पीढ़ी की ट्रेन की तकनीकी विशेषताओं को प्रदर्शित किया।

अब देश में हर जगह बोल सकते जय श्रीराम और राम-राम : मुख्यमंत्री

जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की दूसरे वर्षगांठ समारोह में बोले योगी

● रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी समारोह में हुए शामिल

संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में अब किसी भी जगह जयश्रीराम और राम-राम बोल सकते हैं। भारत सरकार की योजना भी अब 'जी राम जी' के नाम पर आ गई है जो रोजगार की सबसे बड़ी स्कीम बनने जा रही है। कोई भी बेरोजगार कहेगा कि मुझे अपनी ग्राम पंचायत में रोजगार चाहिए तो उसे साल में 125 दिन रोजगार की गारंटी गांव में ही मिल जाएगी।

श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ (प्रतिष्ठा द्वादशी) बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। यहां मुख्यमंत्री योगी ने अंग्रेजी नववर्ष 2026 की शुभकामना देते हुए प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलकारी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या ने स्वतंत्र भारत में रामजन्मभूमि आंदोलन के अनेक पड़ाव देखे हैं। अयोध्या के नाम से ही अहसास होता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। कोई भी दुश्मन यहां के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे टिक नहीं पाया, लेकिन कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ, मजहबी जुनून व सत्ता के तुष्टिकरण की निकृष्टता में पड़कर अयोध्या को भी उपद्रव और संघर्ष का अड्डा बना दिया था।

योगी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए राजनाथ सिंह की श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में प्रत्यक्ष भूमिका रही है।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ऑपरेशन सिंदूर में हमने राम की शिक्षा का पालन किया: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रामलला के दर्शन करने के बाद मंत्रोच्चार के बीच परिसर में बने मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा को स्थापित किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा जिस प्रकार श्रीराम ने युद्ध में मर्यादा न छोड़ने की शिक्षा हम सबको दी है, उसी प्रकार हमारी सेना ने भी सीमित, नियंत्रित और उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की। ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकियों को सबक सिखाना था, हमने उनके ठिकाने में घुस कर सबक सिखाया है। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन को अद्वितीय बताया। कहा, भारत से लेकर पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसे अनेक देश जहां हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के लोग भी प्रभु राम से खुद को जुड़ा हुआ मानते हैं, यह उन सबका आंदोलन था। 500 वर्ष अहिंसक संघर्ष से चलने वाला ऐसा आंदोलन कहीं देखने को नहीं मिलेगा।

लिवर खराब करने वाली निमेसुलाइड दवा पर प्रतिबंध

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऐसी सभी ओरल दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें निमेसुलाइड की मात्रा 100 मिलीग्राम से अधिक है। लिवर को नुकसान पहुंचाने वाली इस दवा को मंत्रालय ने एक वर्ष पहले मवेशियों के लिए भी प्रतिबंधित कर दिया था।

● सौ मिलीग्राम से अधिक मात्रा वाली ओरल दवाएं आएंगी प्रतिबंध के दायरे में

भारत में इस साल्ट का प्रयोग सामान्य रूप से दर्द और बुखार में होता है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक इसकी उच्च खुराक से कई समस्याएं पैदा हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पहले ही इससे रोगियों में लिवर-किडनी को घातक नुकसान पहुंचने की आशंका जताई थी। इसे गिद्धों के लिए भी खतरनाक बताया गया था। इस बारे में आईवीआरआई के एक अध्ययन के दौरान जिन जिन गिद्धों को निमेसुलाइड दी गई, वे 24 घंटे के भीतर मर गए।

कई देशों में 20 साल पहले से प्रतिबंध: फिनलैंड, स्पेन, आयरलैंड, सिंगापुर समेत कई देशों ने 2002 और 2007 के बीच इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके लिवर एंजाइम की वृद्धि, लिवर विषाक्तता, आंतरिक रक्तस्राव, थक्के विकार, किडनी को गंभीर रूप से नुकसान जैसे जोखिम बताए गए थे। भारत ने 2011 में 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इस पर प्रतिबंध लगा दिया था, मगर बार-बार चेतावनियों के बावजूद वृद्ध रोगियों में उपयोग की अनुमति जारी रखी गई।

ब्रीफ न्यूज

बंगाल में नंदिनी पहली महिला मुख्य सचिव

कोलकाता। वरिष्ठ अधिकारी नंदिनी चक्रवर्ती को बुधवार को पश्चिम बंगाल का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। इसी के साथ वह राज्य में इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला बन गईं हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक नंदिनी चक्रवर्ती ने मनोज पंत का स्थान लिया है, जो 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले थे। हालांकि, उन्हें एक जुलाई से 31 दिसंबर तक छह महीने का सेवा विस्तार दिया गया था। अधिकारी ने बताया कि चक्रवर्ती अब तक राज्य के गृह सचिव की भूमिका निभा रही थीं।

झारखंड: हाई सिक्योरिटी जेल से तीन कैदी फरार

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार से तीन कैदी फरार हो गए हैं। इस घटना ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को सकते में ला दिया है। यह जेल हाई सिक्योरिटी के लिए जानी जाती है। जहां खूंखार कैदी और नक्सलियों को रखा जाता है। इसके साथ कई हाई प्रोफाइल विचाराधीन कैदी भी जेल में बंद हैं। ऐसे में तीन कैदी के लापता होने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठना शुरू हो गए हैं। इस जेल में पांच स्तरीय सुरक्षा कवच है। कोई भी व्यक्ति जो जेल परिसर के अंदर जाता है, उसे इन पांच सुरक्षा घेरा से गुजरना होता है। कोई बाहर निकलता है तो भी उसे इन पांच घेरों से होते हुए निकलना पड़ता है।

रिश्वतखोरी में सीजीएसटी उपायुक्त समेत 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने उत्तर प्रदेश के झांसी में सीजीएसटी कार्यालय में रिश्वतखोरी के रैकेट का भंडाफोड़ कर भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी व उपायुक्त प्रभा भंडारी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अन्य लोगों में अधीक्षक अनिल तिवारी व अजय कुमार शर्मा, जय दुर्गा हार्डवेयर के मालिक राजू मंगतानी और वकील नरेश कुमार गुप्ता शामिल हैं। सीबीआई ने 30 दिसंबर को इस संबंध में मामला दर्ज किया था।

उत्तर प्रदेश पुलिस में होंगी 32,679 नई भर्तियां, मिलेंगे नए अवसर

लखनऊ। साल 2025 के आखिरी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों युवाओं को अच्छी खबर दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत कुल 32,679 पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

भर्ती बोर्ड के अनुसार अभ्यर्थी 31 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पहले उम्मीदवारों को बोर्ड की वन टाइम रजिस्ट्रेशन यानी ओटीआर प्रणाली में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, तेज और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

● पुलिस विभाग में 60,244 भर्ती के बाद 32,679 और नौकरियां

ओटीआर के जरिए एक बार पंजीकरण कराने के बाद अभ्यर्थियों को बार-बार दस्तावेज अपलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी। योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल में पुलिस भर्ती अब अभियान का रूप ले चुकी है। साल 2025 में ही 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती पूरी की गई थी और अब 32,679 नई भर्तियों की घोषणा ने यह साफ कर दिया है कि सरकार कानून-व्यवस्था के साथ-साथ युवाओं के भविष्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

कोहरा: दिल्ली हवाई अड्डे पर 150 उड़ानें रद्द, 400 देरी से हुईं रवाना

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह भी घने कोहरे के कारण 150 उड़ानें रद्द हो गईं, दो उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा जबकि 400 से ज्यादा उड़ानें हवाई अड्डे से देरी से रवाना हो पाईं।

हवाई अड्डे के अधिकारियों के मुताबिक बुधवार सुबह 11 बजे तक दूसरे शहरों से दिल्ली आने वाली 79 और दिल्ली से प्रस्थान करने वाली 71 उड़ानें रद्द हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, रात ढाई बजे के बाद हवाई अड्डे पर दृश्यता 600 मीटर से घटकर 50 मीटर रह गई। सुबह नौ बजे के बाद दृश्यता में सुधार शुरू हुआ और दोपहर 12 बजे तक परिचालन सामान्य हो गया। दिल्ली हवाई अड्डे ने एक्स पर बताया कि रात तीन बजे से उपकरण समर्थित सुविधा के तहत कैट-3 की प्रक्रिया में उड़ानों को परिचालन शुरू कर दिया गया था जो सुबह नौ बजे तक जारी रहा।

इंदौर में दूषित पानी से डायरिया, 9 मरे

भोपाल, एजेंसी

इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया। डायरिया होने के बाद छह महीने के एक बच्चे सहित अब तक नौ लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है, जबकि सैकड़ों लोग बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार भागीरथपुरा के अब तक 1146 मरीजों का इलाज किया जा चुका है, जबकि 150 से अधिक मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। स्थिति यह है कि क्षेत्र के लगभग हर दूसरे घर से कोई न कोई व्यक्ति बीमार होकर अस्पताल पहुंच रहा है। लापरवाही सामने आने के बाद निगम के जोनल अधिकारी शालिग्राम सितोले और सहायक यंत्री योगेश जोशी को निलंबित कर दिया गया है, जबकि प्रभारी उपयंत्री शुभम श्रीवास्तव को सेवा से बर्खास्त किया गया है। मामले की जांच के लिए एडीएम नवजीवन पंवार की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है।

● देश में सबसे स्वच्छ घोषित शहर में सैकड़ों लोग अस्पताल में भर्ती
● नगर निगम के दो अफसरों को निलंबित, एक को बर्खास्त किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये देने तथा मरीजों के मुफ्त इलाज की घोषणा की है। उधर, मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने इसे सरकार की विफलता का परिणाम बताते हुए आरोप लगाया कि साल के अंतिम दिन नए वर्ष की खुशियों को मातम में बदल दिया है।

साउथ पोल तक स्कीइंग कर रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं।

काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से शुरू करके, अपने पूरे एक्सपेडिशन का सामान ले जा रही स्लेज को खींचते हुए, स्कीइंग करते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल लगभग 115 किमी का सफर तय किया। उन्होंने 27 दिसंबर को यह मुश्किल अभियान पूरा किया। भारतीय नौसेना ने काम्या को बधाई देते हुए कहा, भारतीय नौसेना काम्या कार्तिकेयन को बधाई देती है जो एक नौसेना अधिकारी की 18 वर्षीय बेटी और नेवी चिल्ड्रन्स स्कूल की पूर्व छात्रा हैं, जिन्होंने साउथ पोल तक स्कीइंग करके सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनकर एक बार फिर इतिहास रचा है।

● नौसेना अफसर की बेटी काम्या ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं

माइनस 30 डिग्री तापमान और तेज तूफानी हवाओं का किया सामना

यह शानदार उपलब्धि हासिल करने के लिए काम्या ने अंटार्कटिका की माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान और तेज तूफानी हवाओं जैसी बेहद मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया। वह पूरे एक्सपेडिशन के सामान से भरी स्लेज को खींचते हुए लगभग 60 नॉटिकल मील (लगभग 115 किमी) पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं। इससे पहले उन्होंने सेवन समिट्स चैलेंज पूरा किया था।

पर्यावरण की चिंता | राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख ने दी चेतावनी- ध्यान न रखा तो भविष्य को चुकानी पड़ेगी बड़ी कीमत

विकास और प्रकृति में संतुलन जरूरी... अरावली पर भागवत

रायपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कार्यक्रम में अरावली पर्वतमाला का उदाहरण देते हुए कहा कि विकास और प्रकृति में संतुलन बेहद जरूरी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पर्यावरण का ख्याल रखे बगैर विकास की रफ्तार जारी रखी गई तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय प्रवास के दौरान मोहन भागवत बुधवार को रायपुर एम्स में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मौजूदा दौर में विकास की दिशा पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, क्योंकि ऐसा कोई मॉडल अब तक सामने नहीं आया है, जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और पर्यावरण संरक्षण बिना टकराव के एक साथ आगे बढ़ सके। ऐसी परिस्थितियों में समाज को संतुलित और टिकाऊ विकल्पों की ओर बढ़ना ही होगा।

उन्होंने इस परिप्रेक्ष्य में अरावली पर्वतमाला का उल्लेख किया जिसकी नई परिभाषा लागू किए जाने पर देश भर के प्रमुख पर्यावरणविदों ने गंभीर चिंता जताई थी जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इसे स्थगित कर दिया है।

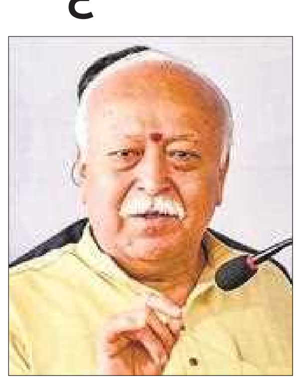

युवा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी समझें और बड़े बदलाव की नींव रखें

संघ प्रमुख ने कहा कि विकास और प्रकृति को परस्पर विरोधी मानने के बजाय दोनों का समानांतर और संतुलित विस्तार जरूरी है। इसके लिए केवल नीतियों में बदलाव ही नहीं, बल्कि जीवनशैली में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने होंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे करियर और रोजगार के साथ पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझें और छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव की नींव रखें। युवाओं से जुड़े सामाजिक मुद्दों पर बात करते हुए भागवत ने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज का युवा भीतर से अकेलापन महसूस कर रहा है। परिवारों में संवाद की कमी और रिश्तों में भावनात्मक दूरी के कारण मोबाइल और नशा युवाओं के लिए आसान विकल्प बनते जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि परिवार के भीतर संवाद और भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा, तो नकारात्मक आदतों की ओर युवाओं का झुकाव स्वतः कम होगा। समाज और परिवार को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां युवा अकेलेपन से बचने के लिए नशे की ओर नहीं, बल्कि रचनात्मक और सार्थक गतिविधियों की ओर आगे बढ़ें।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 1 जनवरी 2026 लखनऊ

शीतकालीन तीर्थाटन एवं पर्यटन को नई दिशा दे रही देवभूमि उत्तराखंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा के बाद शीतकालीन चारधाम सर्किट को मिली नई राष्ट्रीय पहचान। उत्तराखंड सरकार इस विजन को प्रमुखता देते हुए सालभर तीर्थयात्रा कर सकने की सुविधा को सुनिश्चित कर रही है। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा स्थल तीर्थयात्रा के अनुभव को दिव्यता देंगे।

"उत्तराखंड के पास एक प्राकृतिक आध्यात्मिक शक्ति है, जो उसे विशिष्ट बनाती है। देवभूमि की यह शक्ति, विरासत और पवित्रता इसे ऐसी पहचान देती है, जो कहीं और नहीं मिलती। राज्य अब अपार संभावनाओं के दौर में प्रवेश कर रहा है और यदि यह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े, तो दुनिया के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में अपना स्थान बना सकता है। आध्यात्मिक सामर्थ्य के साथ-साथ उत्तराखंड एक सुंदर विवाह-गंतव्य के रूप में भी उभर रहा है। 'वेड इन इंडिया' दृष्टिकोण का लाभ लेने के लिए राज्य कुछ चुनिंदा स्थानों को विश्व-स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित कर विकसित कर सकता है, ताकि देश भर के लोग उत्तराखंड की शांत और दिव्य वादियों में अपने विशेष अवसरों का उत्सव मना सकें।"

– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व से प्रेरित होकर, हम उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धि और अपार संभावनाओं के साथ हम दूरदर्शी नीतियों और केंद्रित पहलों के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देने, अवसंरचना को उन्नत करने और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य उत्तराखंड को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाना है, जहां विरासत और नवाचार साथ-साथ आगे बढ़ें, और हर व्यक्ति को एक समृद्ध, प्रगतिशील और समावेशी वातावरण में आगे बढ़ने और सफल होने के अवसर मिलें।"

— पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है देवभूमि उत्तराखण्ड

गंगा मंदिर, उत्तरकाशी

ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ

यमुना मंदिर, खरसाली

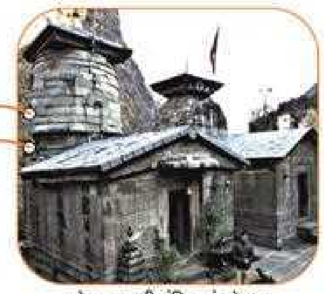

योगध्यान बद्री मंदिर, पांडुकेश्वर

उत्तराखंड का शीतकालीन चारधाम सर्किट पारंपरिक ग्रीष्मकालीन तीर्थयात्रा को एक सालभर उपलब्ध आध्यात्मिक और पर्यटन अवसर में परिवर्तित करता है। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के मुख्य मंदिर जब शीतऋतु के दौरान बंद हो जाते हैं, तो उनके देवताओं की मूर्तियां शीतकालीन गद्दीस्थलों या वैकल्पिक स्थानों पर स्थापित की जाती हैं, जिससे भक्त पूजा-अर्चना जारी रख सकें। हाल के महीनों में, इस सर्किट को नई पहचान तब मिली जब गंगा की शीतकालीन निवासस्थली मुखबा में एक उच्च-स्तरीय यात्रा हुई।

6 मार्च 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर्षिल–मुखबा क्षेत्र में स्थित गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास पर दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इस यात्रा ने शीतकालीन तीर्थयात्रा के महत्व को रेखांकित किया और यह दर्शाया कि उत्तराखंड में पर्यटन को गर्मियों के मौसम से आगे बढ़ाकर सालभर की आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधि बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट था–शीत ऋतु को 'ऑफ-सीजन' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह यात्रा आस्था और विकास दोनों का प्रतीक बनी, क्योंकि इसने चारधाम की धार्मिक निरंतरता को पुन: स्थापित किया और साथ ही शीतकालीन पर्यटन को मजबूत करने के लिए आवश्यक अवसंरचना और प्रचार-प्रसार पर ध्यान आकर्षित किया।

मुखबा अपने आप में शांत और मनोहारी हिमालयी सौंदर्य वाला स्थान है। गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने पर देवी की मूर्ति विधि-विधान के साथ मुखबा लाई जाती है, जिससे भक्त कम ऊंचाई वाले इस स्थान पर भी पूजा कर सकें। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा-पद्धतियों का संगम मुखबा को शीतकालीन तीर्थयात्रा का एक अनोखा और भावपूर्ण प्रारंभिक बिंदु बनाता है।

शीतकालीन चारधाम सर्किट देवप्रतिमाओं को शीतकालीन मंदिरों में स्थापित कर सालभर तीर्थयात्रा को संभव बनाता है, जहां आस्था हिमालयी यात्रा अनुभवों के साथ सुगमता से जुड़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा ने शीतकालीन पर्यटन की विशाल संभावनाओं को उजागर किया, जिससे अवसंरचना विकास और पर्यटन प्रोत्साहन को नई दिशा मिली। औली, चकराता और दयारा बुग्याल जैसे नजदीकी गंतव्य आध्यात्मिकता, रोमांच और प्रकृति-आधारित अनुभवों को और समृद्ध बनाते हैं।

शीतकालीन चारधाम के अनुभव को आस-पास के गंतव्यों से बनाएं बेहतर

दयारा बुग्याल : एक विस्तृत अल्पाइन घासभूमि, जो शीतकालीन बर्फीले नजारों और ग्रीष्मकालीन चरागाहों के लिए प्रसिद्ध है। सर्दियों में इसकी दूर-दूर तक फैली सफेद घाटियां ध्यानपूर्ण सैर के लिए आदर्श हैं और हिमालय के व्यापक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

चकराता : देवदार के जंगलों, झरनों और आसान ट्रेकिंग मार्गों के लिए जाना जाने वाला शांत पहाड़ी कस्बा। चकराता के सुरम्य वनप्रदेश भीड़भाड़ वाले तीर्थ मार्गों से अलग एक शांत अनुभव प्रदान करते हैं।

लाखामंडल : यह प्राचीन मंदिर परिसर पुरातात्विक अवशेषों और ऐतिहासिक शिव मंदिरों से सम्पन्न है। क्षेत्र की प्रारंभिक मंदिर स्थापत्य परंपरा और स्थानीय पौराणिक धरोहर में रुचि रखने वाले यात्रियों के लिए यह एक सांस्कृतिक आकर्षण जोड़ता है।

औली : भारत का प्रमुख स्कीइंग गंतव्य, जहां शीतकालीन खेल, रोपवे और नंदा देवी सहित कई हिमालयी चोटियों के दिव्य दृश्य उपलब्ध हैं। तीर्थयात्रा के साथ रोमांचक पर्यटन अनुभव चाहने वाले यात्रियों के लिए औली एक आकर्षक विकल्प है।

काशी विश्वनाथ (उत्तरकाशी) : उत्तरकाशी का विश्वनाथ मंदिर एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय धाम है और ऊंचाई वाले तीर्थस्थलों की ओर जाते समय एक आध्यात्मिक विराम प्रदान करता है। इसकी उपस्थिति चारधाम यात्रा की धार्मिक निरंतरता को और मजबूत बनाती है।

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान : यूनेस्को बायोस्फियर रिजर्व के रूप में मान्यता प्राप्त यह उद्यान उच्च हिमालयी वाइल्डरनेस, दुर्लभ वनस्पतियों–जीवों और समृद्ध संरक्षण विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां की यात्रा तीर्थयात्रा अनुभव में पर्यावरणीय जागरूकता और प्रकृति संरक्षण की गहराई जोड़ती है।

विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड अपने मंदिर सर्किट, प्राचीन विरासत और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाकर खुद को आध्यात्मिकता और कल्याण का वैश्विक केंद्र स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। अपने इस प्रयास से यह विश्व पटल पर नई पहचान भी स्थापित कर रहा है

उत्तराखंड धीरे-धीरे एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो प्राचीन मंदिर सर्किटों को पुनर्जीवित, सशक्त और आधुनिक बनाने के केंद्रित प्रयासों से प्रेरित है। इस दिशा में एक प्रमुख पहल है मानसखंड मंदिर माला मिशन, जिसका उद्देश्य कुमाऊं क्षेत्र के महत्वपूर्ण मंदिरों का विकास और आपसी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। मिशन के तहत पहुंच मार्गों, आगंतुक सुविधाओं और धरोहर अवसंरचना में सुधार कर, राज्य की समृद्ध सभ्यतात्मक विरासत पर आधारित एक सहज तीर्थयात्रा अनुभव तैयार करना लक्ष्य है।

इस आध्यात्मिक परिदृश्य में योगदान देने वाले प्रमुख मंदिरों में रुद्रप्रयाग जिले का कार्तिक स्वामी मंदिर शामिल है। एक ऊंची चट्टानी कगार पर स्थित यह मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है और हिमालयी चोटियों के मनोरम दृश्य के साथ शांतिपूर्ण भक्तिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। इसकी अनूठी भौगोलिक स्थिति इसे तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के लिए एक पवित्र स्थल और मनोहारी दृष्टि बिंदु दोनों बनाती है।

इसी तरह, त्रिजुगीनारायण मंदिर, जो रुद्रप्रयाग में स्थित है, भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पौराणिक कथाओं में लिप्त यह मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह स्थल के रूप में जाना जाता है। मंदिर परिसर में लगातार जलती रहने वाली अनंत ज्योति उस दिव्य मिलन का जीवित प्रतीक मानी जाती है, जो पूरे वर्ष भक्तों को आकर्षित करती है।

कार्तिक स्वामी मंदिर, भगवान कार्तिक को समर्पित, जिन्हें देश के कुछ हिस्सों में भगवान मुरुगा / मुरुगन के नाम से जाना जाता है।

जागेश्वर धाम, 125 से ज्यादा प्राचीन मंदिरों का समूह, जो भगवान शिव को समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 9 नवंबर 2025 को देहरादून में दिया गया संबोधन राज्य की आध्यात्मिक संभावनाओं को और मजबूत करता है। उन्होंने उत्तराखंड की प्राकृतिक और सांस्कृतिक शक्ति पर बल देते हुए कहा, "यदि उत्तराखंड इसे ठान ले, तो कुछ ही वर्षों में यह विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित हो सकता है" उनकी यह टिप्पणी राज्य की बदलती पहचान की संपूर्णता को दर्शाती है, जो आध्यात्मिकता, तीर्थयात्रा और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है।

रणनीतिक विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और धरोहर आधारित विकास पर नए प्रयास के साथ, उत्तराखंड इस दृष्टि को साकार करने की दिशा में अग्रसर है, खुद को विश्वास, पवित्रता और आध्यात्मिक खोज का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

'वेड इन उत्तराखंड' से राज्य में बढ़ रहा वेडिंग पर्यटन का आकर्षण

राज्य की पर्यटन क्षमता की ओर इशारा करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय 'वेड इन इंडिया' पहल के तहत उत्तराखंड की क्षमता को एक प्रमुख डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में उभरने की ओर इंगित किया। यह पहल प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के बाद उत्तराखंड धीरे-धीरे शादी पर्यटन के लिए एक प्रत्याशित गंतव्य के रूप में उभर रहा है। पीएम मोदी ने राज्य स्थापना दिवस समारोह, 9 नवंबर 2025 को अपने संबोधन में राज्य के प्राकृतिक दृश्य, आध्यात्मिक वातावरण और बढ़ती पर्यटन अवसंरचना की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि ये सभी कारक देश और विदेश से वेडिंग पर्यटन को आकर्षित करने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तराखंड पहले ही एक वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है, जो अपनी पर्वतीय भव्यता, नदियों और शांत घाटियों के प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित है। उन्होंने 'वेड इन इंडिया' पहल के अंतर्गत राज्य की एक विशिष्ट पहचान बनाने का महत्व रेखांकित किया और सुझाव दिया कि उत्तराखंड 5–7 प्रमुख वेडिंग स्थल विकसित कर सकता है, जो उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं के साथ राज्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करें।

उन्होंने यह भी कहा कि पहुंच मार्गों में सुधार, आतिथ्य सेवाओं को बढ़ाना और स्थानीय परंपराओं को समेकित करना न केवल पर्यटन अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर भी सृजित करेगा। रोमांच, ईको-टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को पहले ही बढ़ावा देने वाली सरकार के लिए, समर्पित वेडिंग डेस्टिनेशन रणनीति राज्य की पेशकशों में और विविधता जोड़ती है।

मजबूत जनसहानुभूति और प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के साथ, उत्तराखंड भारत के सबसे आकर्षक वेडिंग गंतव्यों में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाने जा रहा है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक गहराई और विश्व-स्तरीय आतिथ्य का अनूठा संयोजन मिलेगा।

प्रसिद्ध त्रिजुगीनारायण मंदिर, भगवान शिव और पार्वती के विवाह के लिए जाना जाता है और अटूट आस्था और आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक है।

होमस्टे नीति से ग्रामीण पर्यटन को मिल रहा विस्तार

5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे और प्रोत्साहनों के साथ, होमस्टे नीति सामुदायिक पर्यटन और स्थानीय आजीविका को मजबूत बना रही है

उत्तराखंड की होमस्टे नीति तेजी से ग्रामीण पर्यटन और समावेशी विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनती जा रही है। वर्तमान में राज्य में 5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे हैं, जो पहाड़ी जिलों में समुदाय-आधारित आवास के तेज विस्तार को दर्शाते हैं।

योजना के तहत, सामान्य क्षेत्रों में संचालित होमस्टे को अधिकतम ₹7.5 लाख तक की पूंजी अनुदान मिल सकती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में यह राशि ₹10 लाख तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त, कई वर्षों के लिए ब्याज अनुदान का भी प्रावधान है। होमस्टे संचालकों का स्थानीय निवासी होना आवश्यक है और उन्हें स्थानीय संस्कृति, व्यंजन और अतिथ्य को पर्यटक अनुभव में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना, रोजगार सृजित करना और पर्यटन के माध्यम से पलायन को रोकना है। प्रारंभिक आंकलन बताते हैं कि होमस्टे मॉडल आय बढ़ाने, स्थानीय आजीविकाओं में विविधता लाने और उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में सामुदायिक विकास में योगदान दे रहा है।

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है आदि कैलाश

प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद आस्था व साहस का प्रतीक बनकर उभरा है आदि कैलाश

आदि कैलाश, उत्तराखंड के सबसे पूजनीय आध्यात्मिक स्थलों में से एक, आज तेजी से ऐसे गंतव्य के रूप में उभर रहा है जहां पौराणिक विरासत और ऊंचाई वाले साहसिक अनुभव एक साथ मिलते हैं। अपनी गहरी पौराणिक महत्ता और भव्य हिमालयी आभा के लिए प्रसिद्ध आदि कैलाश राज्य की सांस्कृतिक पहचान में एक विशेष स्थान रखता है। यह क्षेत्र अब तीर्थयात्रियों, प्रकृति प्रेमियों और रोमांच-प्रेमी यात्रियों को आकर्षित कर रहा है, जो आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ निर्मल प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश में आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा ने इसकी राष्ट्रीय पहचान को और अधिक सशक्त किया है। 9 नवंबर 2025 को देहरादून में अपने संबोधन के दौरान

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि किस प्रकार यह क्षेत्र उत्तराखंड की बढ़ती पर्यटन अपील का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन रहा है। उन्होंने बढ़ती पर्यटक संख्या की सराहना करते हुए बताया कि तीन वर्ष पहले जहां वर्षभर में 2,000 से भी कम पर्यटक आते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर लगभग 30,000 पहुंच गई है। यह बदलाव बेहतर कनेक्टिविटी और उन्नत अवसंरचना के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। यह क्षेत्र एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का भी साक्षी बना, जहां उच्च हिमालयी ऊंचाइयों पर आयोजित अल्ट्रामैराथन और आदि कैलाश परिक्रमा रन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। प्रधानमंत्री ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि देश-विदेश के एथलीटों को हिमालय की आध्यात्मिक और पर्यावरणीय समृद्धि से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास राज्य में इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म की अपार संभावनाओं को सामने लाते हैं।

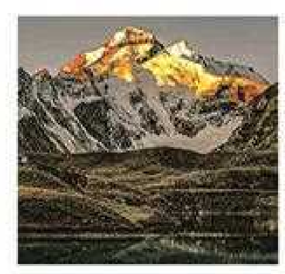

अनदेखे रोमांच का अद्वितीय संगम

उत्तराखंड दुनियाभर के रोमांच खेल प्रेमियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है

देश में जब रोमांच पर्यटन की बात आती है, तो उत्तराखंड अपने विविध परिदृश्यों और रोमांच प्रेमियों का पसंदीदा स्थान बन जाता है। यहां रोमांचक गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। आपको यहां जोश से भर देने वाले कई खेल खेलने को मिल जाते हैं और यही कारण है कि दुनियाभर के रोमांच प्रेमियों के लिए यह राज्य असाधारण अनुभव प्रदान करता है।

ट्रैकिंग और हाईकिंग

ट्रैकिंग और हाइकिंग के माध्यम से आप उत्तराखंड की सुदूर जगहों की यात्रा कर सकते हैं। यहां पारंपरिक रूपकुंड ट्रैक पर ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है, जहां हरे-भरे जंगल और घास के मैदानों के बीच या फूलों की घाटी के बीच से होकर गुजरना सुखद अहसास दे सकता है। लंबी सैर करने वालों के लिए केदारकांठा और गौमुख तपोवन ट्रैक जीवन भर के लिए यादगार अनुभव दे जाते हैं।

बंजी जंपिंग

विश्व की योग राजधानी के रूप में भी पहचाना जाने वाला ऋषिकेश अपने जोशीले रोमांच के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां पूरे देश में सबसे ऊंची बंजी जंपिंग साइट है। गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने की इच्छा रखने वाले रोमांच प्रेमी शानदार हिमालय पहाड़ियों के बीच बंजी जंपिंग करने के लिए यहां आते हैं।

स्कीइंग

चमोली जिले में स्थित औली को स्कीइंग प्रेमियों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। दूर तक बर्फ से ढकी पहाड़ी ढलानों के साथ रोमांच प्रेमी इसके शीतकालीन वंडरलैंड से रास्ता तय करते हुए औली की यात्रा करते हैं। यह शानदार स्थल राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां एथलीटों को अपनी ताकत दिखाने का पूरा मौका मिलता है।

रिवर राफ्टिंग

उत्तराखंड की नदियां केवल राज्य की सुंदरता को ही नहीं बढ़ाती हैं, बल्कि व्हाइट वॉटर राफ्टिंग के प्रेमियों में जोश भर देती हैं, जो यहां रोमांच के लिए आते हैं। जब पर्यटक सफेद पानी में राफ्टिंग के माध्यम से रैपिड्स पर विजय प्राप्त करते हैं या गंगा, टोंस और अलकनंदा नदियों में एक शांत कैनोइंग या कयाकिंग के दौरान पानी पर नौका चलाते हैं, तो निश्चित रूप से उन्हें अलग रोमांच का अनुभव मिलता है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां आसमान की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नैनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से वह आसमानी उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र ने स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है और यहां रोजगार की संभावनाएं सृजित की हैं।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह आज से

बाराबंकी : अमृत विचार : सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की शुरुआत गुरुवार की सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट से बाइक जागरूकता रैली के साथ होगी। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पटेल तिराहा, बस अड्डा, कंपनीबाग, छाया चौराहा, नेवलेट तिराहा, लैया मंडी, धनोखर चौराहा, खोया मंडी, नाका सतरिख और रामनगर तिराहा पर समाप्त होगी।

तीन दिवसीय समेकित शिक्षा प्रशिक्षण संपन्न

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : दरियाबाद द्वितीय के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में 45 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में दिव्यांगता की पहचान, मूल्यांकन प्रक्रिया और आंगनबाड़ी केंद्रों को समावेशी बनाने पर जानकारी दी गई। खंड शिक्षा अधिकारी मनीराम वर्मा ने कार्यकर्ताओं की भूमिका की सराहना की। प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता से यह प्रशिक्षण सफल रहा।

अखंड ज्योति कलश रथ यात्रा का स्वागत

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : अलीयाबाद में गायत्री परिवार की अखंड ज्योति कलश रथ यात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा शताब्दी वर्ष और माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी के अवसर पर निकाली गई थी। श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे और फूलों की वर्षा के साथ रथ की पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन में गायत्री परिवार के पदाधिकारी और स्थानीय भक्तों की भागीदारी रही।

ढाबा संचालक पिता पुत्र ने युवक को पीटा

बाराबंकी : अमृत विचार : कोतवाली नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नवीन मंडी के सामने स्थित परसो राम ढाबा पर देर रात खाना पैक कराने गए युवक के साथ होटल संचालक व उसके पिता द्वारा मारपीट की गई। बब्लू उर्फ मुकीम पुत्र मोहर्रम अली निवासी ग्राम बेहटा थाना सफदरगंज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 दिसंबर की रात वह अपने दोस्त कुलदीप यादव के साथ ढाबा पर खाना खाने गया था। खाना खाने के बाद जब उसने प्लेट साफ करने की बात कही, तो होटल संचालक मंजेश यादव पुत्र राजकुमार व उसके पिता राजकुमार निवासी सुल्तानपुर थाना मसौली ने गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि दोनों ने मिलकर पीड़ित को डंडों व कुर्सियों से बेरहमी से पीटा, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पीड़ित का कहना है कि जाते समय आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

ठंड पर भारी पड़ा नये वर्ष का उत्साह

2026 के आगमन पर थिरके लोग, मंदिरों में हुआ पूजा पाठ, बाजारों में जुटी रही लोगों की भीड़

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : कड़ाके की सर्दी नए साल के उत्साह पर भारी पड़ी। बुधवार की आधी रात जैसे ही घड़ी ने 12 बजाए, पूरा शहर रंग-बिरंगी रोशनी, आतिशबाजी और डीजे की धमक से गूंज उठा। मंदिरों की घंटियां, युवाओं का उत्साह और बाजारों की चहल-पहल ने नए साल 2026 के स्वागत को यादगार बना दिया।

प्रमुख मंदिरों में नये साल की पूर्व संध्या पर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मंदिरों में रामायण पाठ भी हुआ। किंतुर के कुंतेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक के साथ पारिजात वृक्ष की विशेष पूजा-अर्चना की गई। सिविल लाइन, घंटाघर, धनोखर सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर युवाओं ने डीजे की धुनों पर डांस किया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी नए साल का उत्साह रहा।

कोतवाली के बगल स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में रामायण पाठ करते भक्त।

केक काटकर जश्न मनाते लोग। ● अमृत विचार

नववर्ष 2026 पर जनपद के समस्त नागरिकों, जनप्रतिनिधियों को हार्दिक शुभकामनाएं। नया वर्ष सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए।
–शशांक त्रिपाठी, जिलाधिकारी।

पुलिस कानून–व्यवस्था, महिला सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने में प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। नागरिकों से अपील है कि वह पुलिस का सहयोग कर कानून व्यवस्था को मजबूत करें।
–अर्पित विजयवर्गीय, पुलिस अधीक्षक।

नया वर्ष विकास, सशक्तिकरण व समावेशी प्रगति का प्रतीक होगा। विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रशासन का जोर रहेगा।
–अन्ना सुदन, मुख्य विकास अधिकारी।

अस्पताल में शिशु की मौत गलत इलाज का आरोप

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : संयुक्त चिकित्सालय में मंगलवार रात इलाज के दौरान तीन सप्ताह के शिशु की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। वहीं प्रभारी ने आरोप निराधार बताए हैं।

परिजनों के अनुसार रय्यान का जन्म 3 दिसंबर को सैदनपुर पीएचसी में हुआ था। जन्म के बाद से बच्चा कमजोर होने के साथ ही ठीक से दूध नहीं पी रहा था। परिजनों ने बताया कि 15 दिसंबर को संयुक्त चिकित्सालय की एक महिला डॉक्टर से दवा ली गई थी, जिससे बच्चे की हालत में कुछ सुधार हुआ था। मंगलवार को दवा समाप्त होने पर वे पुनः अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर द्वारा बच्चे को इंजेक्शन लगाए गए, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। आरोप है कि इसके बाद परिजनों को बाहर कर बच्चा देने से मना कर दिया गया। बाद में वे बच्चे को लेकर घर आए, जहां उसकी मौत हो गई। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. मुशीर अहमद खान ने आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि बच्चा हाइपोथर्मिया और ठंड के लक्षणों से पीड़ित था। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत सामान्य लग रही थी और उसे आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया था, लेकिन परिजन उसे वहां नहीं ले गए।

हादसों में दो की मौत, नौ घायल

रफ्तार की मार

रामनगर, त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : अलग-अलग जगहों पर हुए हादसों में दो लोगों की मौत हो गई जबकि नौ लोग घायल हो गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पहली घटना मंगलवार देर रात की है। गोण्डा के मनकापुर क्षेत्र से खाटू श्याम जा रही कार मंगलवार को मध्यरात्रि दलसरांय के पास आगे चल रही गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। हादसे में कार के परखचे उड़ गए। कार सवार प्रिंस (27), शिवम गुप्ता (25), लवकुश गुप्ता (35), सौरभ (25), यश दुबे व जितेंद्र (32) गंभीर रूप से घायल हो गए। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान शिवम गुप्ता की मौत हो गई, जबकि अन्य का उपचार जारी है। दूसरी घटना बुधवार दोपहर बाराबंकी-गोंडा हाईवे पर सुरवारी के पास हुई। रामनगर की ओर आ रही कार की सामने से आ रहे डंपर से टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार सुनील (58), उनकी पत्नी बबीता (53) चालक मनोज तिवारी (31) गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी भेजा। इसी बीच त्रिवेदीगंज क्षेत्र में कोतवाली हैदरगढ़ के बारा मोड़ के पास अलमापुर मजरे तेजवापुर निवासी अंकित वर्मा उर्फ साजन (32) की बाइक को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल अंकित की सीएचसी त्रिवेदीगंज में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं दहिला डेयरी के पास कार पलटने से हसनपुर निवासी संग्राम शर्मा घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

रामनगर में हादसे में क्षतिग्रस्त कार।

सुरवारी में उड़े कार के परखचे।

बंद घर से जेवर और नकदी चोरी

बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के दनियालपुर केवाड़ी मोड़ स्थित ग्रीन सिटी में चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। गृहस्वामी प्रेम कुमार नोवा अस्पताल लखनऊ में इलाज के लिए 26 नवंबर से भर्ती थे। 19 दिसंबर को जब वह घर लौटे तो घर का मुख्य ताला टूटा मिला। चोरों ने अलमारी तोड़कर उसमें रखे करीब 25 हजार रुपये नकद, बेटी का 25 हजार रुपये से भरा गुल्लक, दो सोने की अंगूठी, एक सोने की चेन, चांदी के सिक्के सहित दो डबल बेड कंबल चोरी कर लिए। पीड़ित की खोजबीन के बावजूद कोई सुराग नहीं लग सका।

ऑपरेशन के बाद रोगी की मौत, प्रदर्शन

- निजी नर्सिंग होम में सिरदर्द के मरीज का कर दिया ऑपरेशन

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : निजी अस्पताल में एक मरीज की सिरदर्द की शिकायत पर डाक्टरों ने ऑपरेशन कर दिया। मंगलवार देर रात रोगी ने दम तोड़ दिया तो अस्पताल ने निजी साधन से शव घर भिजवा दिया। घटना से आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने गलत इलाज का आरोप लगाते हुए शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस के समझाने पर वे शांत हुए और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

कोठी के डफरापुर मजरे मोहब्बतपुर निवासी रामविलास के पुत्र अरविन्द (30) को सिरदर्द की शिकायत थी। परिजन उसे सुमन हास्पिटल एवं ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे। वहां दिमाग की नस में थक्का जमने की बात कही गई और ऑपरेशन बताया गया। 27 दिसंबर को अरविन्द का ऑपरेशन हुआ पर सुधार नहीं नजर आया। मंगलवार की देर रात अस्पताल के डाक्टरों ने परिजनों को फोन पर बताया कि मरीज की किडनी, फेफड़ा काम नहीं कर रहा है। रामविलास के पुत्र नरेन्द्र ने बताया कि अस्पताल की ओर से अरविन्द का शव घर भिजवा दिया गया। वहीं दो लाख का बिल थमाया गया। बुधवार की सुबह परिजन व ग्रामीण चौराहा पहुंचे और शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। तहरीर शहर कोतवाली पुलिस को दी गयी। सीएमओ डा. अवधेश यादव ने बताया कि जांच कराएंगे। जो भी दोषी मिला, उस पर कार्रवाई होगी।

प्रदर्शन करते परिजन और ग्रामीण। ● अमृत विचार

धर्म, संस्कृति और राष्ट्रसेवा के मार्ग पर चलें : ऋतेश्वर महाराज

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : वृंदावन से अयोध्या जाते समय सदगुरु सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज का रामसनेहीघाट क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया। सदगुरु महाराज ने धर्म, संस्कृति और राष्ट्र सेवा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

महाराज के आगमन पर छोटी हनुमान गढ़ी भिटरिया व बूढ़े हनुमान मंदिर सुमेरगंज परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर सदगुरु का अभिनंदन तथा दर्शन किया। इस मौके पर चंदन द्विवेदी, दिनेश सिंह, वीरेंद्र सिंह, शुभम कसौधन, अरविंद गुप्ता (लालजी), जवाहर लाल कौशल, दिवाकर बाबा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

ऋतेश्वर महाराज का स्वागत करते लोग।

अराजक तत्वों ने लगाई आग बाइक और एसी जलकर नष्ट

बाराबंकी, अमृत विचार : एलआईसी कार्यालय के निकट भवन के बाहर अराजक तत्वों ने खड़ी बाइक में आग लगा दी। आग की चपेट में आकर एसी भी जल गया। आरोप इसी मोहल्ले में रहने वाले युवकों पर लगा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बिहार प्रांत के निवासी अभिषेक कुमार एवं दिनेश्वर मिश्रा वर्तमान में शेख इंटरप्राइजेज के कार्यालय में कर्मचारी हैं और वहीं रहते भी हैं। 28 दिसंबर की रात एक अज्ञात व्यक्ति ऑफिस के नीचे खड़ा मिला। जब उससे वहां खड़े होने का कारण पूछा गया तो वह अभद्रता करने लगा और फोन कर अपने अन्य साथियों व परिजनों को मौके पर बुला लिया। आरोप है कि सभी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी दौरान आरोपियों ने ऑफिस के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल खींचकर बगल में ले जाकर उसमें आग लगा दी। आग इतनी भयानक थी कि बाइक पूरी तरह जल गई और मकान में लगा एसी भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

पीड़ितों ने बताया कि वे हमलावरों को पहले नहीं जानते थे, लेकिन सुबह जानकारी करने पर पता चला कि आरोपी मोहल्ले के ही निवासी हैं।

विवाहिता ने पुलिस पर लगाया मिलीभगत का आरोप

बाराबंकी, अमृत विचार : रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र में एक वैवाहिक समारोह के दौरान विवाहिता से छेड़छाड़, चेन गायब होने व पति से मारपीट की घटना की जांच अब शहर कोतवाली पुलिस कर रही है। बताते चले कि नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत शहर की रहने वाली विवाहिता ने बताया कि वह गत 10 दिसम्बर की रात रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के एक गांव बारात में शामिल होने गई थी। इसी दौरान राशिद अली, जाहिद अली तथा वसीम घोसी ने उसे गलत नीयत से पकड़कर घसीटा। शोर मचाने पर पति बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें पीटा। आरोप लगाया कि अभियुक्तों ने अश्लील हरकतें कीं और जान से मारने की धमकी दी। अफरा-तफरी के दौरान उसकी सोने की चेन भी गायब हो गई। इस मामले में कोतवाली पुलिस की जांच से असंतुष्ट विवाहिता ने एसपी से मिलकर अपनी बात कही। एसपी के निर्देश पर गत 24 दिसंबर को विवेचना रामसनेहीघाट कोतवाली से हटाकर शहर कोतवाली को सौंप दी गई। पीड़िता का आरोप है कि इस मामले में उसे न्याय नहीं मिल रहा बल्कि पुलिस आरोपियों का पक्ष ले रही है। अब तक कोई पकड़ा नहीं गया है। वहीं शहर कोतवाल सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि एसएसआई प्रकरण की विवेचना कर रहे हैं। साक्ष्य जुटाए जा रहे, उसी के अनुसार आगे कार्रवाई की जाएगी।

सिटी डायरी

राज्यमंत्री ने 1300 निराश्रितों को बांटे कंबल

कंबल वितरित करते राज्यमंत्री। अमृत विचार

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : कड़ाके की ठंड के बीच जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने खुसेहटी में 700 तथा नगर पंचायत रामसनेहीघाट के मिनी स्टेडियम में 600 दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को कंबल वितरित किए। इस अवसर पर राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि यह सेवा कार्य सरकार की संवेदनशीलता, गरीब कल्याण और अंत्योदय की भावना को सशक्त रूप से दर्शाता है। एसडीएम अनुराग सिंह, तहसीलदार शशांक उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

विदाई देते शिक्षणेतर संघ के पदाधिकारी। अमृत विचार

सेवानिवृत्त होने पर लिपिक को दी विदाई

बाराबंकी, अमृत विचार : फतेहचंद जगदीश राय इंटर कॉलेज, सफदरगंज में सहायक लिपिक दिनेश प्रताप सिंह के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय प्रांगण में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य कैलाश नारायण, वरिष्ठ प्रवक्ता शैलेंद्र मिश्रा एवं हौसला प्रसाद चौबे सहित अन्य शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने दिनेश प्रताप सिंह के कार्यों की प्रशंसा की। इस मौके पर माध्यमिक शिक्षणेतर संघ के प्रदेश मंत्री शिव कैलाश सोनी, जिला अध्यक्ष नीरज पांडे, जिला मंत्री पवन कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह, उपाध्यक्ष देशराज सिंह एवं नरेंद्र कुमार, जिला मीडिया प्रभारी अमित राज, ज्ञानेश कुमार द्विवेदी, अखिलेश कुमार वर्मा सहित शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्मानित करते बाराबंकी क्रिकेट एसो. के पदाधिकारी।

अंपायरिंग व स्कोरिंग कार्यशाला

बाराबंकी, अमृत विचार : बालाजी किंगडम ऑफ स्पोर्ट्स में आयोजित पहली अंपायरिंग एवं स्कोरिंग कार्यशाला का तीसरे दिन समापन हो गया। स्कोरिंग एवं अंपायरिंग में प्रतिभाग कर रहे 16 बच्चों की लिखित एवं मौखिक परीक्षा उप्र क्रिकेट एसोसिएशन से आए एजुकेटर एसपी सिंह एवं एपी सिंह द्वारा ली गई। इस मौके पर बाराबंकी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जतिन वर्मा, चेयरमैन अख्तर अजीज खान, सचिव डॉ. अहमद जावेद, कोषाध्यक्ष राजेश अरोड़ा बब्बू सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर संयुक्त सचिव अंकुर माथुर, मुकेश, सौरभ सूर्यवंशी, कोच इरफान खान व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

वृद्धा को कंबल प्रदान किया गया। अमृत विचार

असहायों को बांटे कंबल

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : रामनगर गद्दी की मालकिन ललिता किन्नर ने गरीबों को कम्बल वितरित करअपना जन्मदिन मनाया। महादेवा में निवास कर रही गणेशपुर रामनगर गद्दी की मालकिन ललिता ने गरीबों को कम्बल प्रदान किये। कमलेश गुरु के संयोजन में हुए समारोह में भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित सिंह, अलका मिश्रा, महेश तिवारी, अमित अवस्थी, मोनू व सतीश ने ललिता को सम्मानित किया। इस मौके पर प्राची, ,ज्योति, लालमती, चांदनी, रेशमा आदि थीं।

सम्मेलन को संबोधित करते भाजपा जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा। ● अमृत विचार

अटल स्मृति सम्मेलन किया गया आयोजित

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर बुधवार को बाबा टीकाराम धाम में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह मुख्य अतिथि तथा पार्टी के जिलाध्यक्ष राम सिंह भुल्लन वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। दोनों नेताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। विधायक दिनेश रावत द्वारा आयोजित सम्मेलन में गहन पुनरीक्षण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक दिनेश रावत, ब्लॉक प्रमुख आरती रावत, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामदेव सिंह, सुनील सिंह, जिपं सदस्य प्रतिनिधि राम भीख त्रिवेदी, चेयरमैन आलोक तिवारी, पंकज दीक्षित, सुशील जायसवाल, शील रतन मिहिर, मंडल अध्यक्ष मोहित मिश्रा, महामंत्री संतोष कुमार सहित रामतीरथ वर्मा, सचिन वर्मा, रणधीर सिंह मोनू, कौशलेंद्र शुक्ला एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हियुवा ने निकाली जन आक्रोश रैली

- बांग्लादेश में हिंदुओं पर जुल्म के खिलाफ कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार और अत्याचार के विरोध में हिंदू युवा वाहिनी ने बुधवार को जन आक्रोश रैली निकाली।

रैली दोपहर लगभग 1 बजे शहीद उद्यान पार्क से प्रारंभ होकर पटेल तिराहे पर समाप्त हुई, जहां जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। इस अवसर पर हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश प्रवक्ता ललित सिंह ने कहा कि भारत सरकार को बांग्लादेश पर कूटनीतिक दबाव बनाना चाहिए, ताकि वहां रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने कहा कि हिंदुओं को भी अन्य नागरिकों की तरह सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिलना चाहिए। रैली में प्रदेश उपाध्यक्ष ओम सिंह रैकवार, जिला अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री राणा सिंह, प्रदेश मंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष आशीष सिंह, अधिवक्ता अभिषेक द्विवेदी, प्रदेश मंत्री शिवांश प्रताप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अनंत दुबे, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (अवध) नितिन मौर्य आदि शामिल रहे।

डीएम के प्रतिनिधि को ज्ञापन देते हिंदू युवा वाहिनी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यक्रम — 49 बीएलओ को शत-प्रतिशत मैपिंग पर जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

उत्कृष्टता की नयी मिसाल कायम करेगा जिला

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2026 के अंतर्गत जिला प्रशासन मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में लगातार प्रभावी पहल कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने 100 प्रतिशत मैपिंग कार्य करने वाले 49 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास, आपसी समन्वय और निरंतर परिश्रम से बाराबंकी न केवल निर्धारित लक्ष्य हासिल करेगा, बल्कि उत्कृष्टता की नई मिसाल भी कायम करेगा। इन बीएलओ ने अपने-अपने क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्य समय से पहले पूरा कर अभियान को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान की। जिलाधिकारी ने कहा कि यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का प्रतीक है, बल्कि टीम वर्क और समर्पण का भी उदाहरण है। उन्होंने बीएलओ से आह्वान किया कि वे जिस निष्ठा और दक्षता के साथ कार्य कर रहे हैं, उसी भावना से आगे भी योगदान दें। कार्यक्रम में बीएलओ ने फील्ड स्तर पर आने वाली चुनौतियों, मतदाता जागरूकता बढ़ाने के अनुभव और कार्य को और अधिक प्रभावी बनाने के सुझाव साझा किए। जिलाधिकारी ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना और उन्हें आगामी कार्ययोजना में शामिल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जमीनी स्तर पर कार्यरत बीएलओ के सुझाव अभियान को और अधिक मजबूत, सरल और प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

बीएलओ को सम्मानित करते डीएम। ● अमृत विचार

बुद्धि से निर्णय लेने पर मिलती है सफलता

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : कस्बा मसौली स्थित बाजार में चल रही सात दिवसीय शिव महापुराण कथा के छठे दिन परमपूज्य शशीकांत महाराज ने कहा कि जब कार्य बड़ा हो और समस्या सामने हो, तो बुद्धि से काम लेने पर ही सफलता प्राप्त होती है। परिस्थितियों के अनुसार अलग ढंग से सोचने से लाभ अवश्य मिलता है। कथा व्यास ने गणेश और कार्तिकेय स्वामी की कथा का वर्णन करते हुए बताया कि गणेश जी ने अपनी बुद्धिमत्ता से माता-पिता शिव-पार्वती की परिक्रमा कर प्रतियोगिता जीत ली, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें प्रथम पूज्य होने का वरदान दिया।

न्यूज ब्रीफ

नववर्ष को लेकर क्षेत्र में चलाया गया सघन चेकिंग अभियान

शुक्लागंज, उन्नाव: नववर्ष को लेकर जिले में सुरक्षा व शांति व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस व प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में रहा। इसी क्रम में बुधवार को नगर के प्रमुख चौराहों व मार्गों पर दिनभर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। एसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर कोतवाली प्रभारी अजय सिंह के नेतृत्व में सुबह से ही नवीन पुल मोड़, जाजमऊ, मरहला चौराहा व गंगा बैराज आदि प्रमुख स्थानों पर चेकिंग की गई। इसमें संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की गहनता से जांच की गई। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान भी काटे गए। सुबह से देरशाम तक चले इस अभियान के चलते क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा रहा।

देवखरी मोड़ पर कार की टक्कर से बाइक सवार हुआ घायल

बांगरमऊ, उन्नाव: फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के गांव दुगवां निवासी संदीप शुक्ला (35) पुत्र माया प्रकाश शुक्ला बुधवार को बाइक से अपनी रिश्तेदारी कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरधरपुर गया था। शाम को वह घर लौट रहा था। तभी रास्ते में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड स्थित गांव देवखरी मोड़ पर अचानक तेज रफ्तार एक कार उसकी बाइक में टक्कर मारकर भाग निकली। इसमें संदीप सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाज़ुक देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है।

फूल की दुकान पर गुलदस्ता खरीदती युवती। अमृत विचार

पार्क में बच्चों को झूला झुलाती युवतियां। अमृत विचार

उत्साह व उल्लास से किया नववर्ष का स्वागत

शुभम निगम, उन्नाव

अमृत विचार: बीते वर्ष के अंतिम दिन नए साल के स्वागत को लेकर जिले में जबरदस्त उत्साह व उल्लास देखा गया। वर्ष 2025 को विदाई देने और नव वर्ष 2026 की अगवानी के लिए शहर में दिन भर तैयारियों का दौर चलता रहा। रात के 12 बजते ही पूरा शहर 'हैप्पी न्यू ईयर' की धुन से गूंज उठा और लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी। बुधवार को शहर के मुख्य बाजारों व बीडी मार्केट में सुबह से ही रौनक रही। उपहारों (गिफ्ट्स) की दुकानों पर युवाओं व बच्चों की भारी भीड़ रही। शाम ढलते ही शहर के पार्क व पर्यटन स्थल गुलजार हो गए। पार्कों में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। सूर्यास्त के समय बच्चों ने डूबते सूरज को हाथ हिलाकर अपने अंदाज में वर्ष 2025 को अलविदा कहा। परिवारों के साथ पहुंचे लोगों ने पार्कों में सेल्फी लेकर यादों को संजोया।

वर्ष 2025 के अंतिम दिन डूबते सूर्य को बाय-बाय करते बच्चे। अमृत विचार

पार्क में झूलों पर मस्ती करते बच्चे। अमृत विचार

नववर्ष के आगमन को सजी फूलों व केक की दुकानें

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : नववर्ष सभी के लिए मंगलमय हो, यह सभी के लिए खुशियां लेकर आये, इन्हीं के मद्देनजर नगर में कई दुकानों को सजाया गया। जिसमें केक व गिफ्ट आइटमों की दुकानों पर भारी भीड़ रही। लोगों को गिफ्ट आइटम की खरीददारी करते हुए देखा गया, जिससे बच्चों व युवाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। मैसेज कार्ड, मोबाइल, फ्लावर, ग्रीटिंग कार्ड्स, चाकलेट, केक व गिफ्ट खूब बिके। वहीं दूसरी तरफ बियर शाप व अंग्रेजी शराब की दुकानो पर भी लम्बी कतारें देखी गयी। लोगों ने समय रहते अपनी तैयारियां पूरी कर ली, ताकि रात्रि 12 बजे से एक दूसरे को बधाईयां व संदेश आदि भेजे जा सके। वहीं दूसरी तरफ युवाओं ने देर रात तक पार्टी करने का मन बनाया है। जहां बारह बजते ही लोग घरों और दुकानों में झूमते हुये नये वर्ष का स्वागत करने के लिये डंटे रहे। वहीं लोग घरों में ही नये वर्ष को धूमधाम से मनाने के लिये परिवार के साथ केक काटा।

नववर्ष के उपलक्ष्य में फोरलेन पर सजी फूलों की दुकान। अमृत विचार

सदर विधायक ने किया 49 लाइटों का लोकार्पण

लाइटों का लोकार्पण करते सदर विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

संवाददाता, उन्नाव

- बोले, विधानसभा का समुचित विकास ही मेरा लक्ष्य

अमृत विचार: सदर विधायक पंकज गुप्ता के प्रयासों से आवास विकास परिषद द्वारा स्थापित की गई 49 स्ट्रीट लाइटों का लोकार्पण समारोह बुधवार को हुआ।

बता दें कि सिविल लाइन का मुख्य मार्ग लंबे समय से प्रकाश व्यवस्था न होने से अंधेरे में डूबा रहता था। जिससे राहगीरों को असुविधा होती थी। जनहित को देखते हुए विधायक सदर पंकज गुप्ता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर यहां लाइटें लगवाने की मांग की थी। शासन से स्वीकृति मिलने पर आवास विकास परिषद ने फुटपाथ पर इंटरलाकिंग व लाइटिंग का कार्य पूर्ण कराया।

उद्घाटन के अवसर पर विधायक ने कहा कि समूची विधानसभा का चहुंमुखी विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। बताया कि डूडा, आवास विकास परिषद व यूएसडीए जैसे विभागों के माध्यम से अब तक नगर में करीब 100 करोड़ के विकास कार्य कराए जा चुके हैं। वहीं, करीब 100 करोड़ की अन्य परियोजनाओं पर भी प्रयास जारी हैं। जिन्हें जल्द ही स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। इनमें गांधी नगर चौराहा, अस्पताल रोड फुटपाथ सौन्दर्यीकरण, छोटा चौराहा रोड व कब्बाखेड़ा पुलिया जैसे महत्वपूर्ण कार्य या तो पूरे हो चुके हैं या उन पर काम चल रहा है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने विधायक द्वारा शहर में किए गए विकास कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए उनका आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि लाइटों के लोकार्पण होने से लोगों को काफी हद तक पूरी सहूलियत मिलेगी। लाइटों के न होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

इस दौरान पूर्व सभासद डॉ. मीरा आर्या, सुनील अवस्थी, राजेंद्र भारती, ब्रजेश पांडेय, प्रियंका शुक्ला, सुशील तिवारी गुड्डा, अतुल वर्मा, निशेष जायसवाल, दिनेश लोधी, नगर अध्यक्ष छोटे गुप्ता, अनूप त्रिवेदी, मनोज निगम आदि मौजूद रहे।

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में चयनित उत्कर्ष का हुआ जोरदार स्वागत

शुक्लागंज, उन्नाव: पंजाब यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित 5 दिवसीय नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप (महिला व पुरुष) सत्र 2025-26 में शुक्लागंज के राजमार्ग सीताराम कॉलोनी निवासी खिलाड़ी उत्कर्ष गुप्ता उर्फ मनु ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कानपुर स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिभाग करते हुए उत्कर्ष ने 110 किलोग्राम भार वर्ग में मुकाबला किया और 15वीं रैंक हासिल कर ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की की। बुधवार को जब उत्कर्ष अपने घर पहुंचे तो गंगाघाट कोतवाली के सामने और सहजनी क्षेत्र में फूल-मालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। लोगों ने ढोल-नगाड़ों और जयघोष के साथ उत्साह व्यक्त किया। इस अवसर पर नागेन्द्र गुप्ता, सुरेन्द्र गुप्ता, संतोष गुप्ता, अमन, वैभव, पारस, तनु, नंदनी, दीपक सिंह, पवन तिवारी, अमरपाल, सूरज तिवारी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

उत्कर्ष का स्वागत करते परिजन और क्षेत्रीय लोग। अमृत विचार

फरहदपुर के पास मिला दो दिन से लापता अधेड़ का शव

हसगनंज, उन्नाव: हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के फरहदपुर मंडी के पास बुधवार सुबह अधेड़ का शव पड़ा होने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसकी पहचान कराकर परिजनों को जानकारी दी। बेटे के मुताबिक पिता दो दिन से लापता थे। जिसकी गुमशुदगी भी दर्ज थी। पुलिस की जांच व पीएम रिपोर्ट के मुताबिक उसकी किसी वाहन की टक्कर लगने से मौत होने की बात सामने आई है। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के थैलामऊ गांव निवासी रामकुमार (55) पुत्र स्व. बोधी खेती करता था। बेटे विजयभान ने बताया काफी समय से पिता मानसिक बीमार थे। बीती सोमवार शाम वह घर से बिना बताए कहीं निकल गए। खोजबीन के बाद उसने सोहरामऊ पुलिस में गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। बुधवार सुबह हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के अजगैन-मोहान मार्ग पर फरहदपुर मंडी के पास सुबह लोगों ने एक शव पड़ा देखा। उसकी नाक से खून भी निकल रहा था। पुलिस ने जांच के बाद सोशल मीडिया का सहारा लिया।

पुल पर मिले शव की पीएम रिपोर्ट में हत्या की आशंका

शुक्लागंज, उन्नाव: सोमवार सुबह नवीन पुल के फुटपाथ पर मिले अज्ञात अधेड़ व्यक्ति के शव के पोस्टमार्टम में हत्या की आशंका सामने आई है। पहचान न होने के कारण पुलिस ने शव को उन्नाव स्थित मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया था, जहां बुधवार को पोस्टमार्टम कराया गया। पीएम के दौरान मृतक के शरीर पर कई गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं, वहीं विसरा भी सुरक्षित किया गया है। सुबह करीब नौ बजे राहगीरों ने नवीन पुल पर फुटपाथ में सीढ़ियों के पास लगभग 50 वर्षीय व्यक्ति का शव पड़ा देखा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल की। आसपास मौजूद लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर 72 घंटे के लिए मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया। बुधवार को कराए गए पोस्टमार्टम में हेड इंजरी से मौत की पुष्टि हुई है। मृतक के सिर पर डंडे से प्रहार किए जाने के कारण दो स्थानों पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं।

पालिका के चालकों को बांटे गए कंबल

वाहन चालकों को कंबल बांटते पालिकध्सक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडे। अमृत विचार

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : नगर पालिका अध्यक्ष कौमुदी पांडे के प्रतिनिधि संदीप पांडे ने बुधवार सुबह साढ़े पांच बजे नगर पालिका परिसर में कार्यक्रम आयोजित कर डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण करने वाले चालकों, ट्रैक्टर, डंपर, वॉटर टैंकर चालकों व उनके सहयोगियों को कंबल बांटे। उन्होंने बताया कि सर्दी में ये कर्मचारी सुबह से अपने कार्यक्षेत्र में मेहनत करते हैं। ऐसे में उनकी सुविधा व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कंबल वितरित किए गए हैं।

स्पर्धा: मां गंगा कबड्डी क्लब बैदरा चैंपियन

उन्नाव, अमृत विचार : जिला कबड्डी एसो. व जिला खेल कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में जय बाबा फाउंडेशन द्वारा तृतीय डिस्ट्रिक्ट कबड्डी चैंपियनशिप के महिला वर्ग में मां गंगा कबड्डी क्लब बैदरा ने उन्नाव योद्धा कबड्डी क्लब को 23-4 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश सब्बरवाल, एसो. अध्यक्ष कैप्टन राहुल तिवारी व उपाध्यक्ष सुशील सांवरिया ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। आयोजक डॉ. राजेश सिंह द्वारा तहसील स्तर भवन में आयोजित प्रतियोगिता में संयोजक कृष्ण प्रताप सिंह ने बताया कि आज का पहला सेमी फाइनल महावीर कबड्डी क्लब व उन्नाव स्टेडियम के बीच हुआ। इसमें महावीर क्लब ने उन्नाव स्टेडियम को 17-15 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। दूसरा सेमी फाइनल उन्नाव योद्धा व भगत सिंह क्लब के बीच हुआ। इसमें उन्नाव योद्धा ने 15-10 के स्कोर के साथ भगत सिंह क्लब को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

घरेलू कलह से तंग महिला ने लगाई फांसी

बांगरमऊ, उन्नाव : कोतवाली क्षेत्र के गांव भिखारीपुर पतसिया अंतर्गत मजरा कुंसी निवासी संतराम की पत्नी सीमा (25) ने बुधवार शाम घरेलू कलह के चलते घर के कमरे में कुंडी के सहारे फांसी लगा ली। तभी उस पर परिजनों की निगाह पड़ी तो उन्होंने आनन-फानन उसे फंदे से नीचे उतारा और बेहोशी की हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाज़ुक देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

नगरपालिका में लगे शिविर में मौजूद लाभार्थी। अमृत विचार

पीएम स्वनिधि योजना को लेकर लगाया शिविर

शुक्लागंज, उन्नाव : बुधवार को नगर पालिका गंगाघाट परिसर में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत विशेष शिविर आयोजित हुआ। इसमें मौजूद डूडा कर्मियों ने रेहड़ी, पटरी व ठेला लगाने वाले पात्र लाभार्थियों के आवेदन फार्म भरवाए। डूडा की सामुदायिक आयोजक आंचल पटेल ने बताया कि सरकार द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत अब लाभ की राशि को बढ़ाकर दस हजार रुपए से पंद्रह हजार रुपए कर दिया गया है। इस योजना का उद्देश्य रेहड़ी-पटरी और ठेला लगाने वाले छोटे व्यापारियों को आर्थिक सहायता देकर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि जागरूकता और सही जानकारी के अभाव में अपेक्षाकृत कम संख्या में लोग योजना का लाभ लेने के लिए शिविर में पहुंचे। नगर पालिका और डूडा कर्मियों ने अधिक से अधिक पात्र लोगों से आगे आकर योजना का लाभ उठाने की अपील की। शिविर के दौरान कई आवेदकों के फार्म भरकर आगे की प्रक्रिया के लिए भेजे गए।

सड़क के किनारे पड़ा मिला युवक का शव

बांगरमऊ, उन्नाव : कोतवाली क्षेत्र के गांव मुन्नीपुरवा के पास सड़क किनारे खंती में एक युवक का शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त करवाकर शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। भिखारीपुर पतसिया गांव के मजरा मुन्नीपुरवा के पास सड़क किनारे खंती में ग्रामीणों ने एक युवक का शव पड़ा देखा। शव मिलने की खबर फैलते ही वहां सैकड़ों लोगों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त गांव भिखारीपुर पतसिया के मजरा साहिबापुर निवासी राकेश (32) पुत्र रामविलास के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने ग्राम प्रधान राम सच्चे निषाद की तहरीर पर शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार मृतक के माता-पिता की काफी पहले मौत हो चुकी है। उसकी शादी नहीं हुई थी। जबकि परिवार के अन्य सदस्य बाहर रहकर मजदूरी करते हैं।

बैठक को संबोधित करते जिलामंत्री रामजन्म सिंह। अमृत विचार

नियमों विरुद्ध हुआ समायोजन तो करेंगे संघर्ष

उन्नाव, अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की शिक्षा उन्नयन गोष्ठी व संयुक्त बैठक अध्यक्ष अनुपम मिश्र की अध्यक्षता में एक गेस्ट हाउस में हुई। इसमें संघ संरक्षक राघवेंद्र सिंह ने कहा कि बंद व एकल विद्यालयों में समायोजन प्रक्रिया के पहले विद्यालयों में रिक्त पदों की सूची व सरप्लस शिक्षकों की सूची प्रकाशित होनी चाहिए। सरकार को यह भी निर्धारित करना चाहिए कि समायोजन कनिष्ठ शिक्षक का होना या वरिष्ठ शिक्षक का जब तक कोई पॉलिसी नहीं बनती। जिलामंत्री रामजन्म सिंह ने कहा कि उच्च प्राथमिक विद्यालयों के सहायक व प्रधान शिक्षकों व प्राथमिक के प्रधान शिक्षकों का चयन वेतनमान अभी स्वीकृत नहीं हुआ है। अध्यक्ष अनुपम मिश्र ने कहा कि विभाग/शासन मनमाना रवैया अपना रहा है। संगठन बाध्य होकर लोकतांत्रिक ढंग से संघर्ष करने को विवश होगा। इसमें कोषाध्यक्ष सरल कुमार, अनिल दिवाकर, उमेश चंद्र मिश्र, विवेक सिंह, अजय पाटिल आदि रहे।

साइबर सेल ने 12 लाख कराए रिफंड

उन्नाव, अमृत विचार: हरदोई जिला के खालेपुरवा बाबटमऊ निवासी हाल पता राजकीय कृषि बीज भंडार अचलगंज निवासी सुनील पुत्र मेवाराम के खाते से फोन हैक कर ठगों ने 14,99,970 रुपये का फ्राड किया था। पीड़ित की तहरीर पर 31 मार्च को साइबर थाने में मुकदमा पंजीकृत हुआ था। विवेचना में लगी साइबर थाने की पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक लाख रुपये संबंधित बैंक के जरिए उचित माध्यम पत्राचार कर वापस कराये थे। साइबर थाना प्रभारी राजेश पाठक ने बताया कि शेष रकम 11,99,970 रुपये आवेदक के खाते में बुधवार को रिफंड करा दिये गए हैं।

सेल्समैन के हत्यारोपियों से मुठभेड़, 2 दबोचे

उन्नाव, अमृत विचार: आसीवन थाना अंतर्गत दिनदहाड़े हुई गोली मारकर हुई शराब ठेके के सेल्समैन की हत्या के आरोपियों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। अपने को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की जिसमें एक बदमाश के दोनों पैरों व दूसरे के एक पैर में गोली धंस गई। पुलिस ने उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया है।

बता दें औरास थाना क्षेत्र के बरादेव तोंदा गांव निवासी सुधीर (32)पुत्र रामलखन प्रजापति आसीवन थाना क्षेत्र के कस्बा कुरसठ कस्बे में एक देशी शराब ठेके पर सेल्समैन था। बीते सोमवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे वह सहयोगी सेल्समैन से घर जाने की बात कह कर अपनी बाइक से निकला था। तभी आसीवन थाना क्षेत्र कुरसठ - हैदराबाद संपर्क मार्ग पर बीजीमऊ- पहाड़पुर गांव के बीच ही पहुंचा था कि पीछे से पल्सर सवार दो युवकों ने उसकी गोली मार कर हत्या की थी। घटना के बाद हत्यारे मौके से भाग निकले थे। एसपी ने खुलासे के लिए एसओजी, सर्विलांस व बांगरमऊ कोतवाली पुलिस को खुलासे में मदद के लिए आसीवन पुलिस के साथ लगाया था। सीसीटीवी फुटेज की तलाश में संयुक्त टीम को हत्या आरोपी बाइक से जाते दिखे थे। तभी से पुलिस की टीमें उन्हें ट्रेस कर रही थी। बुधवार की देर शाम मुखबिर से मिली सूचना पर संयुक्त टीम सीओ हसनगंज संतोष सिंह की अगुवाई में चेकिंग कर रही थी। आसीवन थाना क्षेत्र के बिजीमऊ - शरीफाबाद मार्ग बाइक सवार दो युवकों को पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया। तो उन्होंने पुलिस पर फायर झोंक दिया। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो इसमें दोनों बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम आसीवन थाना क्षेत्र के कुरसठ कस्बा निवासी सलमान पुत्र रब्बानी व एहसान पुत्र इनामुल बताया। उन्होंने 29 दिसंबर को सुधीर की गोली मारकर हत्या किए जाने की बात स्वीकार की। बताया कि उनकी शराब ठेके पर सुधीर से कहासुनी हुई थी। इसी से उन्होंने उसकी हत्या कर दी। खुलासा करने वाली टीम में प्रदीप सिंह, अखिलेश चंद्र पांडेय, जयप्रकाश यादव व उनकी टीम शामिल रही।

ऑपरेशन आल आउट में 400 वाहनों के चालान

उन्नाव, अमृत विचार : जिले के सभी 21 थानाक्षेत्र के 60 स्थानों पर आपरेशन आल आउट के तहत चेकिंग अभियान शुरू हुआ। इसमें पुलिस के हत्थे कोई शातिर अपराधी तो नहीं चढ़ा लेकिन नियम विरुद्ध वाहन दौड़ा रहे लोगों पर कार्रवाई जरूर की गई। एसपी जय प्रकाश सिंह के आदेश पर 21 थानों के 60 स्थानों पर एएसपी व सीओ की निगरानी में थाना प्रभारियों ने चेकिंग शुरू की। करीब 1200 पुलिस कर्मियों की 60 टीमों ने प्रमुख चौराहों, व्यस्त क्षेत्रों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, होटल, ढाबों, बस अड्डों व आवागमन के मुख्य मार्गों पर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की जांच की। इस दौरान वाहन चालकों के कागजों की जांच कर संदिग्ध से पूछताछ की गई। एसपी के मुताबिक 1623 वाहनों व 2238 व्यक्तियों की चेकिंग हुई। नियमों का उल्लंघन करने वाले 400 वाहनों के चालान काटे गए।

सिर और चेहरे पर वार से हुई थी इंद्र बहादुर की मौत

फॉलोअप

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: जमीनी विवाद में मौरावां थानाक्षेत्र के पारा गांव में हुई युवक की हत्या नृशंस तरीके से हुई थी। सिर व चेहरे पर किए गए तीन प्रहार इतने शक्तशाली थे कि हड्डियां तक टूट गईं। वहीं एक वार उसके पैर पर भी हुआ था।

बता दें कि पारा गांव निवासी इंद्र बहादुर (45) का पड़ोसी सोहन पुत्र मेढ़ी लाल से घर के सामने पड़ी सहन की जमीन को लेकर विवाद था। इसे लेकर दोनों पक्ष में खुन्नस चल रही थी। 28 दिसंबर को इंद्र बहादुर अपने हिस्से की जमीन पर बल्ली लगा रहा था तभी विवाद हुआ था। दोनों पक्षों में इसे लेकर पुलिस से शिकायत भी की थी। लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई बल्कि तनातनी बढ़ गई। बीते मंगलवार दोपहर भी विवाद हुआ। इस पर सोहन पक्ष ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस जांच करने पहुंचती इससे पहले शाम को फिर किसी बात पर हुई कहासुनी मारपीट में बदल गई। आरोप है कि तभी सोहन व उसके बेटे तेज बहादुर ने इंद्र बहादुर पर हमला कर दिया। उसने भागने का प्रयास किया लेकिन हमलवारों ने उसे दौड़ाकर कुल्हाड़ी से उसके पैर में वार कर दिया। उसके फर्श पर गिरते ही सिर व चेहरे पर एक के बाद एक तीन वार किए। जिससे उसकी मौत हो गई।

नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

सभी जनपदवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

सत्यम बाजपेई
एडवोकेट प्रत्याशी
जिला पंचायत भरखनी द्वितीया, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

सूरज कुमार अवस्थी
एमडीआरटी,
अभिकर्ता भारतीय जीवन बीमा निगम
बेनीगंज, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

रामेंद्र पाल
प्रधान प्रतिनिधि
सड़ियापुर
विकास खंड बिलग्राम, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

संजीव कुमार
प्रधान
ग्राम पंचायत हैबतपुर
विकास खंड बिलग्राम, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रमोद कुमार यादव
ग्राम पंचायत गुरौली
प्रधान प्रतिनिधि
विकास खंड बिलग्राम, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

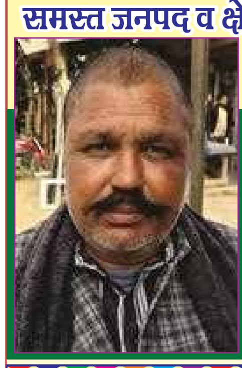

राकेश कुमार यादव
ग्राम पंचायत बरगांवा
प्रधान प्रतिनिधि
विकास खंड बिलग्राम हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

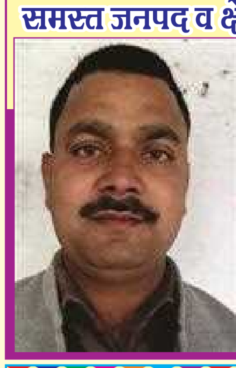

देवेश कुमार मिश्रा
ग्राम पंचायत दुर्गागंज
प्रधान प्रतिनिधि
विकास खंड बिलग्राम, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

रमेश कुमार
बीसीपीएम
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरसा
हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

नरसिंह यादव
प्रधान पति,
ग्राम पंचायत तुदवल
विकासखंड सुरसा, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

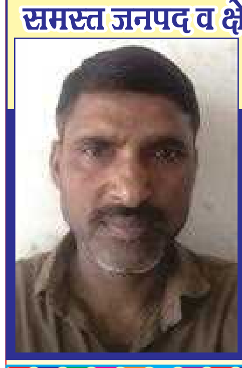

विवेक कुमार सिंह
ग्राम विकास अधिकारी
विकासखंड सुरसा
हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

शिवांशु मिश्रा
ग्राम विकास अधिकारी
विकासखंड सुरसा हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

ओम यादव
प्रधान प्रति, ग्राम प्रधान रेनू यादव
ग्राम पंचायत बील नेवादा
विकासखंड सुरसा, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

रामनिवास यादव
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम प्रधान मीना कुमारी
ग्राम पंचायत कैरमैर विकासखंड सुरसा हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. शिवसागर चौधरी
अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरसा
हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

राम बाबू पासी
प्रदेश महासचिव अखिल भारतीय
पासी महासभा उत्तर प्रदेश
ग्राम दुलारपुर, पोस्ट खजुरहरा
विकासखंड सुरसा, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

शिवओम बाजपेई
ग्राम विकास अधिकारी
विकास खंड सुरसा
हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

जितेंद्र कुमार (ब्रजकिशोर यादव)
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत दहिंगवां
विकासखंड सुरसा हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

उदय प्रताप पाल
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत खजुरहरा
विकासखंड सुरसा

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

सुशील कुमार वर्मा
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम प्रधान रीता देवी
ग्राम पंचायत पचकोहरा विकासखंड सुरसा

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

रोहित त्रिवेदी
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम प्रधान रेशमा
ग्राम पंचायत मोना विकासखंड सुरसा

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

ठाकुर प्रसाद
प्रधान
प्रधान प्रतिनिधि श्याम जी मिश्र
ग्राम पंचायत ओदरा नेवलिया
विकासखंड सुरसा हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

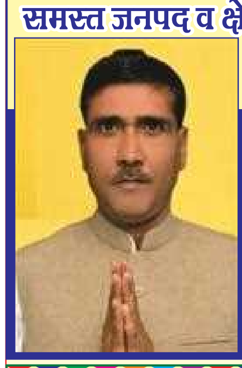

कृपा शंकर पाण्डेय
प्रधान, ग्राम पंचायत भावर केशवपुर प्रत्याशी
जिला पंचायत सदस्य भरखनी द्वितीय
विकासखंड भरखनी, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश कुमार वर्मा
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत खजुरहरा
विकासखंड सुरसा, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

विनय कुमार जादौन
वन क्षेत्राधिकारी वन रेंज
कछौना जनपद हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

कौशलेंद्र सिंह
प्रधान
ग्राम पंचायत नई बस्ती
विकासखंड भरखनी, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

कमल प्रकाश कुशवाह
प्रधान, ग्राम पंचायत महमूदपुर
विकासखंड भरखनी सवायजपुर
हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

ज्ञानेंद्र कुमार सिंह
प्रधान ग्राम पंचायत कमालपुर
प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य भरखनी प्रथम
विकास खंड भरखनी, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपक कुमार
प्रधान
ग्राम पंचायत दहिरापुर
विकासखंड भरखनी, सवायजपुर, हरदोई

समस्त जनपद व क्षेत्र वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

अजय सिंह चौहान
प्रधान,
ग्राम पंचायत लखनौर
विकास खण्ड भरखनी, हरदोई

न्यूज ब्रीफ

अश्लील ऑडियो लगाकर बनाया वीडियो, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। युवक ने अपनी ससुराल के गांव की एक लड़की का अश्लील ऑडियो लगाकर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल किया। लड़की के पिता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है । पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। जनपद शाहजहांपुर के परौर थाना क्षेत्र के ग्राम गणेशपुर निवासी धर्मेंद्र की शाहाबाद कोतवाली के ग्राम हसुआ में रामबाबू के यहां ससुराल है। पीड़ित पिता के अनुसार धर्मेंद्र ने उसकी 18 वर्षीय पुत्री का गंदा ऑडियो लगाकर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल किया, जिससे उसकी बेटी काफी अपमानित महसूस कर रही है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

पत्नी को घर में घुसने से रोका, की मारपीट

पिहानी, हरदोई अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र में एक महिला के साथ मारपीट, गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता नीलम पत्नी वीरेन्द्र कुमार, निवासी अम्बेडकरनगर मुरीदखानी कस्बा व थाना पिहानी ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया है कि बीते दिन वह शाम करीब 4 :30 बजे शहर शाहजहांपुर से अपने घर पिहानी पहुंची थी। आरोप है कि उसी समय उसके पति वीरेन्द्र कुमार तथा रेशमा पत्नी राजेश, निवासी कोल्हौरा (वाजिदनगर) ने उसे घर में घुसने से मना किया और गाली-गलौज की।

तीन बंद मकानों से कीमती सामान चोरी

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। कस्बे में तीन बंद मकानों से चोरों ने कीमती सामान चोरी कर लिया। मिर्जापुर चुंगी नंबर 2 निवासी हरिप्रसाद, मुंशीलाल, भगौती पुत्रगण गंगा प्रसाद चंडीगढ़ और मेरठ में रहते हैं। बुधवार की सुबह गेट का ताला टूटा देखा तो पड़ोस के लोगों ने उनके रिस्तेदारों को सूचना दी। फिलहाल तीन घरों के परिवारों के पहुंचने पर चोरी हुए सामान का पता चल सकेगा।

2025 में भी नहीं मिली बालिका इंटर कॉलेज की सौगात

वीरेश शुक्ला, हरदोई

- डिग्री कालेजों में नहीं मिले प्रवक्ता
- दिल के डॉक्टर की रही दरकार
- जिले को नहीं मिले रेडियोलॉजिस्ट
- यादगार रहा जिले के पूर्व एसपी नीरज जादौन का कार्यकाल

अमृत विचार। वर्ष 2025 समाप्त हो गया, लेकिन जिले वालों को इस वर्ष भी कई चीजें नहीं मिल पाई। तमाम जनप्रतिनिधियों के वादे पूरे होने की जनता राह देखती रहीं, लेकिन 2025 में भी वादे ही वादे रह गए। जिले की उच्च शिक्षा मंत्री होने के बावजूद डिग्री कालेजों में प्रवक्ताओं की कमी दूर नहीं हो सकी। नगर पालिका के बालिका इंटर कालेज संचालन का सपना अधूरा ही रहा। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी की राह देखते-देखते यह वर्ष भी बीत गया न तो इस वर्ष जिले वासियों को मेडिकल कालेज में कार्डियोलॉजिस्ट मिला और न ही रेडियोलॉजिस्ट। पूरे साल जाम के झाम में जनता फंसी रही। ई-रिक्शा रुट संचालन योजनाएं फाइलों में ही बनती रहीं। वहीं एसपी जादौन का कार्यकाल अभी भी लोग याद कर रहे हैं। आने वाले साल में लोगों को उम्मीद है कि शायद जनता को कुछ लाभ मिले।

जिले की जनता तमाम सुविधाएं वर्ष 2025 में भी नहीं मिल पाई। नगर पालिका के बालिका इंटर कालेज का भवन कई वर्षों पहले बन चुका है। इस वर्ष कक्षाएं शुरू होने की उम्मीद थी, लेकिन वर्ष खत्म हो गया, कक्षाओं का संचालन नहीं हो सका। तमाम प्रयासों के बाद राजकीय कृषि महाविद्यालय का संचालन 2025 की सौगात के रूप में रहा। इस वर्ष यहां कक्षाओं का संचालन प्रारंभ हो गया। उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी का गृह जनपद होने के बावजूद डिग्री कालेजों में प्रवक्ताओं की कमी दूर नहीं हो पाई। अभी भी कई विषयों को पढ़ाने वाले शिक्षक नहीं हैं। पूरे वर्ष नगर में जाम लगता रहा। बाईपास का इंतजार जनता करती है, लेकिन 2025 में इसका संचालन प्रारंभ न हो सका। ई-रिक्शा संचालक रुट के हिसाब से चलाने की योजनाएं कई बार बनी, लेकिन सफल नहीं हो सकी। मेडिकल कालेज का निर्माण जिले में करा दिया गया, लेकिन सुविधाएं अभी भी सरकारी अस्पताल की तरह ही हैं। कार्डियोलॉजिस्ट व रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती की राह पूरे वर्ष मरीज देखते रहे, लेकिन निराशा हाथ लगी।

इस वर्ष निवर्तमान पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन का जिले से जाना लोग अभी भी खल रहा है, उनका कार्यकाल लोगों के लिए यादगार बन गया। काम न करने वाले तथा शासन की मंशानुसार खरे न उतरने वाले सैकड़ों पुलिस कर्मियों को दंड भुगतना पड़ा। 2025 में जनता को जो चीजें नहीं मिल पाई शायद 2026 में अब लोग उनको पास सकेंगे। वर्ष के अंतिम महीने में पूर्व राज्यसभा सांसद नरेश अग्रवाल व वर्तमान सांसद जयप्रकाश के आगामी लोकसभा चुनाव में सामान्य सीट होने पर चुनाव मैदान में आने की बात से राजनैतिक गर्मी भी वर्ष के अंत में काफी बढ़ गई। इसी उत्साह में 2026 के स्वागत की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

रायफल से निकली गोली पोस्ट मास्टर के लगी, रेफर

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। रायफल से निकली गोली पोस्ट आफिस के ब्रांच पोस्ट मास्टर के संदिग्ध हालत में कंधे पर जा लगी,उन्हे मेडिकल कालेज पहुंचाया गया,जहां से हायर सेंटर लखनऊ के लिए रिफर कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

बताया गया है कि टड़ियावां थाने के सिकरोहरी निवासी 58 वर्षीय हृदय राज सिंह वहीं पोस्ट आफिस में ब्रांच पोस्ट मास्टर हैं। जैसा कि बताते है कि मंगलवार की आधी रात में अचानक रायफल से निकली गोली हृदय राज सिंह के कंधे में जा लगी। पुत्र यज्ञ राज सिंह ने बताता कि उसके पिता राइफल सा थ लेकर सो रहे थे,उसी बीच अचा नक गोली चल गई। आधी रात के बाद अचानक संदिग्ध हा लात में राइफल से गोली चल गई।गोली की आवाज़ सुनकर घर वाले दौड़ पड़े,उन्होने लहूलुहान हृदय राज सिंह को मेडिकल कालेज पहुंचाया,जहां से हायर सेंटर लखनऊ के लिए रिफर कर दिया गया। पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही पुलिस का कहना है कि तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिनभर होती रहीं नए साल के स्वागत की तैयारियां

बाजारों व सड़कों पर रही भीड़ , जमकर बिके फूल और बुके , रेस्टोरेंट व होटलों में देर रात तक रही रौनक

संवाददाता, हरदोई

उपहार की दुकान पर लगी भीड़। अमृत विचार

फूल की दुकान पर बुके खरीदते लोग।

अमृत विचार। नए साल का स्वागत करने के लिए लोग काफी उत्साहित दिखे। सुबह से ही फूल व उपहारों की दुकानों पर ग्राहकों का आना जाना शुरू हो गया। पुराने साल को विदा करने तथा नए साल का स्वागत करने के लिए जगह-जगह आयोजन किए गए। कई रेस्टोरेंटों व होटलों में नए साल के स्वागत के जश्न का आयोजन किया गया। नए साल के स्वागत में कहीं कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन मुश्तैद दिखा।

पुराने साल विदा देने के साथ-साथ नए साल के स्वागत की तैयारियां पूरे दिन चलती रहीं। नगर में केक, पेस्टी विक्रेताओं ने अपनी दुकानों के बाहर बड़े-बड़े काउंटर सजाए। फूल विक्रेताओं की दुकानों पर भी ग्राहकों का जाना सुबह से ही शुरू हो गया। नए साल में उपहार देने का चलन शुरू हो गया है, ऐसे में उपहार की दुकानों पर भी भीड़भाड़ दिखाई दी। उत्साह के साथ नए साल का स्वागत करने के लिए कई जगहों पर रंगारंग कार्यक्रम के साथ देर रात तक गीत संगीत कार्यक्रम चल रहा। होटलों व रेस्टोरेंटों पर नए साल के स्वागत की तमाम तैयारियां की गईं। आधी रात तक सड़कों पर चहल -पहल रही। नए साल के जश्न में कहीं कोई घटना दुर्घटना न हो इसके लिए पुलिस भी लगातार गश्त करती रहीं। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर भी कार्यवाही की गई, वहीं पुलिस कार्यक्रम स्थलों पर भी नजर बनाए रहीं। नए साल की बधाइयों का सिलसिला बीत रहे साल से ही शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर बधाइयों का दौर काफी तेजी से चल रहा है।

ठंड में अलाव, गर्म कपड़े और हीटर बना सहारा

हरदोई। ठंड बढ़ने का असर आम लोगों की दिनचर्या पर भी साफ दिखाई दे रहा है। सुबह के समय बाजार देर से खुल रहे हैं और सड़कों पर आवाजाही भी कम नजर आ रही है। लोग अलाव, गर्म कपड़ों और हीटर का सहारा लेने को मजबूर हैं। ग्रामीण इलाकों में ठंड का असर और अधिक देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की ठंड में बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। ठंडी हवा और तापमान में अचानक गिरावट से सर्दी, खांसी और बुखार जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।कुल मिलाकर हरदोई में साल 2025 का अंत और 2026 की शुरुआत ठंडे मौसम की छाया में हो रही है। लोगों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में मौसम में थोड़ा सुधार होगा, लेकिन फिलहाल ठंड से राहत मिलने के आसार कम ही नजर आ रहे हैं।

साल का अंतिम दिन रहा सबसे ठंडा

हरदोई, अमृत विचार। वर्ष 2025 की विदाई कड़ाके की ठंड के साथ हो रही है। साल का अंतिम दिन अब तक के सबसे ठंडे दिनों में दर्ज किया गया है, जिससे जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित नजर आ रहा है। मौसम के रुख को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है कि नए वर्ष 2026 की शुरुआत भी ठिठुरन के साथ होगी। सुबह और रात के समय ठंड का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है, वहीं घना कोहरा भी लोगों की परेशानियां बढ़ा रहा है ।मौसम विभाग के आंकड़ों पर नजर डालें तो दिसंबर 2025 बीते तीन वर्षों की तुलना में सबसे ठंडा महीना रहा है। इस वर्ष न्यूनतम तापमान 6 .5 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया, जो पिछले वर्षों के मुकाबले काफी कम है। इससे पहले वर्ष 2022 में दिसंबर का न्यूनतम तापमान 7 .0 डिग्री सेल्सियस रहा था, जबकि 2023 में यह 9 .5 डिग्री और 2024 में 8 .4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इन आंकड़ों से साफ है कि इस बार ठंड ने पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। वर्ष के अंतिम दिन न्यूनतम तापमान 6 .5 डिग्री सेल्शियस रहा। कोहरे के कारण 50 मीटर दूर का ही दिखाई पड़ रहा था।

विगत तीन वर्षों में दिसंबर माह में न्यूनतम तापमान

वर्ष	न्यूनतम तापमान
2022	7-0
2023	9-5
2024	8-4
2025	6-5

(तापमान डिग्री सेल्शियस में)

102 एंबुलेंस में कराया सुरक्षित प्रसव

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जुड़ी 102 एंबुलेंस सेवा ने एक बार फिर अपनी तत्परता और मानवीय संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। एंबुलेंस संख्या यूपी 32 एफजी1350 पर तैनात ईएमटी अंशिका मिश्रा जीआईडी 158968) और पायलट संजीव कुमार की सूझबूझ से रास्ते में ही महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया। जानकारी के अनुसार मरीज शन्नो (29) पत्नी सहाफिक, निवासी ग्राम तकिया गुजराई, को प्रसव पीड़ा होने पर 102 एंबुलेंस सेवा के माध्यम से सीएचसी बिलग्राम लाया जा रहा था। रास्ते में अचानक महिला की प्रसव पीड़ा बढ़ गई और स्थिति आपातकालीन हो गई। हालात को भांपते हुए ईएमटी अंशिका मिश्रा ने तत्काल आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया अपनाई और एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया। महिला ने स्वस्थ शिशु (बेबी बॉय) को जन्म दिया। प्रसव के बाद जच्चा और नवजात दोनों को सुरक्षित रूप से सीएचसी बिलग्राम पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों की हालत सामान्य बताई।

लूटपाट के बाद घर में अकेली वृद्धा की हत्या

संवाददाता, हरदोई, शाहाबाद

घटनास्थल पर जांच करने पहुंचे पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा।

- घर में अकेली रह रही थी बुजुर्ग महिला, मंगलवार की देर रात घटना को दिया गया अंजाम

अमृत विचार। घर में अकेली रह रहीं पूर्व प्रधान की पत्नी की गला घोंट कर हत्या कर दी गई। इसके बाद हत्यारे महिला के गले से सोने की चेन, कानों से टाप्स, पैरों से पायल के अलावा बक्से तोड़कर उसमें रखे जेवर और नकदी लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना पर एसपी अशोक कुमार मीणा व सीओ हरपालपुर सत्येंद्र सिंह आधी रात में पड़ताल करने पहुंचे। एसपी ने पुलिस को जल्द खुलासा करने के कड़े निर्देश दिए है।

बेहटा गोकुल थाने के बलेहरा के पूर्व प्रधान रणवीर सिंह की पत्नी सावित्री देवी (60) गांव में अकेली रहती थी। सावित्री का इकलौता बेटा आदित्य मलिहाबाद के महदइया में रहता है। हर रोज़ घर के बाहर आस-पड़ोसियों के बीच बैठने वाली सावित्री देवी मंगलवार को सारे दिन घर से बाहर नहीं निकली। पड़ोसियों ने कई बार आवाज भी दी लेकिन जब कोई जवाब नहीं मिला तो उसके बेटे आदित्य को जानकारी दी गई। देर रात आदित्य गांव पहुंचा। कमरे में गया तो मां का शव चारपाई पर पड़ा था। गले में प्रेस का तार कसा हुआ था और शरीर पर से सभी जेवर गायब थे। कमरे में बक्सों के ताले टूटे हुए थे और सोने-चांदी के ज़ेवर सहित करीब 15 हज़ार रुपये नकद नहीं था। माना जा रहा है कि हत्या को अंजाम देने के बाद हत्यारे सारा माल-ज़ेवर लूट ले गए। जै सा कि बताया गया है कि पूर्व प्रधान रणवीर सिंह की पहली शादी मलिहाबाद के महदइया की मुन्नी देवी के साथ हुई थी। मुन्नी को उसके मायके में ज़मीन दी गई थी, वह अपने तीन बेटों अजीत, अतुल और प्रमोद के अलावा एक बेटी बिट्टा के साथ वहीं रहने लगी थी। इधर अकेले रह रहे पूर्व प्रधान रणवीर सिंह खाने-पीने में आ रहीं दिक्कतों को दूर करने के लिए बनारस की सावित्री देवी से दूसरी शादी कर ली। सावित्री का इकलौता बेटा आदित्य है, वह भी मुन्नी देवी के पास रहने लगा। करीब चार पहले रणवीर सिंह की मौत के बाद से सावित्री देवी गांव में अकेली रहती रही और उसी बीच वारदात हो गई।

वृद्धा के साथ युवक ने की थी छेड़छाड़

पिछले साल सावित्री देवी के साथ गांव निवासी शिवम ने गलत हरकत की थी। उसी मामले में पुलिस ने दी गई तहरीर पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया था। लेकिन आपसी लोगों के बीच में पड़ने से सुलह-समझौता कर बात खत्म कर दी गई थी। हत्या जैसी वारदात की खबर सुन कर कुछ लोग इसे भी उसी कड़ी से जोड़ रहें है। वहीं पुलिस का पुख्ता दावा है कि जल्द ही सारा खुलासा कर लिया जाएगा।

वारदात के पीछे कोई अपना तो नहीं

पूर्व प्रधान की पत्नी सावित्री देवी की गला घोंटकर हत्या की पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। इस बात की भी आशंका है कि वारदात के पीछे किसी अपने या परिचित का हाथ हो सकता है। पूर्व प्रधान रणवीर सिंह की पहली पत्नी के बेटे अजीत सिंह ने बताया कि उनकी और आदित्य की मां (सावित्री) के बीच कभी भी कोई बात नहीं हुई। आदित्य सगे भाई की तरह पास में रहता। सावित्री के घर एक-आध बार चोरी भी हो चुकी थी।

वीडियोग्राफी के बीच हुआ पोस्टमार्टम

हरदोई। वीडियोग्राफी के बीच डाक्टरों के पैनल ने पूरी गहराई से पड़ताल करते हुए सावित्री देवी के शव का पोस्टमार्टम किया,जैसा कि रणवीर सिंह की पहली पत्नी के बेटे अजीत सिंह ने दुष्कर्म किए जाने का शक जताया था,लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी पुष्टि नहीं हुई,लेकिन प्रेस के तार से गला घोंट कर हत्या किए जाने की बात कही गई है।

घर से युवती लापता आरोपियों पर केस दर्ज

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के एक गांव से किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने किशोरी के पिता की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पिता के अनुसार 29 दिसंबर की रात उसकी 16 वर्षीय पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई। सुबह तक वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद पता चला कि उसकी पुत्री को बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम मानपुर निवासी अंकुल पुत्र परमेश्वर दीन अपने साथी गोलू और सुमित के सहयोग से फुसलाकर भगा ले गया है। उसकी पुत्री घर से 5,400 रूपए अपने साथ लेकर गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रधान ने खेत पर फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता, हरदोई/भरखनी

अमृत विचार। रखवाली करने की बात कह कर घर से निकले प्रधान ने वहीं फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली,इसके पीछे घरेलू कलह का दावा किया जा रहा है,लेकिन वहीं बाहरी दबाव होने की बात सामने आ रहघ है।

पचदेवरा थाने के खिरिया निवासी ग्राम पंचायत सुल्तानपुर खिरिया के प्रधान बब्लू (40) पुत्र अर्जुन बुधवार की शाम रखवाली के लिए खेत पर गए थे। काफी देर बाद वापस नहीं लौटे तो परिजन खोजते हुए खेत पर पहुंच गए। जहां पेड़ पर फंदे से उनका शव लटका मिला। बताया जा रहा है कि बब्लू ने इसी साल मई में अपने बड़े बेटे की शादी की थी। कुछ ही दिनों बाद बहू सारा ज़ेवर समेट कर मायमें रख आई थी। इसी को लेकर घरेलू कलह शुरू हो गई थी। उसी के चलते प्रधान बब्लू ने ऐसा कदम उठाया, जबकि कुछ लोगों का कहना है कि प्रधानी संबंधित विकास कार्यों व योजनाओं में कुछ बाहरी लोग जबरन अपने मुताबिक काम कराने का दबाव बना रहे थे। उसी के चलते प्रधान बब्लू डिप्रेशन के शिकार हो गए और उसी के चलते आत्महत्या कर ली। पुलिस आत्महत्या मान रही है, उसका कहना है कि पूछताछ की जा रही है, जांच रिपोर्ट आने के बाद ही तस्वीर साफ होगी।

पिटाई से आहत टेंट व्यवसायी ने की आत्महत्या

हरदोई, अमृत विचार। फर्रुखाबाद में टेंट का काम कर रहे व्यवसायी ने गांव पहुंच कर फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। बेटे ने आरोप लगाते हुए बताया कि उसके पिता की पिटाई की गई थी, उसी के सदमे में आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की गहराई से छानबीन की जा रही है। हरपालपुर थाने के नगरा चौधकपुर निवासी दिनेश कुमार वर्मा (39) करीब 15 सालों से फर्रुखाबाद ज़िले के हैबतपुर गढ़िया थाना मऊ दरवाज़ा में मकान बना रहते हुए वहीं टेंट का व्यवसाय करता था। पत्नी की मौत हो चुकी थी। दिनेश के इकलौते बेटे शिवम ने बताया कि वह गांव पर ही रहता था। सोमवार को उसके पिता गांव पहुंचे, उन्होनें बताया था कि 26 दिसंबर को हैबतपुर गढ़िया निवासी कल्लू अपने कुछ साथियों के साथ दुकान पर उनकी जमकर पिटाई कर दी थी। बकौल शिवम, इस घटन से पिता काफी सदमे में थे। मंगलवार सारे दिन घर में रहे। शाम को घर से निकले और वापस नहीं लौटे। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

नहर की पटरी कटने से सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न

अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के ग्राम तुलसीपुर मजरा भरावन में पितौली के पास बुधवार को नहर पटरी कट जाने से सैकड़ों बीघा गेहूं सरसों आदि की फसल जलमग्न हो गयी। अभी तक बांध न बंध पाने के कारण किसान परेशान हैं। ग्रामीणों ने मंगलवार की रात दो बार नहर पटरी बांधने का प्रयास किया लेकिन बांध रोके नहीं रुका नहर फिर से फट गई। इससे क्षेत्र के कई किसानों की सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न हो गई है।

ईंट-भट्ठा मजदूर की पत्नी ने झुग्गी के बाहर लगाई फांसी

हरदोई, अमृत विचार। ईंट-भट्ठा मज़दूर की पत्नी शौच के लिए गई, उसके बाद वापस नहीं लौटी। खोजबीन के बीच झोपड़ी के पास एक पेड़ पर उसका शव फंदे से लटका मिला। मझिला थाने के चक ढकिया निवासी मुकेश बेहटा गोकुल थाने के चिमना में एक ईंट-भट्ठे पर मज़दूरी करता है और वहीं झुग्गी डाल कर पत्नी पिंकी (28) व दो बच्चों सूरज और पूजा के साथ रहता था। बुधवार सुबह पिंकी ने पास में फंदे पर लटका मिला।

शौच गई महिला का बाग में लटका मिला शव, दहेज हत्या का आरोप

अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के ग्राम वृंदावन में बुधवार की सुबह शौच गयी महिला का शव गांव के दक्षिण एक बाग में लटकता मिला। मायके पक्ष के लोग दहेज के लिए हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। पुलिस ने शव लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम वृंदावन निवासी सुशील की पत्नी किरन बुधवार की सुबह शौच के लिए निकली थी। कुछ देर बाद उसका शव गांव के दक्षिण बाग में पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पिता ने दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है।

अपेक्षा

रेल सुविधाओं को लेकर हरदोई के यात्रियों की बढ़ी आस

नए वर्ष से नई रेल लाइनों और ट्रेनों के ठहराव की उम्मीद

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। वर्ष 2025 एक बार फिर हरदोई के रेल यात्रियों के लिए निराशा लेकर गुजर रहा है। लोकसभा चुनाव के दौरान हरदोई के सांसद जयप्रकाश रावत द्वारा जिन रेल परियोजनाओं को प्राथमिकता में गिनाया गया था, उनमें से एक प्रमुख योजना हरदोई-सांडी-गुरसहायगंज रेल लाइन भी थी। उस समय लोगों को उम्मीद जगी थी कि नए वर्ष में इस बहुप्रतीक्षित रेल लाइन पर कार्य शुरू हो जाएगा, लेकिन साल बीतने के बावजूद जमीन पर कोई ठोस पहल नजर नहीं आई। इससे यात्रियों की उम्मीदों को एक बार फिर झटका लगा है।

हरदोई के रेल यात्रियों का कहना है कि इस रेल लाइन के शुरू होने से न केवल क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, बल्कि व्यापार, रोजगार और आवागमन को भी बड़ी सुविधा मिलेगी। 2025 में कार्य शुरू न होने से अब लोगों की निगाहें वर्ष 2026 पर टिक गई हैं। यात्रियों को उम्मीद है कि आने वाले साल में हरदोई-सांडी-सदीपुर-साहिबगंज रेल लाइन पर काम की शुरुआत जरूर होगी और सांसद इस वादे को गंभीरता से पूरा कराने का प्रयास करेंगे। इसके साथ ही हरदोई रेलवे स्टेशन पर वर्षों से लंबित पड़ी कई मांगें भी अभी तक पूरी नहीं हो सकी हैं।

यात्री बोले-

यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव लंबे समय से महसूस किया जा रहा है। खासतौर पर एस्केलेटर की मांग कई वर्षों से की जा रही है, लेकिन अब तक यह सुविधा सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। यात्रियों को उम्मीद है कि वर्ष 2026 में यह योजना धरातल पर उतरेगी और स्टेशन पर आने-जाने वाले बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों को राहत मिलेगी।

समस्याओं का समाधान संभव है

हरदोई। ट्रेनों के ठहराव को लेकर भी यात्रियों में भारी असंतोष है। लखनऊ और आनंद विहार के बीच चलने वाली डबल डेकर एक्सप्रेस के हरदोई में ठहराव की मांग लंबे समय से की जा रही है। यात्रियों का मानना है कि 2026 में इस मांग पर विचार किया जाएगा। वहीं ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े लोगों ने मोतिहारी-पोरबंदर एक्सप्रेस के हरदोई में ठहराव की उम्मीद जताई है, जिससे माउंट आबू जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके ।दैनिक यात्रियों ने लखनऊ-कानपुर मार्ग पर चलने वाली काठ गोदाम एक्सप्रेस के ठहराव की मांग दोहराई है। वहीं तीर्थ यात्रा करने वाले यात्रियों ने गाजीपुर से माता वैष्णो देवी कटरा जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव की उम्मीद जताई है।

नव वर्ष पर लोगों में जगी आश

लोगों में हरिद्वार और देहरादून जाने वाले यात्रियों को वंदे भारत एक्सप्रेस के हरदोई में रुकने की आस है। गरीब नवाज एक्सप्रेस और अन्य प्रमुख ट्रेनों के ठहराव को लेकर भी लोगों में नई उम्मीदें जगी हैं। यात्रियों ने सांसद, राज्यसभा सांसद और क्षेत्रीय विधायकों से हरदोई रेलवे स्टेशन के विकास और सुविधाओं पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो तो वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान संभव है। जिस तरह से हरदोई की राजनीति इन दिनों गरमाई हुई है, उससे लोगों को उम्मीद है कि वर्ष 2026 उनके लिए नई सौगात और नई उमंग लेकर आएगा। अब देखना यह है कि आने वाला साल इन उम्मीदों को हकीकत में बदल पाता है या नहीं।

सजा दो घर को गुलशन सा...

भजन प्रस्तुत करती गायिका। अमृत विचार

हरदोई, अमृत विचार। श्री खाटू श्याम संकीर्तन समिति के द्वारा आपके शहर जिले में मुहिम गली-गली ऐलान होना चाहिए हर जगह बाबा का गुणगान होना चाहिए के तत्वाधान में श्री खाटू श्याम संकीर्तन समिति का मासिक कीर्तन शहर के भजन पावन स्थल नहर कॉलोनी कैनाल रोड में संपन्न हुआ।

इसमें भजन गायक सोनीपत हरियाणा चुलकाना धाम से चलकर सोनीपत की आन बान शान संदीप जांगरा ने भजन गया सजा दो घर को गुलशन सा,अवध में राम आए हैं, मेरे सरकार आए हैं, लगे कुटिया भी दुल्हन सी,अवध मे राम आए हैं,सजा दो घर को गुलशन सा, अवध में राम आएं हैं...। कानपुर से चलकर कानपुर ,की आन बान शान, मुस्कान मिश्रा ने भजन गया..तीन बाण के कलाधारी,कला मुझे भी दिखा दे तू, जैसे दर्शन सबको देता,वैसे मुझे करा दे तू,अब मैं खड़ा हूं द्वार तुम्हारे,दोनों हाथ जोड़ के,लेने आजा खाटू वाले,रींगस के उस मोड़ पै...। दूसरे दिन खाटू श्याम संकीर्तन समिति का भंडारा सिनेमा चौराहा मोनी बाबा मंदिर पर आयोजित किया गया। इसमें जरूरतमंदों ने भंडारा ग्रहण किया। इस इस मौके पर श्याम सेवक आर्यन अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, नीरज अग्रवाल,धर्मेंद्र गुप्ता, अपूर्व गुप्ता, गौतम अग्रवाल, विकास गुप्ता, अंकित, गुप्ता,नीरज अग्रवाल किराना प्रियम मिश्रा, शिवेंद्र त्रिवेदी राकेश सिंह कनौजिया आदि श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

डीएम-एसपी ने किया कारागार का निरीक्षण

सीतापुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल की विभिन्न बैरकों और सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। डीएम ने बंदियों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना।

चिकित्सा शिविर का आयोजन कल

नैमिषारण्य, सीतापुर, अमृत विचार : ऑल इंडिया इंसानियत फोरम द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं कम्बल वितरण का आयोजन 2 जनवरी को किया जाएगा। यह कार्यक्रम कालीपीठ, नैमिषारण्य में आयोजित होगा।

गुम मोबाइल बरामद स्वामी को लौटाया

सीतापुर, अमृत विचार : कोतवाली देहात पुलिस टीम ने विजय लक्ष्मी नगर निवासी राजीव कुमार का गुम मोबाइल फोन बरामद कर उसके सुपुर्द कर दिया। सीओ सदर नेहा त्रिपाठी ने बताया कि मोबाइल की कीमत 15 हजार से अधिक है।

कवि-शायर फारूक सरल का निधन

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : हिंदी-उर्दू के प्रसिद्ध कवि-शायर फारूक सरल का निधन हो गया। उनके निधन पर साहित्य जगत में शोक की लहर है। उनके निधन पर साहित्यकार पदम कांत शर्मा, प्रभात, कमलेश मौर्य मृदु, शमीम कौसर सिद्दीकी एडवोकेट, इकबाल बिसवानी, अनवर बिसवानी, कफील बिसवानी, रहबर प्रतापगढ़ी, संदीप मिश्रा सरस, नय्यर शकेब, डॉ. शकील सागर, मास्टर मकसूद अली, राशिद बिसवानी आदि ने शोक जताया है।

टॉफी का लालच देकर भतीजी से किया दुष्कर्म

बिसवां क्षेत्र के एक गांव का मामला, आरोपी चाचा गिरफ्तार

संवाददाता बिसवां, सीतापुर

घिनौना कृत्य

- आठ वर्षीय बालिका से की दरिंदगी, आरोपी पर केस दर्ज

अमृत विचार : आठ वर्षीय बालिका से उसके ही चाचा ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी टॉफी का लालच देकर बालिका को घर ले गया और फिर उसके साथ दरिंदगी की। बिगड़ी अवस्था में बालिका को घर के बाहर छोड़कर आरोपी फरार हो गया। फिलहाल पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। बालिका का उपचार चल रहा है।

बिसवां कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में हुई शर्मनाक हरकत को लेकर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। बिसवां कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में आठ वर्षीया बालिका अपने घर पर थी। खेलते हुए दरवाजे तक आ गई। मां के मुताबिक, बच्ची को उसका चाचा रवि टॉफी दिलाने के बहाने साथ लेकर चला गया। वह देर तक नहीं लौटा तो चिंता हो गई। परिवार खोजबीन के लिए जा रहा था कि बेसुध बालिका को रवि लेकर आ गया। इसके बाद वह मौके से भाग निकला। बच्ची की मां की मानें तो उसके पति घर पर नहीं थे। बच्ची की हालत खराब थी। परिवार इस घटना की शिकायत करने कोतवाली पहुंचा। जानकारी पाकर क्षेत्राधिकारी अमन सिंह गांव पहुंचे। तलाश के बीच आरोपी रवि को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बिसवां कोतवाली प्रभारी मुकुल प्रकाश वर्मा ने बताया कि पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दुकान से समेटा तीन लाख का सामान

सीतापुर, अमृत विचार : सकरन इलाके में एक मोबाइल की दुकान का शटर काटकर नकदी और सामान चोरी कर लिया गया। दुकानदार की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सकरन थाना क्षेत्र के भिठमनी गांव के बाहर राकेश कुमार की मोबाइल की दुकान है। दुकान संचालक राकेश कुमार के मुताबिक, वे रोज की तरह दुकान बंद कर गांव चले आए। देर रात चोरों ने शटर काटकर माल पर हाथ साफ किया। चोरों ने एक वीडियो कैमरा, एक लैपटॉप, चार्जर और हार्डडिस्क सहित कई अन्य सामान चुरा लिए। चोरी गए सामान की कीमत तीन लाख से अधिक बताई जा रही है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कमरे में मिला चिकित्सक का शव

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

मौके पर जांच-पड़ताल करती कोतवाली पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार : शहरी क्षेत्र के दुर्गापुरवा मोहल्ले में रिटायर्ड चिकित्सक का शव मिलने से खलबली मच गई। बदबू आने की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने लोहे का दरवाजा काटकर शव को बाहर निकाला। सहायक पुलिस अधीक्षक का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला दुर्गापुरवा में दिव्यांग विभाग से रिटायर हुए चिकित्सक डॉ. जावेद फारूकी अकेले रहते थे। उनकी पत्नी व प्राथमिक विद्यालय प्रयागराज की शिक्षिका जबीं के मुताबिक, उनके पति मकान में अकेले रह रहे थे। जबकि प्रयागराज में रहकर अपनी ड्यूटी कर रही थीं। पड़ोसियों ने सूचना दी कि उनके मकान से बदबू आ रही है। इसी के बाद पुलिस को सूचना दी गई। अंदर से बंद कमरे के लोहे के दरवाजे को तोड़कर घर खुलवाया गया। देखा तो चिकित्सक का शव चारपाई पर पड़ा हुआ मिला। कोतवाली प्रभारी अनूप शुक्ला की मौजूदगी में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पड़ोसियों के बयान दर्ज किये। सहायक पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसले का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थितियां स्पष्ट हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि डॉक्टर की दो पुत्रियां हैं। बड़ी बेटी मरियम की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बेटी आमना अपनी पीएचडी की पढ़ाई पूरी कर रही है।

टप्पेबाजों ने उड़ाया 2.90 लाख रुपये से भरा थैला

महमूदाबाद, सीतापुर

- बैंक से रुपये निकालकर घर लौट रहा था किसान

अमृत विचार : बैंक से रुपये निकालकर घर लौट रहा किसान टप्पेबाजी का शिकार हो गया। घटना को लेकर पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस इस मामले में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र का खुदागंज निवासी साहिल चांद घर से रुपये निकालने के लिए बैंक आया था। किसान साहिल चांद के मुताबिक, उसने बैंक से दो लाख नब्बे हजार रुपये निकाले। इसके बाद बाइक के बैग में रुपयों से भरा थैला रख दिया। यहीं टप्पेबाज महिलाओं ने उसे गुमराह किया और रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गईं। जब साहिल चांद को अपने साथ हुई टप्पेबाजी का पता चला तो वह अवाक रह गया। उसने अपने साथ हुई घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी अनिल कुमार सिंह का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है।

सीडीपीओ पर कार्रवाई, एएनएम का वेतन रुका

- डीएम ने किया वीएचएसएनडी सत्र का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

पकरिया में व्यवस्था का अवलोकन करते जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर.।

अमृत विचार : खैराबाद विकास खण्ड क्षेत्र के पकरिया गांव में आयोजित वीएचएसएनडी सत्र का हाल जानने अचानक जिलाधिकारी पहुंच गए। निरीक्षण के दौरान पता चला कि वजन मशीन खराब है। इस दौरान कई और अनियमितताएं मिलीं। ऐसे में उन्होंने सीडीपीओ के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के साथ एएनएम का सात दिन का वेतन काटने के निर्देश जारी किये।

जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. पकरिया गांव बीएचएसएनडी सत्र देखने पहुंच गए। निरीक्षण के दौरान वजन मशीन खराब मिली। अभिलेखों के रखरखाव में कमियां मिलीं। ऐसे में आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुमन से स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिये गय। एएनएम नीलम देवी की लापरवाही पर सात दिन वेतन रोकने के लिए आदेशित किया गया। अनियमितताओं के बीच सीडीपीओ शिवानी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के लिए भी निर्देशित किया गया।

कान्हामऊ गांव का निरीक्षण : जिलाधिकारी ने सहायक महानिरीक्षक निबंधन जगदंबा शुक्ला एवं उपनिबंधन जगदंबा शुक्ला एवं उप निबंधक सदर राजीव त्रिपाठी के साथ तहसील सदर के राजस्व ग्राम रामपुर निजामपुर तथा तहसील सिधौली के कान्हामऊ गांव का निरीक्षण किया।

कारीगरों को जल्द मिलेगी सीएफसी की सुविधा

सीतापुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने कलेक्ट्रेट में एक जनपद-एक उत्पाद योजना को लेकर बैठक की। बैठक का उद्देश्य सीएफसी (कॉमन फैसिलिटी सेंटर) के काम में तेजी लाना था। बैठक में डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेंटर का निर्माण और मशीनों को लगाने का काम जल्द पूरा करें। कहा कि जब सामान की क्वालिटी अच्छी होगी और लागत कम आएगी, तो उत्पाद बाजार में बड़े ब्रांड्स को टक्कर दे सकेंगे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सभी विभाग मिलकर इसे पूरा करें। बैठक में उद्यमियों और संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

हफ्सा मैरिज लान से नजूल भूमि मुक्त

अमृत विचार IMPACT

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अतिक्रमण हटवाता तहसील प्रशासन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : खैराबाद का हफ्सा मैरिज लान पूरी तरह से जमींदोज हो गया। अमृत विचार की खबर का संज्ञान जिलाधिकारी ने लिया तो अधीनस्थों ने तीसरे दिन पहुंचकर नजूल भूमि को मुक्त कराया। मुक्त कराई गई संपत्ति की कीमत साढ़े पांच करोड़ से अधिक की बताई जा रही है।

बता दें कि अमृत विचार खैराबाद स्थित फलपट्टी पर हो रहे अतिक्रमण को लगातार प्रकाशित करता रहा है। डीएम डॉ. राजा गणपति आर. ने प्रकरण का संज्ञान लिया और तहसील प्रशासन को निर्देश दिए। तहसीलदार अतुल सेन सिंह ने खैराबाद स्थित नजूल भूमि पर बने हफ्सा मैरिज लान को हटाने के दौरान नर्मी बरती और अंश मात्र को जमींदोज किया। इस खबर को अमृत विचार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। डीएम की नाराजगी के बाद एक बार फिर उसी प्रापर्टी पर अभियान चला और नजूल भूमि पूरी तरह से मुक्त कराई गई।

महमूदाबाद में शत्रु संपत्ति से हटाया अतिक्रमण : डीएम के निर्देश पर तहसील प्रशासन और नगर पालिका की संयुक्त टीम महिला अस्पताल के पास पहुंची। तालाब किनारे बने अस्थायी होटल को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। कस्बा स्थित बरदही बाजार से लेकर महिला अस्पताल तक सड़क के इर्द गिर्द अतिक्रमण हटवाया गया।

लहरपुर में खलिहान की भूमि कराई गई मुक्त : मातनपुरवा में खलिहान की भूमि पर दीवार बनाकर अतिक्रमण किया गया था, जिसको लेकर तहसील प्रशासन ने अभियान चलाकर भूमि को मुक्त कराया।

शहर में एक्यूआई पहुंचा 240 पार

सीतापुर, अमृत विचार : कोहरे के साथ ठंडी हवाओं के कारण गलन बढ़ी है। चौथे दिन भी सूरज के दर्शन नहीं हुए। घने कोहरे और ठंडी हवाओं के चलते पारा लुढ़ककर नौ डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, धुंध के चलते वाहनों की रफ्तार कम रही। शहर में दिन का एक्यूआई 240 से अधिक रिकॉर्ड किया गया।

सुबह अधिक धुंध के चलते दृश्यता घटकर मात्र 15 मीटर तक पहुंच गई। कई स्थानों पर लोग वाहनों में लाइट जलाकर निकले, प्रशासन की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है। उधर, बाजार और सार्वजनिक स्थानों पर पिछले वर्ष की अपेक्षा कम चहल पहल देखने को मिली।

स्वास्थ्य केंद्रों के भवनों में कराये जाएंगे सुधार कार्य

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. की पहल पर जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की अवस्थापना सुविधाओं में सुधार के लिए व्यापक स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि इसके लिए सभी संबंधित विकास खण्डों के अवर अभियंताओं के माध्यम से सर्वेक्षण कराकर प्राक्कलन भी कराया गया है।

नगरीय क्षेत्रों में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का संबंधित नगर निकाय के माध्यम से टेण्डर कराते हुए अग्रिम कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि इन सुधार कार्यों में भवन की मरम्मत, रंगाई-पुताई, शौचालयों का दुरुस्तीकरण, परिसर एवं बाउंड्रीवाल का कार्य, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था आदि के कार्य कराये जायेंगे।

सिटी डायरी

ड्रिंक एंड ड्राइव में 42 वाहन मालिकों पर कार्रवाई

शहर में कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम। अमृत विचार

सीतापुर, अमृत विचार : नए साल के स्वागत को लेकर दिन भर पुलिस सतर्क दिखी। इसी क्रम में ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ पुलिस द्वारा देर शाम अभियान चलाया गया। शहर के प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में ब्रेथ एनालाइजर की मदद से वाहन चालकों की जांच की गई। एएसपी विनायक भोसले के नेतृत्व में प्रमुख स्थानों पर अभियान चला। जांच के दौरान 42 वाहन चालकों के मुंह में निर्धारित सीमा से अधिक एल्कोहल की मात्रा पाई गई। सहायक पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, दिन भर चले अभियान में 152 चालान किये गए हैं।

बिजली राहत योजना के तहत बिल जमा करते उपभोक्ता।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए लगा शिविर

सीतापुर, अमृत विचार : बिजली राहत योजना उपभोक्ताओं के लिए संजीवनी बन रही है। कमलापुर में इसको लेकर एक शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 3847 उपभोक्ताओं ने एक करोड़ 65 लाख जमा किये। बिजली बिल राहत योजना 2025 के तहत बिजली के सब स्टेशन कमलापुर के उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आई, कमलापुर सब स्टेशन के एसडीओ नवीन भास्कर ने बताया कि पहली दिसंबर 2025 से 30 दिसंबर 2025 तक क्षेत्र में बिजली बिल जमा करने के लिए 35 कैंप लगाए गए। सब स्टेशन के काउंटर तथा जन सुविधा केंद्र के माध्यम से 3423 उपभोक्ताओं ने एक करोड़ बावन लाख रुपए और ऑनलाइन फोन पे अन्य माध्यमों से 424 उपभोक्ताओं ने तेरह लाख रुपए जमा किए।

ओवरहाईट वाहन से टकराकर क्षतिग्रस्त विद्युत पोल।

शाहपुर में गिरा विद्युत पोल, बाल-बाल बचे लोग

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : शाहपुर में 11 हजार विद्युत लाइन का पोल टूट कर गिर गया इससे बड़ा हादसा टल गया। विद्युत पोल के गिरने से गन्ने से भरे ट्रक न निकल पाने के कारण बड़े वाहनों का जाम लग गया। विद्युत पोल के ट्रटकर गिरने की सूचना विद्युत विभाग को दी गई। आनन फानन में विद्युत विभाग ने पोल को ठीक करा कर बड़े वाहनों के लिए आवागमन सुलभ कराया। अवर अभियंता विद्युत ग्रामीण अभिनव शुक्ला ने बताया कि उक्त पोल से केवल टावर को सप्लाई दी जाती थी, जिसे ठीक करा दिया गया है।

विभिन्न पोशाक में स्काउट और गाइड। अमृत विचार

स्काउट गाइड शिविर

महमूदाबाद, अमृत विचार : स्काउटिंग और गाइडिंग का मुख्य उद्देश्य युवाओं के संपूर्ण चरित्र निर्माण और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है। उक्त बातें कुर्सी के विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा ने कही। उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए स्काउट-गाइड आंदोलन को चरित्र निर्माण का माध्यम बताया। जिला मुख्यायुक्त बाराबंकी रामकुमार गिरि व सीतापुर जिला मुख्यायुक्त रमेश वाजपेयी के साथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुधाकर शुक्ल ने भी संबोधित किया।

अभिरक्षा से फरार 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में इनामी बदमाश।

सीतापुर, अमृत विचार : कचहरी में सेशन लॉकअप से पुलिस अभिरक्षा से फरार 25 हजार के इनामी को पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली नगर पुलिस की ओर से की गई धरपकड़ में सर्विलांस टीम और एसओजी टीम सहयोगी के रूप में रही।

सहायक पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि लवकुश मिश्रा कारागार से पेशी पर कचहरी आया था। सेशन लॉकअप से फरार हो गया। ऐसे में कोतवाली नगर में केस दर्ज हुआ। पुलिस के साथ सर्विलांस और एसओजी टीम सहयोग में लगी थी। सहायक पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि सटीक सूचना के बाद शहर के बाईपास से 25 हजार के इनामी लवकुश मिश्रा को गिरफ्तार किया गया।

ब्लाकों में बनाए जाएं दिव्यांग विद्यालय

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

दिव्यांग महिला को सम्मान स्वरूप स्मृति चित्र देते सागर गुप्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जनपद ही नहीं प्रदेश के प्रत्येक जिले में हर विकासखंड क्षेत्र में एक दिव्यांग आवासीय विद्यालय बनना चाहिए। इस प्रकार की विभिन्न मांगे कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिला पंचायत सभागार में दिव्यांग सेवा संस्थान की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु के समक्ष रखी गई।

संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु कांत मिश्रा और जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिन्हा ने बताया कि यह कार्यक्रम जनपद के दिव्यांगों और उनके हक अधिकारों के लिए किया गया। समाजसेवी सागर गुप्ता ने मुख्य अतिथि राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु के समक्ष दिव्यांगों के सारे हक अधिकारों की बातें रखीं। दिव्यांग हरिलाल, रेहाना आदि ने कहा कि शिक्षा के लिए दिव्यांग आवासीय विद्यालय बनवाया जाए, जो हर ब्लॉक क्षेत्रों में स्थापित किया जाए। ऐसे में मंत्री ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांगों को प्रस्तुत किये जाने का आश्वासन दिया। समाजसेवी सागर गुप्ता ने सभी दिव्यांगों को भोजन कराया।

इस मौके पर संस्थान के पदाधिकारी और दिव्यांग महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे।

आतंक इमलिया सुल्तानपुर के फतेपुर मातिनपुर गांव में पिता पुत्र की हुई थी हत्या

दबंगों ने दी धमकी तो पीड़ितों ने घर छोड़ा

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

ट्रैक्टर-ट्राली में सामान रखते पीड़ित।

अमृत विचार : सीतापुर का दोहरा हत्याकाण्ड एक बार फिर गर्मा गया है। कारण, पीड़ित पक्ष ने विपक्षियों के डर से गांव छोड़ दिया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि हमलावरों के कुछ साथी अभी भी खुला घूम रहे हैं। कहते हैं कि बच्चों को मारकर संपत्ति पर भी कब्जा कर लेंगे।

बता दें कि इमलिया सुल्तानपुर थानाक्षेत्र के फतेपुर मातिनपुर गांव वासी अख्तर खां और उनके पुत्र महशर खां की गांव के बाहर निर्मम हत्या कर दी गई थी। वारदात के दौरान महशर के पुत्र अशहद और उसकी माँ मलका खां ने झाड़ियों में छिपकर अपनी जान बचाई, पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले हिस्ट्रीशीटर शिवपूजन, सौरभ उर्फ नंगा, अजय पाल और तामू को गिरफ्तार किया गया। बताते हैं कि अब तक रणधीर उर्फ श्यामल और अभय उर्फ रामनिवास फरार हैं। वारदात के चश्मदीद अशहद खां के मुताबिक, विपक्षी गिरोहबंद हैं। दबंग पिछले 48 घंटों के भीतर अलग अलग तरीके से धमकी दे रहे हैं कि परिवार में सात माह की मासूम सहित तीन ही बच्चे बचे हैं, उन्हें भी मारकर संपत्ति पर कब्जा कर लेंगे। इसी डर के कारण उन लोगों ने गांव पहुंचकर गृहस्थी समेट ली है, जिसे ट्रैक्टर आदि वाहनों पर लेकर गांव छोड़ दिया है।

गांव में पसरा सन्नाटा, परिवार को नहीं मिली सुरक्षा : अशहद दोहरे हत्याकाण्ड के चश्मदीद गवाह हैं। इनका कहना है कि उन्होंने कई बार कहा कि परिवार और उनको सुरक्षा दे दी जाए, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। गांव से सामान समेटना इसी डर के कारण मजबूरी बन गया है, क्योंकि विपक्षी लगातार मार कर संपत्ति कब्जा करने की धमकी दे रहे हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष इमलिया सुल्तानपुर श्यामू कनौजिया का कहना है कि दोहरे हत्याकाण्ड में रणधीर उर्फ श्यामल और अभय उर्फ रामनिवास वांछित हैं। इनकी तलाश पुलिस कर रही है, जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खनन को लेकर लोग मुखर, रोके डंपर

सीतापुर, अमृत विचार : डंपर से खनन करने वालों के खिलाफ ग्रामीण लामबंद हुए। जमकर हंगामा काटा, डीएम तक पहुंची शिकायत के बाद सरकारी मशीनरी हरकत में आई। आनन-फानन में कार्रवाई की गई है। मछरेहटा थाना क्षेत्र के फतेहनगर के मजरा धनसिंहनगर गांव के इर्द-गिर्द लगातार खनन हो रहा था। इसी को लेकर ग्रामीण नाराज थे। ऐसे में बढ़ते विरोध के बीच ग्रामीणों ने खनन में लगे एक दर्जन डंपर रोक लिए, कुछ ही देर में हिराई पुरवा, धनसिंह नगर, असरेखा आदि गांव के ग्रामीण भी आ पहुंचे। ग्रामीणों ने सूचना जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. को दी। इसी के बाद समूचा प्रशासन हरकत में आ गया।

न्यूज ब्रीफ

पीएससी जवान का निधन, सम्मान से दी गई अंतिम विदाई

बछरावां : थाना क्षेत्र के अंतर्गत बबुरिहा खेड़ा मजरे विशुनपुर गांव निवासी प्रशांत रावत पीएससी बल की दसवीं बटालियन जनपद बाराबंकी में तैनात थे। कुछ दिन पूर्व वह अपने घर छुट्टी लेकर आए थे और अस्वस्थ थे। बीते मंगलवार की देर रात उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव बबुरिहा खेड़ा में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। उनके अंतिम संस्कार में हजारों क्षेत्रीय लोगों का हुजूम उमड़ा और लोगों ने उन्हें नम आंखो से विदाई देते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रशांत रावत की फाइल फोटो।

दबंगों की पिटाई से दो घायल, भर्ती

बछरावां : थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुशल खेड़ा गांव निवासी बुधई (50) व रिंकू (22) पुत्रगण बुधई का पारिवारिक जनों से जमीनी विवाद चल रहा है। 15 दिन पूर्व दबंगो द्वारा घायलों व उनके परिजनों से मारपीट की गई थी। बुधवार की सुबह दबंगों ने गुर्गे भेज कर उक्त घायलों पर फिर लाठी डंडों से हमला करा दिया। जिसमें दोनों घायल हो गए। एंबुलेंस के द्वारा दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचाया गया, जहां से दोनों का प्राथमिक उपचार करने के पश्चात बुधई की हालत को गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस बाबत थाना प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी प्राप्त हुई है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जमीनी विवाद में मारपीट, 3 घायल

रायबरेली : भदोखर थाना क्षेत्र के घूरी मजरे विनोहरा गांव में जमीनी विवाद के चलते दो पक्षो में मारपीट हो गई। पीड़ित के भतीजे अंकित गुप्ता ने थाने में तहरीर देकर बताया कि जमीनी विवाद का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। मंगलवार की सुबह विपक्षियों ने कब्जा करने की नियत से जेसीबी लेकर जमीन पर खुदाई कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। विरोध करने पर विपक्षियों ने लाठी डंडों से पीड़ित परिवार पर हमला बोल दिया। जिसमें शिव कांति पत्नी पन्नालाल, रवि शंकर गुप्ता पुत्र राज किशोर, विमलेश पुत्र राजकिशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराते हुए चोटिल लोगो को जिला अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी राकेश चंद्र ने बताया कि राम सिंह, यादवेंद्र, दलजीत, राजकुमार, पवन यादव पर मामला दर्ज कार्रवाई की जा रही।

वार्षिक कार्यक्रम आज

सरेनी : स्वामी सूर्य प्रमोद परमहंस इंटर कॉलेज अनंगपुरम रालपुर के आद्य संस्थापक पंडित महादेव प्रसाद दीक्षित की पुण्य स्मृति में गुरुवार को वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी विद्यालय के अध्यक्ष बलदेव सिंह सागर व प्रधानाचार्य संतोष कुमार त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से दी है।

दबंगों ने युवक को दी धमकी

सरेनी : जमीन के विवाद को लेकर दबंगों ने युवक को जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के पसन खेड़ा मजरे तेजगांव के रहने वाले मोहनलाल उर्फ झूरी पुत्र गोवर्धन का गांव के एक व्यक्ति से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है।

नकली चांदी बेचने की फिराक में पहुंचे टप्पेबाजों को दबोचा

संवाददाता, अमावां (रायबरेली)

अमृत विचार। मिल एरिया थाना क्षेत्र के हरदासपुर में टप्पेबाज महिलाओं और पुरुषों के गिरोह को दुकानदारों ने दबोच लिया। दुकानदारों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिल एरिया थाना क्षेत्र के हरदासपुर में मोहित सोनी की सोनी ज्वेलर्स के नाम से सर्राफा की दुकान है। आरोप है कि एक महिला व पुरुष झोले में कुछ चांदी लेकर दुकान पर पहुंचे और लड़के की बीमारी के चलते बेचने के लिए चांदी दुकानदार को दी। चांदी के बदले 50 हजार रुपये की मांग की। इस पर दुकानदार ने 10 हजार रुपया काउंटर पर रखे और चांदी की जांच करने लगा। इस बीच दोनों रुपये लेकर मौके से गायब हो गए। जांच में नकली चांदी पता लगते ही दुकानदारों ने टप्पेबाजों का पीछा कर दबोच लिया। इस संबंध में इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए युवकों ने अपना नाम सरवन व अर्जुन बताया जबकि दो महिलाओं ने अपना नाम करिश्मा व सरोज बताया है। पकड़े गए चारों लोगों के बीच एक किलो नकली चांदी बरामद की गई है। जांच पड़ताल की जा रही है।

एंटी करप्शन टीम ने घूस लेते कानूनगो को रंगे हाथ पकड़ा

संवाददाता, लालगंज/सतांव, रायबरेली

कार्रवाई

- एंटी करप्शन टीम ने लालगंज के कानूनगो गंभीर सिंह के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

अमृत विचार। हदबरारी में रिपोर्ट लगाने को लेकर घूस ले रहे लालगंज तहसील में तैनात कानूनगो गंभीर सिंह को लखनऊ एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथों धर दबोचा है। मामले में एंटी करप्शन टीम ने गंभीर सिंह के खिलाफ गुरुबक्शगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

जमीन की नापजोख कराने को लेकर परेशान बिशुनपुर थाना बछरावां निवासी गणेश शंकर पटेल पुत्र बाबू ने बताया कि उनका पैतृक गांव लालगंज तहसील का पूरे दीना मजरे उगाभाद है। गांव में उनकी पैतृक जमीन है जिसका विवाद सगे भाई गोवर्धन से चल रहा था। गणेश शंकर ने बताया कि उन्होंने तहसील में मुकदमा दायर कर जमीन की हद बरारी कराई थी। जिसमें रिपोर्ट लगाने को लेकर कानून गो गंभीर सिंह कई दिनों से टरका रहे थे। गणेश शंकर ने बताया कि उसने मामले की शिकायत तहसील दिवस में भी की थी लेकिन पैसा ना दिये जाने के कारण सुनवाई नहीं हुई। कानून गो गंभीर सिंह बिना पैसा लिए रिपोर्ट लगाने को तैयार नहीं थे। थक हार कर उसने मामले की शिकायत एक सप्ताह पूर्व एंटी करप्शन विभाग लखनऊ से की।

मेडिकल की कार्रवाई के लिए कानूनगो को ले जाती एंटी करप्शन टीम।

बुधवार को दोपहर एंटी करप्शन टीम ने पीड़ित किसान गणेश शंकर को लेकर लालगंज तहसील में धावा बोल दिया। कानूनगो गंभीर सिंह बैनामा दफ्तर के बगल में स्थित अपने कमरे के बाहर मौजूद थे और जैसे ही गणेश शंकर ने कानून गो गंभीर सिंह को पांच हजार रुपए दिए। वहीं पर मौजूद एंटी करप्शन टीम ने कानूनगो गंभीर सिंह को रंगे हाथों पैसा लेते धर दबोचा। एंटी करप्शन टीम ने कानून गो को पकड़ते ही आनन-फानन पुलिस गाड़ी में लाद लिया और गुरुबक्शगंज थाने ले जाकर कानूनगो के खिलाफ घूस लेने का मुकदमा दर्ज कराया। वहीं एसडीएम मिथिलेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जानकारी मिली है कि एंटी करप्शन टीम ने गंभीर सिंह को किसी मामले में पकड़ा है। इसके पहले भी लेखपाल मनीष को दो वर्ष पूर्व एंटी करप्शन टीम ने तहसील के अंदर ही घूस लेते पकड़ा था।

उत्साह, उमंग और नई ऊर्जा के साथ नववर्ष का स्वागत

- मंदिरों में श्रद्धालुओं की लगी रही कतार, होटल और रेस्टोरेंट में उमड़े लोग
- गुजरे साल को अलविदा कहते हुए देर रात तक जश्न में डूबा रहा पूरा जिला

अभयदाता मंदिर में नववर्ष के स्वागत में पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु। अमृत विचार

कचहरी रोड स्थित रेस्टोरेंट में की गई सजावट। अमृत विचार

सुपर मार्केट में आकर्षक झालरों से की गई सजावट। अमृत विचार

चंदापुर स्थित जगमोहनेश्वर मंदिर में आरती करते श्रद्धालु। अमृत विचार

जगमोहनेश्वर मंदिर में पूजन अर्चन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

पुलिस लाइन स्थित रेस्टोरेंट में की गई सजावट। अमृत विचार

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। नववर्ष के आगमन को लेकर हर किसी में बुधवार को जबरदस्त उत्साह रहा। देर रात तक पूरा जिला जश्न में डूबा रहा। गुजरे साल को अलविदा कहते हुए उत्साह और उमंग के साथ नए साल का स्वागत किया। सभी ने अपने-अपने तरीके से बधाई दी। मंदिरों में बुधवार की शाम से ही लोगों की कतार लग गई। गुजरे हुए साल के अंतिम दिन के साथ ही नए साल की सुबह सुख समृद्धि की कामना की। विद्यालयों में शीतकालीन अवकाश होने के नाते पार्कों में लोगों की भीड़ उमड़ी रही। सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। रात 12 बजते ही कई जगह आतिशबाजी भी हुई।

शहर के अभयदाता मंदिर, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, मां मंशा देवी मंदिर, मां दुर्गा मंदिर, पहलवान वीर बाबा मंदिर, राधा-कृष्ण मंदिर छोटी बाजार समेत सभी प्रमुख मंदिरों में विशेष सजावट की गई। शाम से ही श्रद्धालु यहां पर पहुंचने लगे। पूजन-अर्चन और आरती के बाद प्रसाद वितरण किया। वहीं काफी संख्या में लोगों ने जरूरतमंदों को कंबल, शाल, वस्त्र आदि दिया। इंदिरा उद्यान में बड़ों के साथ बच्चों की भीड़ उमड़ी रही। कुछ ऐसा ही नजारा शहीद स्मारक और उद्यान पार्क में रहा। अभयदाता मंदिर में शाम से ही रामचरित मानस का पाठ शुरू हो गया। वहीं रामकृपाल चौराहा स्थित विधानेश्वर मंदिर में ओम नमः शिवाय का जाप हुआ।

रायबरेली महोत्सव में उमड़े लोग

शहर के जीआईसी मैदान में चल रहे रायबरेली महोत्सव में लोगों की भीड़ उमड़ी रही। शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोगों ने पहुंचकर खरीददारी की। यहां पर उत्तर प्रदेश के अलावा कश्मीर, हरियाणा, मध्य प्रदेश, गुजरात समेत कई प्रांतों से व्यापारी दुकान लगाए हुए हैं। आयोजक राकेश गुप्ता ने कहा कि नए साल पर और अधिक भीड़ उमड़ने की संभावना है। ऐसे में सुरक्षा के सारे इंतजाम है। स्थानीय प्रशासन का पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के लोगों के लिए यह बेहतर अवसर है। नए वर्ष पर कई दुकानदारों द्वारा आकर्षक छूट भी दिया जा रहा है।

प्रकाश पर्व पर निकली प्रभातफेरी

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। गुरु गोविंद सिंह जी की जय हो- आवाज सारे देश की जय गुरु दशमेश की...यह जयकारे गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 359 वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में प्रभातफेरी में लगाए गए। गुरुद्वारा फिरोज गांधी नगर में अमृतबेला में मुख्य ग्रंथी ज्ञानी सुखजीत सिंह व संगत द्वारा नितनेम पाठ व शबद के बाद प्रभात फेरी प्रारंभ हुई। शुरुवात में ही परमजीत सिंह गांधी सभासद द्वारा पवित्र निशान साहिब को फूलों की माला, पुष्प वर्षा के साथ चाय बिस्कुट संगत में वितरण किया। प्रभात फेरी कॉलोनी के प्रमुख मार्गो से निकल कर वापसी गुरुद्वारा साहिब पहुंची। प्रभातफेरी के रूट में जगह-जगह संगत ने अपने अपने घरों में माला व पुष्पवर्षा की व अरदास करवाई। अरदास ज्ञानी सुखजीत सिंह ने की। प्रभातफेरी मे सबसे आगे पवित्र निशान साहेब को गोलू सिंह लेकर चल रहे थे, जिसके पीछे छोटे-छोटे बच्चे महिलाएं-पुरुष श्रद्धा से चल रहे थे। गुरबचन सिंह सलूजा, दलजीत सिंह अरोड़ा, गुरमीत सिंह मोंगा, गुरजीत सिंह तनेजा, कुलदीप सिंह अरोड़ा, बंटी सलूजा, राजू सलूजा, नीटू सिंह अरोड़ा, हरप्रीत सिंह तनेजा, कबीर सिंह मोंगा, समर सिंह गांधी, करन सिंह बग्गा, काका मोंगा, हरदेव सिंह, सतपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

गुरु गोविंद सिंह जी के 359 वें प्रकाश पर्व पर निकली प्रभातफेरी में शामिल लोग।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से ढोई जा रही नहर की डंप पड़ी सिल्ट

जिम्मेदार मौन

संवाददाता, महराजगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। सिंचाई विभाग की उदासीनता के कारण बगैर टेंडर प्रक्रिया के ही डीह रजबहा पर डंप सिल्ट दिन के उजाले में चोरी हो रही है। इससे राजस्व को नुकसान पहुंचने के साथ ही सिल्ट माफिया माला माल हो रहे हैं। पूरे मामले में एक्सईएन ने जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मामला चंदापुर थाना क्षेत्र से होकर गुजरी डीह रजबहा से जुड़ा हुआ है। हाल ही में सिंचाई विभाग द्वारा रजबहे की सिल्ट सफाई कराई गई थी जिसके बाद हेड से लेकर टेल तक बड़ी मात्रा में सिल्ट पटरी पर ही अभी डंप है। जिसे अब ट्रैक्टर-ट्रॉली के सहारे धीरे-धीरे करके गायब किया जा रहा है। दुसौती नहर पुल के पास से बड़ी मात्रा में सिल्ट चोरी हो चुकी है। सबसे बड़ी बात यह है, कि दुसौती नहर पुल से थोड़ी ही दूर पर चंदापुर थाना का पुलिस बूथ भी बना हुआ है, लेकिन जिम्मेदारों की नजर शायद दिन के उजाले में होने वाली अवैध सिल्ट चोरी पर नहीं पड़ती है या जानबूझकर नजरंदाज किया जाता है, यह तो जांच का विषय है। वहीं सिंचाई विभाग के अभियंता ज्ञान प्रकाश गुप्ता की भी उदासीनता को नकारा नहीं जा सकता है, उनके मोबाइल फोन पर कई बार कॉल कर संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

दुसौती नहर पुल पर ट्रैक्टर-ट्रॉली में सिल्ट भरते मजदूर। अमृत विचार

जांच कराकर होगी कार्रवाई

एक्सईएनः इस मामले में सिंचाई विभाग के एक्सईएन रमाशंकर राय से बात करने पर उन्होंने कहा कि मौके की जांच कराकर सिल्ट चोरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई कराई जाएगी।

आयोजन | प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह में पूर्व ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह ने गरीबों को वितरित किए कंबल

भारत को मजबूत राष्ट्र के रूप में देखना चाहते थे अटल : सत्येन्द्र

संवाददाता, महराजगंज, (रायबरेली)

अमृत विचार। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह ने अटल जी को दूरदर्शी नेता बताते हुए उनके सपनों को पूरा करने की अपील की। मुख्य अतिथि सत्येन्द्र प्रताप सिंह द्वारा भारत लोक शिक्षा परिषद द्वारा महराजगंज, राही व अमांवा क्षेत्र में एकल अभियान के तहत एकल विद्यालय संचालित करने वाली आचार्य को प्रारम्भिक आचार्य अभ्यास वर्ग के प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले आचार्यों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही वहां मौजूद अन्य गरीबों व असहायों को कंबल भी वितरित किया गया।

जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते अतिथि। अमृत विचार

बुधवार को कस्बे के स्वदेश सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्जवल्लित कर किया। विशिष्ट अतिथि सुधा अवस्थी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को एक सशक्त समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए निस्वार्थ भाव से देश की सेवा की थी। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद आचार्यों सहित गरीब व निराश्रित लोगों को बचाने के लिए कंबलों का वितरण भी किया। इस मौके पर स्वदेश सरस्वती शिशु मंदिर के समस्त आचार्य, स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी व भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

गरीब असहायों को कंबल वितरित करते समाजसेवी। अमृत विचार

ठंड से बचाव के लिए सैकड़ों जरूरतमंदों को बांटे गए कंबल,

ऊंचाहारः क्षेत्र के खोजनपुर गांव के प्रधान पति सुधीर गुप्ता ने महेशगंज गांव स्थित अपने आवास पर पांच सौ गरीबों को कंबल वितरित किया। कार्यक्रम में खोजनपुर, जलालनहार, ठकुरन का पुरवा, महेशगंज, बड़उवा पर, पूरे मानी आदि गांव के लोग जुटे थे। इससे पूर्व ग्राम प्रधान द्वारा पत्रकारों और क्षेत्र के संभ्रांत लोगों को अंगवस्त्र प्रदान करके उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी रामलखन गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, कनक बिहारी सिंह, राजा जितेंद्र बहादुर सिंह, पुतून निर्मल, सुशील कुमार मिश्र, गुड्डू पांडेय, अतीश साहू, सूरज मौर्य, रामदुलारे सरोज, सुरेश कुमार अशोक, अमन, अंशू, राकेश, रामअवध आदि मौजूद थे।

समाजसेवी ने गरीबों को बांटे कंबल

शिवगढ़। समाजसेवी व हरियाणा वाले राज भैया उर्फ राज दीक्षित ने बुधवार को भवनपुर, जगदीशपुर आदि आधा दर्जन से अधिक गांवों में जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती ठंड में गरीबों की मदद करने से पुण्य मिलता है। क्षेत्र में समय-समय पर गरीबों की मदद की जाती है। इस मौके पर पूर्व पिपरी प्रधान नन्दकिशोर तिवारी, अनुपमा तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी, अमित मिश्रा, नीरज अवस्थी, विकास गुप्ता, सुनील मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा ओपन जिम : सरिता

ओपन जिम का उद्घाटन करती नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता और दीपेंद्र गुप्ता।

संवाददाता, लालगंज (रायबरली)

अमृत विचार। नगर पंचायत लालगंज के छीटामंडी स्थित पंचमुखेश्वर मंदिर में नवनिर्मित ओपन जिम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता रहीं। उन्होंने कहा कि नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के साथ-साथ नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए इस तरह के ओपन जिम मील का पत्थर साबित होंगे। स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एम्बेस्डर दीपेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि ओपन जिम युवाओं के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। उद्घाटन समारोह में सभासद बबलू तिवारी, लिपिक वीरेंद्र कुमार यादव, शिव शंकर मिश्रा, मनोज कुमार दीक्षित एवं कंप्यूटर ऑपरेटर रितिज मिश्रा, नायब मोहर्रिर उमेश कुमार, रमेश कुमार, विजय कुमार, राजकुमार, राम करन, शिवम सोनी, जीतू सिंह, कुलदीप आदि उपस्थित रहे।

NEW YEAR 2026

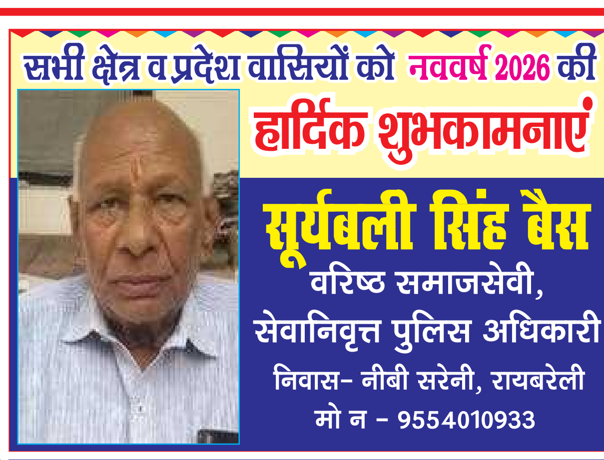

भगवान का कोई धर्म नहीं है।
–राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

चौथी अर्थव्यवस्था का अर्थ

साल के आखिरी दिन यह खबर अत्यंत उत्साहवर्धक रही कि हम साल बीतने से पहले जापान की 368 लाख करोड़ की जीडीपी को पीछे छोड़ 376 लाख करोड़ वाली विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बने और सरकार को उम्मीद है कि अगले तीन साल के भीतर हम जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पछाड़ कर अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। सरकार की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में यह भी जानकारी दी गई कि महंगाई दर जो पहले चार से ऊपर थी घट कर एक फीसद से भी नीचे आ गई है और बेरोजगारी दर में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। देश की जीडीपी की विकास दर भी खासी ऊंची है। महंगाई बेहद कम, लोगों को काम और जीडीपी बढ़त पर, विदेशी मुद्रा भंडार भी भरा हुआ, यानी दौर वाकई 'गोल्डिलॉक्स पीरियड' है।

ये सरकारी दावे नये साल की शुरुआत करने के लिए शानदार उत्प्रेरक की तरह काम कर सकते हैं, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने इस बात को दोहराया है कि भारत की विकास दर आगे भी सात फीसदी से ज्यादा रहने से वह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। यानी इस साल हम इस दिशा में कुछ और नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। यह ठीक है कि जापान लंबे समय से जनसंख्या घटने, कमजोर घरेलू मांग और कर्ज के बोझ तले है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था भी ऊर्जा संकट, औद्योगिक सुस्ती और यूरोप की समग्र मंदी के कारण लगभग ठहराव की स्थिति में है, सो हमारी रैंकिंग में परोक्षतः दूसरों का भी हाथ है। एक महत्वपूर्ण पहलू भी गौरतलब है, बड़ी अर्थव्यवस्था अधिकतर आम लोगों के बेहतर जीवन की गारंटी नहीं है। अच्छी सड़कें, आधुनिक परिवहन, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, मुफ्त व प्रभावी शिक्षा, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन, अपराध नियंत्रण और प्रदूषण से राहत- ये सब केवल जीडीपी के आकार से नहीं, बल्कि नीतिगत प्राथमिकताओं से तय होते हैं। प्रति व्यक्ति आय का अंतर इसे साफ दर्शाता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग दो लाख रुपये सालाना मान भी लें, तो जापान की प्रति व्यक्ति आय औसतन 40 लाख प्रतिवर्ष है, जर्मनी, अमेरिका में इससे भी अधिक है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी पर आम भारतीय विकसित देशों से पीछे रहेगा। मानव विकास सूचकांक में भारत अभी मध्यम श्रेणी में है, जबकि अमेरिका, जर्मनी और जापान शीर्ष पायदानों में हैं और चीन भी भारत से ऊपर है। स्पष्ट है कि आर्थिक रैंकिंग और मानव विकास रैंकिंग में सीधा संबंध नहीं होता।

कुल मिलाकर बड़ी अर्थव्यवस्था का असली अर्थ है, जन कल्याण के लिए अधिक संसाधन। यदि ये संसाधन शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण में नहीं लगे, तो आंकड़ों की चमक आम आदमी तक नहीं पहुंचेगी। यह बदलाव केवल जीडीपी का नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन में क्रांतिकारी सुधार का प्रतीक बने, इसके लिए विकास को समावेशी, रोजगार-प्रधान और मानव-केंद्रित बनाना होगा। तभी 'चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था' एक वास्तविक उपलब्धि कहलाएगी, न कि सिर्फ एक सांख्यिकीय मील का पत्थर।

प्रसंगवश

नए साल में चुनाव और सियासी समीकरण

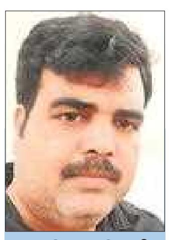

रमा निवास तिवारी
लेखक

2025 में राजनीति के जो समीकरण बनते बिगड़ते रहे, 2026 में उसको कसौटी पर कसा जाएगा। बिहार के चुनावों से निकले जनादेश ने बीजेपी को देश की सशक्त पार्टी साबित किया, इसकी असली ताकत पश्चिम बंगाल में तय होगी, जहां ममता बनर्जी के सियासी तिलिस्म से भाजपा की रणनीति का आमना-सामना होगा। पश्चिम बंगाल का यह सियासी रण 2026 के अप्रैल-मई महीने में ही देखा जाना है। इतना ही नहीं, असम, पुदुचेरी, तमिलनाडु और केरल के विधानसभा चुनाव भी आने वाले साल में प्रस्तावित हैं, जो देश की सियासत की दिशा निर्धारित करेंगे। उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े सूबे में इसी वर्ष पंचायत चुनाव होने हैं, जिसका बिगुल नए साल की आमद के साथ बजने ही वाला है। प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले पंचायत चुनावों को राजनीतिक पार्टियों के द्वारा शक्ति प्रदर्शन के रूप में लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश समेत देश के तमाम राज्यों में चल रहे एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर पहले ही सियासत गरम है।

अगले वर्ष जिन राज्यों के चुनाव होने हैं, वहां अलग-अलग राजनीतिक दल एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगाते दिखाई देंगे। राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की शुरुआत तो जनवरी से ही शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी पार्टी सपा सत्ता के वनवास से निकल कर बाहर आने को बेचैन है, उधर भाजपा ने योगी आदित्यनाथ के भरोसे अंगद की तरह पांव जमा दिया है। कौन किस पर भारी साबित होगा, यह तो 2027 के चुनाव ही बता पाएंगे, लेकिन जीत-हार की रस्साकशी 2026 में ही नजर आने लगेगी। पंचायत चुनावों से ही सियासत का अखाड़ा सज उठेगा।

भाजपा दिल्ली और यूपी के अन्तर्द्वन्द से कैसे निपटेगी और नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आते ही जातिगत झमेले में जा उलझी पार्टी को पटरी पर नेतृत्व कैसे लाएगा, यह सब 2026 में देखने को मिलेगा। 2026 देश की सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए कोई न कोई चैलेंज लेकर आ रहा है। आने वाले साल में सियासत की तासीर बदली नजर आएगी और राजनीतिक घमासान के बादल देश पर मंडराते रहेंगे।

क्या मोदी और क्या योगी सबको अपने राजनीतिक कौशल की परीक्षा देनी पड़ेगी। मायावती और अखिलेश यादव को अपनी-अपनी ताकत में इजाफा करके दिखाना होगा। राहुल गांधी की लगातार मेहनत को भी आने वाला साल अपनी कसौटी पर कसने वाला है। शुरुआत तो उत्तर प्रदेश से ही हो जाती है, जहां पंचायत चुनावों की तपिश के बीच नये साल की आमद दर्ज होने जा रही है। नये साल की शुरुआत से ही उत्तर प्रदेश में सियासत के इन दो ध्रुवों भाजपा और सपा के बीच द्वंद्व होता नजर आएगा।

योगी आदित्यनाथ का चेहरा और उनकी राजनीति के कायल प्रदेशवासियों ने लगातार दूसरी बार उन्हें प्रचंड जनादेश के साथ प्रदेश की सत्ता पर बैठाया था। अब पंचायत चुनाव और अन्य राजनीतिक पैरामीटर यह तय करेंगे कि योगी का जादू बरकरार है या नहीं। उधर लोकसभा चुनाव रिकॉर्ड सीटों से जीतकर अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के हौसले बुलंद हैं, लोकसभा की जीत से 2027 के लिए बड़ी उम्मीदें निकल कर आई हैं। अखिलेश यादव की चुनौती है कि वोट बैंक के बिखराव पर कैसे विराम लगाएं और अपने परंपरागत वोट बैंक को कैसे फिर सहेजें, जो भाजपा की ओर शिफ्ट हो गए हैं, हालांकि सपा कार्यकर्ताओं में लोकसभा की जीत और शिवपाल यादव के पार्टी में विलय से गजब का उत्साह भरा हुआ है, लेकिन अखिलेश यादव को उसे बनाये रखने की जरूरत है।

देश के लिए अच्छे नहीं हैं मौसम के संकेत

अमित शर्मा
हल्द्वानी

हर साल मौसम में हो रहा बड़ा वैश्विक बदलाव देश और खासकर उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य के जल, जीवन और जंगल के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। पढ़ने में ये शब्द भले ही अब सामान्य बातें लगती हों, लेकिन यह सब हमारी-आपकी जिंदगी से जुड़ा अहम विषय है। प्रकृति हमें चेता रही है, लेकिन हम बहुत लापरवाही से सोच-समझकर भी नजरंदाज कर रहे हैं और यही बेहद चिंता का विषय है। शीतकालीन मौसम की वर्षा और बर्फबारी में कमी की सीधी मार हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़नी है। जीव-जंतु बढ़ते तापमान को सह नहीं पाएंगे और कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा सूखे मौसम को झेल नहीं सकेगा। बदलाव इसी तरह से जारी रहा, तो बढ़ते वैश्विक ताप से उत्तर भारत समेत नेपाल व भूटान जैसे देशों की जलापूर्ति भंग हो सकती है।

दरअसल, मौसम के लिहाज से हिमालयी क्षेत्र सर्वाधिक संवेदनशील माने जाते हैं और जलवायु परिवर्तन की बड़ी मार हिमालयी राज्यों को ही सर्वाधिक झेलनी पड़ रही है, जिस कारण यहां के मौसम में मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत तेजी के साथ बदलाव आ रहा है और सूखे की स्थिति और भी अधिक खतरनाक है, जो नमी को सोख लेता है और तापमान बढ़ने से बर्फीले ग्लेशियरों को पिघलाने में मददगार साबित होता है। उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के पिघलने से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आ सकता है।

> उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के पिघलने से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आ सकता है।

जलापूर्ति में व्यवधान का मतलब है कि कई अन्य मायनों में भी नुकसान उठाने होंगे, जिनमें बड़ा क्षेत्र कृषि का होगा। तापमान बढ़ने से कम तापमान में जीवित रहने वाली पैदावार प्रभावित होगी। सेब जैसा फल इसका प्रमुख उदाहरण है, जो अब अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों को पलायन करने लगा है। इसी क्रम में वनस्पतियां प्रभावित होंगी और जीव-जंतुओं का पलायन भी बढ़ जाएगा। मौसम का चक्र यानी हमारा ईको सिस्टम ही गड़बड़ा जाएगा। शीतकाल के दिनों में अंतर आ जाएगा, जो सिकुड़ने लगेंगे। बसंत जैसी ऋतु में तापमान में वृद्धि हो जाएगी, जिसका मतलब है कि बसंत ऋतु सिर्फ नाम की रह जाएगी। रबी की फसलें प्रभावित होंगी। वर्षा आधारित उपज में अधिक कमी आने लगेगी।

मौसम बदलना भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जो पर्यावरण और मौसम से जुड़े विशेषज्ञों को चिंता में डाल रहा है, हालांकि यह स्थिति बहुत जल्द आने वाली नहीं है, लेकिन बहुत दूरगामी भी नहीं है। मौसम में जितना असर सौ सालों में नहीं आया है, उससे कई गुना असर पिछले ढाई दशकों में देखने को मिला है। इधर, पश्चिमी विक्षोभों का उत्तराखंड में असर बेहद कमजोर हो चला है। यह जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश तक असर डाल रहे हैं, जिस कारण चरम मौसम (एक्स्ट्रीम वेदर) की परिस्थितियां बदलने लगेंगी।

इस गंभीर विषय पर नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वायुमंडलीय निदेशक डॉ. मनीष नाजा कहते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग जलवायु में बदलाव का बड़ा कारण है, जो हमारे मौसम में बदलाव ला रहा है। गर्म मौसम से ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे और इसका बड़ा प्रभाव उत्तर भारत समेत कई अन्य देशों की जलापूर्ति प्रभावित होगी। कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा और वनस्पतियां भी इसके प्रभाव से अछूती नहीं रहेंगी। ठंडी जलवायु पर आश्रित जीव-जंतुओं को कम जलवायु की ओर रवानगी होगी, तो वहीं कई प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

यह वास्तव में बड़ी चिंता का विषय है। लिहाजा पर्यावरण को लेकर समय रहते हम सभी को सजग रहने की सख्त जरूरत है। जिला कृषि अधिकारी ऋतु टम्टा कहती हैं कि इस बार शीतकालीन बारिश समय पर नहीं हुई, तो वर्षा पर निर्भर रबी की फसलों को नुकसान पहुंचने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। गत वर्ष भी शीतकाल सूखे के साथ कटा था और इस बार भी सूखे की आशंका को ध्यान में रखकर कृषि बीमा की योजना निर्धारित है। मौसम में बदलाव अथवा प्रभाव के चलते फसलों को भी उसी तरह से उगाने को लेकर किसानों को परामर्श दिए जा रहे हैं।

एरीज के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह भी कहते हैं कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी कर पाना अब आसान नहीं रह गया है। ऋतुओं का समय शिफ्ट होने लगा है, तो तूफान की घटनाओं में तीव्रता आने लगी है। मौसम में आ रहे बदलाव, भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जिस कारण आर्थिक, कृषि और सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है। मानसून में बादल फटने जैसी आपदाओं की त्रासदी को हमने देखा है और इस बार शीतकालीन वर्षा अभी तक रूठी हुई है। गत वर्ष शीतकाल की वर्षा सूखे की भेंट चढ़ गई थी। पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात का अभाव बढ़ता जा रहा है, जो मौसम के लिहाज से बेहद चिंताजनक है। तापमान में वृद्धि का ग्राफ बढ़ता जा रहा है, तो दो हजार मीटर ऊंचाई वाले स्थानों में मौसम का बड़ा बदलाव आया है।

भले ही मौसम में बदलाव से अनेक दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं, लेकिन इन सभी के बीच शीतकाल में तापमान में बढ़ोतरी के कारण पर्यटन क्षेत्र को लाभ पहुंच रहा है। नैनीताल व मसूरी में तीन दशक पहले तक शीतकाल में जमा देने वाली ठंड पड़ा करती थी। न्यूनतम तापमान शून्य के इर्द-गिर्द अधिक रहा करता था, तो इन पर्यटन नगरों से शीत के महीनों में मैदानों की ओर पलायन हुआ करता था, लेकिन मौसम में बदलाव आने से वैसी ठंड अब नहीं रही, जिसका यहां के पर्यटन को भरपूर लाभ मिल रहा है। अब शीतकाल के दौरान बड़े पैमाने पर सैलानी इन क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं और साल दर साल पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। निष्कर्ष यही है कि हमें प्रकृति से उतना ही लेना होगा, जितनी हमें जरूरत है। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन बंद करना होगा। जल-जंगल को बचाना होगा। पर्यावरण से निपटने के लिए नयी रणनीतियों पर काम करना होगा।

आमने सामने

भाजपा 2026 में दो-तिहाई बहुमत के साथ राज्य में अगली सरकार बनाएगी। हम न सिर्फ घुसपैठियों की पहचान करेंगे, बल्कि उन्हें बाहर भी निकालेंगे। 15 अप्रैल, 2026 के बाद बंगाल में भाजपा की नई सरकार होगी, क्योंकि जनता ने मन बना लिया है।
–अमित शाह
केंद्रीय गृहमंत्री

जब कश्मीर या दिल्ली में घटनाएं होती हैं, तो हर बार बंगाल को ही क्यों दोषी ठहराया जाता है? भाजपा 'अब की बार, 200 पार' जैसे बड़े दावे नहीं कर पा रही है। इस बार भाजपा को देश की राजनीति से बाहर हो जाना चाहिए।
–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

बांग्लादेश-भारत संबंधों की बदलती कहानी

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश और भारत के रिश्ते 1971 में बांग्लादेश की आजादी के साथ शुरू हुए। उस समय भारत की भूमिका, विशेष रूप से पाकिस्तान के साथ युद्ध में बांग्लादेश का समर्थन, इतिहास की एक निर्णायक घटना थी, लेकिन आज यही रिश्ते तनाव और अविश्वास की गहराई तक पहुंच चुके हैं। 2024 के अगस्त में शेख हसीना का सत्ता से हटना और बांग्लादेश में अस्थायी सरकार का गठन, दोनों देशों के बीच माने जाने वाले स्वर्णिम युग के पतन का प्रतीक बन गया है।

1971 की युद्धभूमि से लेकर 2023–24 तक बांग्लादेश में शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग को भारत के निरंतर समर्थन की नीति रही। यह समर्थन केवल वैचारिक सम्मान पर नहीं बल्कि रणनीतिक मजबूरी पर भी आधारित था। इस बीच 1975 के बाद सेना के द्वारा सत्ता पर कब्जे और ज़िया-उर-रहमान तथा बाद में हुसैन मोहम्मद इरशाद के शासन के बावजूद भारत के हित बुरी तरह प्रभावित नहीं हुए। भारत ने अवामी लीग को उस समय भी समर्थन दिया जब वह राजनीतिक रूप से कमजोर थी, क्योंकि भारत की नजर में अवामी लीग ही एक स्थिर और भारत-समर्थक राजनीतिक शक्ति थी।

> 2024 के अगस्त में शेख हसीना का सत्ता से हटना और बांग्लादेश में अस्थायी सरकार का गठन, भारत–बांग्लादेश के बीच 'स्वर्णिम युग' के पतन का प्रतीक बन गया है।

शेख हसीना ने भारत के समर्थन के साथ बांग्लादेशी राजनीति में मजबूती प्राप्त की। अवामी लीग का सत्ता में बने रहना भारत की नीति का मुख्य आधार बन गया। इस कारण बांग्लादेश की राजनीति में अवामी लीग का प्रभुत्व भारत की नीतिगत प्राथमिकता बन गया। जुलाई 2024 में बांग्लादेश में जनविरोध की लहर उठी और देखते ही देखते इतनी व्यापक हो गई कि शेख हसीना के इस्तीफे और सत्ता परिवर्तन की मांगें उठने लगीं। पांच अगस्त को शेख हसीना को भारत आना पड़ा। यह घटना केवल राजनीतिक शरण का मामला नहीं रही, बल्कि संकेत बन गई कि बांग्लादेश की राजनीति अब मित्र के पुराने समीकरणों से कहीं अधिक जटिल हो चुकी है।

विपक्षी दलों और उनके समर्थक समूहों का आरोप रहा है कि शेख हसीना भारत के समर्थन से सत्ता में बनी रहीं। जब भारत शरणस्थली बनकर सामने आया, तो भारत–बांग्लादेश मित्रता की पारंपरिक नींवों पर भी सवाल उठे। यह विश्वास कमजोर पड़ा कि भारत बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में निष्पक्ष भूमिका निभा सकता है। ढाका की सड़कों पर उभरती भावनाएं संकेत देती हैं कि बांग्लादेशी समाज अब केवल भारत के साथ करीबी रिश्तों के आधार पर किसी नेतृत्व की वैधता स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

इतिहास पर नजर डालें तो अविश्वास के बीज काफी पहले बोए जा चुके थे। संबंध सतही तौर पर भले संघर्षपूर्ण न रहे हों, लेकिन भीतर से तनाव हमेशा मौजूद रहा। भारत की धारणा रही कि बांग्लादेश ने स्वतंत्रता संग्राम में उसके योगदान को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। वहीं बांग्लादेश में यह भावना रही कि भारत ने केवल अपने सामरिक हितों के लिए हस्तक्षेप किया और उसे बराबरी के साझेदार के रूप में कम ही माना।

सैन्य शासनों के दौर में ढाका द्वारा भारत के पूर्वोत्तर के उग्रवादी समूहों को परोक्ष सहयोग देने के आरोपों ने संदेह और बढ़ाया। 1980 के दशक में सीमाओं पर कड़ी सुरक्षा और अवैध प्रवासन पर नियंत्रण की भारतीय नीति ने भी बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनाओं को मजबूत किया। सहयोग के स्थान पर कई बार उलझन और कटुता बढ़ती रही। इन ऐतिहासिक कारकों ने आज की जटिल परिस्थिति की नींव तैयार की।

2025 के इस दौर में संबंध केवल राजनीतिक नेतृत्वों के बीच का विषय नहीं रह गए हैं। वे अब सार्वजनिक भावनाओं, सुरक्षा चिंताओं और कूटनीतिक तनावों का समुच्चय बन चुके हैं। पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से तनाव लगातार बढ़ा है। वीजा सेवाओं का निलंबन और तीखे आधिकारिक बयान इसके संकेत हैं कि संस्थागत स्तर पर भी दरारें उभर चुकी हैं। यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सत्ता में आती है, तो संबंध किस दिशा में जाएंगे, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। वह अधिक समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित रिश्ते की अपेक्षा कर सकती है। फिर भी दोनों देशों के साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक हित इस रिश्ते को संभालने का मजबूत आधार प्रदान करते हैं। संवाद, पारदर्शिता और पारस्परिक सम्मान ही विश्वास बहाली के उपकरण हैं।

भारत–बांग्लादेश संबंध कई दशकों की कूटनीति, अविश्वास, सामरिक हितों और अप्रत्यक्ष हस्तक्षेपों का परिणाम हैं। जनता की वास्तविक राजनीतिक भावनाओं की समझ, परस्पर सम्मान और विश्वास की बहाली ही इन संबंधों को फिर से स्वर्णिम दौर की ओर ले जा सकती है। यदि दोनों देश नई सोच, धैर्य और परिपक्वता के साथ आगे बढ़ें, तो यह साझेदारी समय की धारा में खोने के बजाय भविष्य की स्थिरता का आधार बन सकती है।

सोशल फोरम

जालिम वक्त किसी को भी नहीं बख्शता

रंजन शर्मा
रिटायर्ड अफसर

एक बार अमेरिका में कैलीफोर्निया की सड़कों के किनारे पेशाब करते हुए देख एक बुजुर्ग आदमी को पुलिसवाले पकड़ कर उनके घर लाए और उन्हें उनकी पत्नी के हवाले करते हुए निर्देश दिया कि वो उस शख्स का बेहतरीन ढंग से ख़याल रखें और उन्हें घर से बाहर न निकलने दें। दरअसल वो बुजुर्ग बिना बताए, कहीं भी और किसी भी वक्त घर से बाहर निकल जाते थे और ख़ुद को भी नहीं पहचान पाते थे।

जिस बुजुर्ग को पुलिस बीच सड़क से पकड़ कर उन्हें उनके घर ले गई थी, वो किसी ज़माने में अमेरिका की जानी-मानी फिल्मी हस्ती थे। लोग उनकी एक झलक पाने के लिए तरसते थे। उनकी लोकप्रियता का आलम ये था कि उसी के दम पर वो राजनीति में पहुंचे और दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बनकर उभरे तथा एकदिन वो अमेरिका के राष्ट्रपति बने। नाम था रोनाल्ड रीगन।

1981 में रीगन अमेरिका के राष्ट्रपति बने और पूरे आठ साल दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति रहे। राष्ट्रपति रहते हुए उन पर गोली भी चली। कई दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद जब वो दोबारा व्हाइट हाऊस पहुंचे, तो उनकी लोकप्रियता दोगुनी हो चुकी थी।

राष्ट्रपति पद से हटने के बाद जब वो अपनी निजी नागरिकता में लौटे तो कुछ दिनों तक सब ठीक रहा। पर कुछ दिनों बाद उन्हें अल्जाइमर की शिकायत हुई और धीरे-धीरे वो अपनी याद्दाश्त खो बैठे। शरीर था। यादें नहीं थीं। वो भूल गए कि एक समय था जब लोग उनकी एक झलक को तरसते थे। वो भूल गए कि उनकी सुरक्षा दुनिया की सबसे बड़ी चिंता थी। रिटायरमेंट के बाद वो सब भूल गए। पर अमेरिका की घटना थी, तो बात सबके सामने आ गई कि कभी दुनिया पर राज करने वाला ये शख्स जब यादों से निकल गया। वो, वो नहीं रहा, जो था। मतलब उसका जीवन होते हुए भी खत्म हो गया था।

ताकतवर से ताकतवर चीज़ की भी एक एक्सपायरी डेट होती है, इसलिए जीवन में कभी किसी चीज़ का अहंकार हो जाए तो श्मशान का एक चक्कर जरूर लगा आना चाहिए। वहां एक से बढ़कर एक बेहतरीन शख्सियत राख बने पड़े हैं।

अहंकार व्यर्थ है चाहे वो सत्ता का हो, धन का हो या फिर अपने बाहुबल का।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

घर का तापमान और स्त्री के भीतर चलती ऋतुएं

कृति आरके जैन
लेखिका

महिलाएं घर को केवल संचालित नहीं करतीं, वे उसके स्वभाव की रचना करती हैं। वे तय करती हैं कि घर में संवाद बहता रहेगा या चुप्पी जम जाएगी! अपनापन सांस लेगा या औपचारिकता हावी होगी, सहयोग पनपेगा या तनाव फैलता जाएगा। यह सब किसी लिखित नियम या तय व्यवस्था से नहीं चलता, बल्कि उनके रोज़मर्रा के व्यवहार से आकार ग्रहण करता है। एक हल्की मुस्कान, एक तीखा वाक्य, एक मौन ठहराव या एक संवेदनशील संवाद— ऐसे ही सूक्ष्म क्षण मिलकर घर का व्यापक चरित्र गढ़ते हैं। इसी कारण कहा जाता है कि घर का वातावरण प्रायः स्त्री के मन की प्रतिध्वनि होता है।

यह भी उतना ही यथार्थ है कि जब स्त्री पर अपेक्षाओं का भार आवश्यकता से अधिक लाद दिया जाता है, तब यही शक्ति धीरे-धीरे दबाव में बदलने लगती है। समाज उससे हर भूमिका निभाने की आशा करता है, पर उसे चयन की स्वतंत्रता बहुत कम देता है। यदि कोई स्त्री जिम्मेदारी से दूरी बनाना चाहे तो उसे लापरवाह ठहरा दिया जाता है और यदि वह जिम्मेदारी उठा ले तो उसे स्वाभाविक मान लिया जाता है। यही दोहरा मानदंड घर के भीतर तनाव की जड़ बनता है, जो समय के साथ रिश्तों को भीतर ही भीतर खोखला करने लगता है।

घर को गढ़ना या बिगाड़ना स्त्री के हाथ में है- इस कथन का आशय तभी स्पष्ट होता है, जब 'बिगाड़ने' के अर्थ को सही संदर्भ में समझा जाए। बिगाड़ना हमेशा टकराव, कटुता या हिंसा का रूप नहीं लेता। कई बार यह भावनात्मक दूरी, उपेक्षा या संवाद के अभाव के रूप में सामने आता है। जब स्त्री भीतर से थक जाती है, सुनी नहीं जाती या उसकी भूमिका को हल्का समझ लिया जाता है, तब वह अनजाने ही घर से अपना जुड़ाव ढीला करने लगती है। यह कमी दिखाई नहीं देती, पर धीरे-धीरे घर की आत्मा को रिक्त करती चली जाती है।

इसके विपरीत, जब वही स्त्री सम्मान, सहभागिता और भरोसे का अनुभव करती है, तो उसका प्रभाव सहज ही चमत्कारी हो उठता है। तब वह घर को केवल सुव्यवस्थित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील और जीवंत बना देती है। वह बच्चों को संवाद की भाषा सिखाती है, बड़ों के भीतर धैर्य का विस्तार करती है और रिश्तों में संतुलन का सूत्र पिरोती है। ऐसी स्त्री आदेश नहीं देती, दिशा सुझाती है। नियंत्रण नहीं करती, समन्वय रचती है। उसका असर शोर में नहीं, स्थायित्व में दिखाई देता है- शांत, पर दूर तक फैलता हुआ। यही वह अदृश्य शक्ति है जो घर को केवल टिकाऊ नहीं, अर्थपूर्ण भी बनाती है।

यह समझना आवश्यक है कि हर स्त्री एक-सी नहीं होती। कोई नेतृत्व करना चाहती है, कोई सहयोग में सहज होती है और कोई केवल शांति के साथ अपना जीवन जीना चाहती है। कठिनाई तब उत्पन्न होती है, जब समाज सभी से एक ही भूमिका निभाने की अपेक्षा करता है। घर तभी संतुलित रह पाता है जब स्त्री को अपनी भूमिका स्वयं चुनने की स्वतंत्रता मिले, जब उसकी इच्छा, उसकी सीमा और उसकी क्षमता का आदर किया जाए, क्योंकि थोपी गई जिम्मेदारियां सृजन नहीं करतीं, वे केवल थकान, असंतोष और भीतर की रिक्तता को जन्म देती हैं।

यह स्वीकार करना होगा कि घर का बनना या बिगड़ना किसी एक व्यक्ति की मंशा का परिणाम नहीं, बल्कि स्त्री की भावनात्मक अवस्था से गहराई से जुड़ा होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में न होकर भी प्रभाव के केंद्र में होती है। उसकी चुप्पी, उसकी सहमति और उसकी असहमति-सब मिलकर घर की दिशा तय करती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

वर्ड स्मिथ

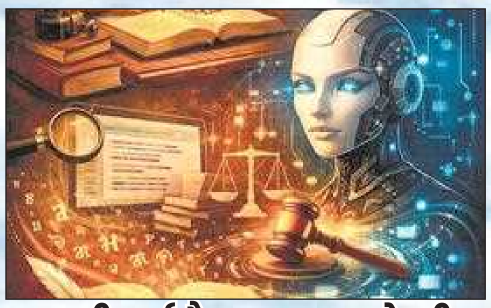

कहानी हाईजैक शब्द बनने की

हाईजैक शब्द की उत्पत्ति काफी दिलचस्प है और इसका रिश्ता सीधे अमेरिकी इतिहास से जुड़ता है। यह शब्द दो हिस्सों से मिलकर बना माना जाता है– 'Hi' और 'Jack'।

1920 के आसपास अमेरिका में प्रोहिबिशन एरा (शराबबंदी का दौर) चल रहा था। उस समय अवैध शराब की तस्करी आम थी। शराब लूटने वाले गिरोह ट्रकों या नावों को रोकते समय ड्राइवर को धमकाते हुए कहते थे– 'Hi, Jack!' यानी, 'रुको जैक!' या 'हाथ ऊपर करो!'

धीरे–धीरे यह बोलचाल का वाक्य एक क्रिया (verb) में बदल गया और इसका मतलब हो गया– जबरदस्ती किसी वाहन या सामान पर कब्जा करना।

अर्थ का विस्तार : शुरुआत में 'हाईजैक' का इस्तेमाल सिर्फ शराब या माल लूटने के लिए होता था, लेकिन समय के साथ इसका दायरा बढ़ता गया– ट्रक हाईजैक, गाड़ी हाईजैक, विमान हाईजैक (1950–60 के दशक में यह अर्थ बहुत प्रचलित हुआ) और जहाज हाईजैक।

आज 'हाईजैक' का मतलब – धमकी, बल या डर के जरिए किसी वाहन, वस्तु पर नियंत्रण या कब्जा करना है।

दिलचस्प तथ्य : 'Jack' उस दौर में आम आदमी या ड्राइवर के लिए इस्तेमाल होने वाला नाम था, जैसे हिंदी में 'बब्लू'।

हाईजैक शब्द अपराध की दुनिया से निकला, लेकिन आज यह वैश्विक भाषा का हिस्सा बन चुका है।

नोटिस बोर्ड

- संतकबीरनगर जिले के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चकदही में 05 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 10 :00 बजे से अपराह्न 03 .00 बजे तक एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन होगा। इसके तहत उप्र परिवहन निगम के बस्ती डिपो के लिए संविदा चालकों की भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले की जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए सेवायोजन विभाग के वेब पोर्टल rojgaarsangam .up .gov .in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र, दो फोटो एवं बायोडाटा के साथ मेले में सम्मिलित हो सकते हैं।

- लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। एमए और एमएसी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा नौ जनवरी से शुरू हो जाएंगी। इसी के साथ ही बैक व इंप्रूवमेंट परीक्षा कार्यक्रम भी जारी हुआ है। परीक्षाएं 22 जनवरी तक चलेंगी। विद्यार्थी परीक्षा कार्यक्रम विवि की वेबसाइट www . lkouniv .ac .in पर जाकर देख सकते हैं।

करियर डिसीजन में क्यों झिझकते हैं स्टूडेंट्स

सूचनाओं, अवसरों और विकल्पों की बढ़ोतरी ने बाहरी जीवन को तेज बनाया है, लेकिन निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर। प्रगति की यह निरंतर दौड़ मन को उस मोड़ पर ले आई है, जहां कदम आगे बढ़ते हैं, पर भीतर दिशा स्पष्ट नहीं होती। तकनीक ने दुनिया बदल दी है। आज जानकारी की इतनी अधिकता है कि किसी को कुछ जानने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ती। फोन उठाइए और दुनिया सामने है, लोग कहां घूम रहे हैं, कौन कितना कमा रहा है, किसकी जिंदगी कितनी शानदार दिख रही है। पर एक विरोधाभास भी जीवन के बीच खड़ा है। जैसे-जैसे दुनिया बाहरी रूप से आसान हुई है, भीतर मन उतना ही जटिल हो गया है। जितनी सुविधा मिली है, उतनी ही बेचैनी बढ़ी है, जितने विकल्प बढ़े हैं, उतनी ही दृढ़ता कम हुई है। कई बार ऐसा लगता है कि हम जितने सक्षम हुए हैं, उतने ही अनिश्चित भी। इस अनिश्चितता के पीछे पांच ऐसे मनोवैज्ञानिक भाव अथवा रूप हैं, जो आज के समय की नब्ज को समझने की कुंजी हो सकते हैं- FOMO, FOFO, FOBO, FOPO और FOMU। ये नाम भले अंग्रेज़ी में हों, लेकिन इनमें जो भाव छिपे हैं, वे किसी भाषा, क्षेत्र या समाज की सीमा में नहीं रहते। स्टूडेंट्स पर करियर को लेकर इनका असर दिखाई देता है। फर्क बस इतना है कि इनके नाम बहुत कम लोग जानते हैं, पर इनके प्रभाव से लगभग हर कोई गुजर रहा है।

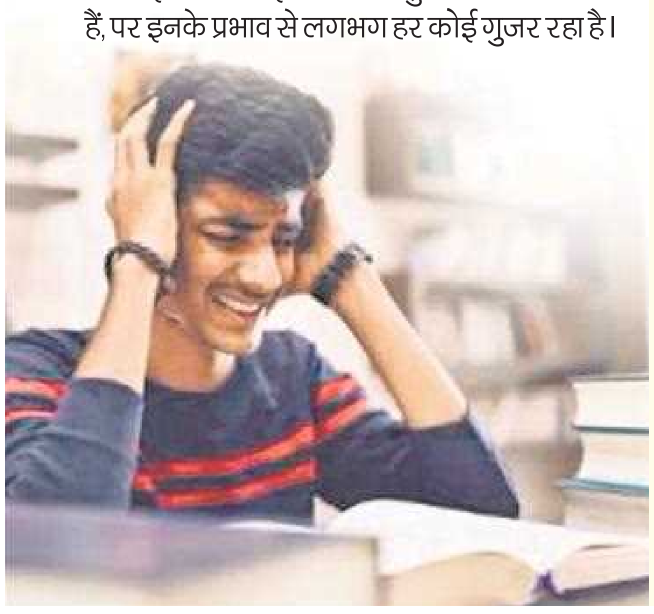

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

क्या हैं ये फियर

पहले आता है FOMO (फियर ऑफ मिसिंग आउट) कुछ छूट जाने का डर। सोशल मीडिया के विस्तार के साथ ही लोगों की जिंदगी दूसरों की नजरों के सामने खुलने लगी। हर उपलब्धि, हर अवसर, हर खुशी और हर सफलता अब सार्वजनिक हो गई। तुलना वहीं से शुरू हुई, जो दूसरे कर रहे हैं, उसे देखकर लगता है कि हम कुछ कम कर रहे हैं। हर पार्टी, हर यात्रा, हर प्रमोशन, हर समारोह, हर तस्वीर मानो एक संदेश देती है–"देखो, तुम पीछे रह रहे हो।" यही डर व्यक्ति को लगातार दौड़ में धकेलता है। वह उन कामों की तलाश में रहने लगता है, जो उसे "पीछे छूटने" की भावना से बचा लें। किंतु विरोधाभास यह है कि जितना इंसान दौड़ता है, उतना ही उसे लगता है कि अभी भी बहुत कुछ छूट रहा है। यह डर प्रेरणा से ज्यादा दबाव पैदा करता है, उपलब्धि से ज्यादा अधूरापन बढ़ाता है।

FOFO (फियर ऑफ फाइन्डिंग आउट)

यहीं एक और भाव जन्म लेता है– FOFO (फियर ऑफ फाइन्डिंग आउट), यानी सच जानने का डर। जब स्टूडेंट्स दौड़ में लगा रहता है और फिर भी खुद को पीछे महसूस करता है, तो सच्चाई डरावनी लगने लगती है। कोई रिपोर्ट हो, नतीजा हो, फीडबैक हो, मेडिकल जांच हो, करियर या रिश्तों पर बातचीत हो या आर्थिक स्थिति की हकीकत बहुत से लोग इन्हें केवल इसलिए टालना चाहते हैं या टालते हैं कि सच सामने आ गया, तो मन को स्वीकार करना पड़ेगा कि सब उतना सुंदर नहीं जितना मान रखा है या दिखता है। ऐसे में मन यह मानने लगता है कि "न जानना" अस्थायी राहत देता है। अनिश्चितता सुरक्षित लगती है, लेकिन यही बचाव आगे और कठिनाइयां पैदा करता है, क्योंकि सच्चाई जितनी देर बाद सामने आती है, उतनी भारी हो जाती है।

FOBO (फियर ऑफ अ बेटर ऑप्शन)

इसी तरह आगे बढ़कर मन FOBO (फियर ऑफ अ बेटर ऑप्शन) में प्रवेश करता है यानी बेहतर विकल्प छूट जाने का डर। आधुनिक जीवन में चुनाव आसान नहीं रहे। नौकरी हो या शहर, शादी हो या करियर, व्यवसाय हो या मकान हर जगह इतने विकल्प हैं कि किसी एक विकल्प को अपनाने का मतलब है बाकी सब छोड़ देना। तब मन बार–बार पूछता है– "जो चुना, इससे बेहतर भी कुछ हुआ तो?" और इस सवाल के चलते फैसला लेना मुश्किल होता जाता है। बहुत से लोग सपनों के रास्ते पर इसलिए नहीं निकल पाते, क्योंकि वे गलत राह चुनने से अधिक डरते हैं। वे दिशा तय करने में इतना समय लगा देते हैं कि सफर शुरू ही देर से होता है। यही वजह है कि फैसलों की संख्या से ज्यादा दुविधाओं की मात्रा बढ़ती है।

FOPO (फियर ऑफ अदर पीपल्स ओपिनियन)

जब फैसले देर से होने लगते हैं और आत्मविश्वास हिलने लगता है, तो अगला भाव FOPO(फियर ऑफ अदर पीपल्स ओपिनियन) जन्म लेता है– लोगों की राय का डर। अपनी पसंद पर भरोसा कम होने के बाद व्यक्ति दूसरों की प्रतिक्रिया को मार्गदर्शक बना लेता है। फिर चुनाव अंदर की जरूरतों से नहीं, बाहर की नजरों से होते हैं। कौन–सी जीवनशैली "स्वीकार्य" होगी, कौन–सी नौकरी "सम्मानजनक दिखेगी" इस तरह के तमाम सवाल अंदर की आवाज को दबाते जाते हैं। जीवन धीरे–धीरे निजी नहीं, भीड़ के मानदंडों से संचालित होने लगता है। व्यक्ति वही बनने की कोशिश करता है, जो दूसरों को पसंद आए, भले वह स्वयं उस भूमिका में सहज न हो। वह "दिखने वाले" सम्मान के बदले "महसूस होने वाली" शांति खोने लगता है और अंत में इस पूरी यात्रा की परिणति होती है।

FOMU (फियर ऑफ मेसिंग अप)

- फियर ऑफ मेसिंग अप अर्थात गलती कर देने का डर। यह शब्द भले ही बहु–प्रचलित न हो, लेकिन इसका अनुभव लगभग हर पीढ़ी महसूस कर रही है। ऐसे में कई बार व्यक्ति पहला कदम इसलिए नहीं उठाता, क्योंकि उसे लगता है, अगर गलती हो गई, तो दुनिया देख लेगी। असफलता की चिंता से ज्यादा अपमान की कल्पना भयावह हो जाती है। सपने और योजनाएं आदर्श रूप में तो टिकी रहती हैं, पर वास्तविक शुरुआत रुक जाती है। यही वह दुखद क्षण है, जहां जिंदगी निर्णय से नहीं, डर से चलने लगती है। यह डर अक्सर बाहरी परिस्थितियों से नहीं, भीतर से पैदा होता है।
- इन पांचों भावों को अलग–अलग नाम देना आसान है, पर इन्हें अलग–अलग होकर समझना गलत है। ये एक–दूसरे से पैदा होते हैं, एक–दूसरे को बढ़ाते हैं और एक–दूसरे के बिना पूरी तरह समझ नहीं आते। कुछ छूट जाने का डर स्टूडेंट्स को दौड़ में धकेलता है, दौड़ की थकान उसे सच से बचने पर मजबूर करती है, सच से बचाव निर्णय को टाल देता है, निर्णय में देरी दूसरों की राय पर निर्भरता पैदा करती है और यही निर्भरता गलती को असहनीय बना देती है। यह कोई वैज्ञानिक रूप से तय "अनिवार्य क्रम" नहीं, लेकिन आधुनिक मन की चालकों समझने का एक बेहद उपयोगी मनोवैज्ञानिक चक्र जरूर है– एक ऐसा पैटर्न, जिसमें जीवन ऊपर से सक्रिय दिखता है, पर भीतर से स्थिर बना रहता है। लगता है कि हम बहुत कुछ कर रहे हैं, पर महसूस होता है कि कुछ भी पूरा नहीं हो पा रहा।
- इन मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का उद्देश्य किसी व्यक्ति को दोष देना नहीं है और न ही यह मान लेना कि इंसान कमजोर हो गया है। यह समय ही ऐसा है, जिसमें मन पर दबाव पहले से कहीं अधिक है। जितना समाज सार्वजनिक हुआ है, उतनी ही निजी दुनिया उलझी है। उपलब्धियों की प्रतिस्पर्धा में भावनाएं पीछे छूट गई हैं। हम सब किसी–न–किसी रूप में इस संघर्ष में हैं कुछ खुलकर, कुछ चुप रहकर, कुछ जानकर और कुछ जाने बिना।
- हो सकता है आगे भी जीवन जटिल बना रहे, अवसर बढ़ते रहें, विकल्प उलझाते रहें, लेकिन इतना समझ होगा कि डर होना कमजोरी नहीं, संवेदनशीलता है। संघर्ष होना असामान्य नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन का हिस्सा है। हम सब अपनी–अपनी जगह पर कोशिश कर रहे हैं– कभी तेज, कभी धीमे या कभी डरे हुए।
- जीवन में ज्यादातर बदलाव किसी "बड़े कदम" से नहीं आते। कई बार बदलाव तब शुरू होता है, जब हम बस इतना स्वीकार कर लेते हैं कि हां, हम डरे हुए हैं, पर कोशिश छोड़ने वाले नहीं हैं। हो सकता है आगे भी निर्णय आसान न हों, संतुलन, स्पष्टता और आत्मविश्वास एक दिन में न आएं, लेकिन इतना तो तय है कि जिंदगी अक्सर वहीं खुलती है, जहां मन सबसे ज्यादा अटका होता है।
- डर पूरी तरह चला जाए, तब चलना शुरू हो, यह जिंदगी का नियम नहीं है। असली बात यह है कि डर रहते हुए भी चलना शुरू हो, क्योंकि साहस का अर्थ डर के अभाव में बहादुरी दिखाना नहीं, बल्कि डर के साथ कदम बढ़ाना है। वही पहला कदम, चाहे कितना ही छोटा क्यों न हो, आगे की असली दिशा बनाता है।

कैंपस में पहला दिन — प्रथम श्रेणी प्राप्त करने का रहा दबाव

डॉ. नवीन चंद्र लोहनी
कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

मेरे लिए कॉलेज का पहला दिन उम्मीदों से भरा रहा। मेरी स्नातक (बी.ए.) की पढ़ाई राजकीय महाविद्यालय बागेश्वर से हुई। यह सरयू नदी के किनारे तीन भवनों के रूप में था, जिनमें से एक भवन टिन शेड के रूप में था और एक मुख्य भवन, जिसमें एक हॉल और प्राचार्य कक्ष और दूसरे भवन में एक लाइब्रेरी और कुछ कक्षाएं होती थीं।

पहले दिन जब मैं महाविद्यालय पहुंचा तो मेरी मुलाकात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रामकुमार से हुई। मैंने उनसे प्रवेश के साथ-साथ अपने परीक्षा परिणाम के बारे में भी बताया तो उन्होंने बड़े खुश होकर मुझे प्रवेश के बारे में जानकारी दी। मैं अपने सत्र में राजकीय इंटर कॉलेज बागेश्वर का कला विषयों से अकेला प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थी था, इसलिए उन्होंने प्रवेश प्रभारी से कहा कि देखो, महाविद्यालय में एक प्रथम विद्यार्थी आ रहा है। इसके अलावा उन्होंने मुझे स्कॉलरशिप तथा अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। महाविद्यालय के पहले दिन ही एक सुसज्जित पुस्तकालय देखा, जिसमें हमारे विषय की पुस्तक कम थी, लेकिन पुस्तकों के प्रति मेरे प्रेम के कारण मुझे अनेक पुस्तकों से जुड़ने का अवसर मिला। हिंदी, संस्कृत, राजनीति विज्ञान और अंग्रेजी की कक्षाओं में मुझे उपस्थित रहकर बहुत आनंद आया। महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने के बाद अपने पुराने इंटरमीडिएट के समय के अनेक साथी कक्षा में दिखाई दिए, उनमें एक स्पर्धा भाव भी देखा, स्नातक कक्षा के दौरान निरंतर यह दबाव भी बना रहा कि महाविद्यालय में भी प्रथम श्रेणी प्राप्त करनी है। बाद में अपने शैक्षिक जीवन में आने के बाद पता चला कि विश्वविद्यालय शिक्षा में किस प्रकार चैलेंज आते हैं।

करेंट अफेयर्स

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप–कप्तान स्मृति मंधाना एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो गईं हैं, वह मिताली राज के बाद 10,000 अंतर्राष्ट्रीय रन पूरे करने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला और सबसे तेज खिलाड़ी बन गईं। स्मृति ने तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी–20 अंतर्राष्ट्रीय में यह उपलब्धि हासिल की।
- पर्यावरण मंत्रालय के तहत एक पैनल ने जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर 260 मेगावाट की दुलहस्ती स्टेज– II पनबिजली परियोजना (Dulhasti Stage–II hydropower project) को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी इस साल अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने की पृष्ठभूमि में आई है, जिससे 3,200 करोड़ से अधिक की अनुमानित लागत वाली इस रन–ऑफ–द–रिवर परियोजना के लिए निर्माण निविदाएं जारी करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।
- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने आज बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) हेलीकॉप्टर डिवीजन में ध्रुव एनजी सिविल वेरिएंट (Dhruv NG civil variant) हेलीकॉप्टर की पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाई। इस हेलीकॉप्टर को इसके स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से नागरिक प्रमाणन प्राप्त हुआ है।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज में पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया है। रॉकेट का परीक्षण उसकी अधिकतम 120 किमी की सीमा के लिए किया गया। इस रॉकेट को आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट द्वारा हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी के सहयोग से, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी और रिसर्च सेंटर इमारत के समर्थन से डिजाइन किया गया है।

जॉब अलर्ट

LDCC बैंक

- पद का नाम –क्लर्क, सबग्रेड (मल्टीपर्पस सपोर्ट स्टाफ), ड्राइवर
- पदों की संख्या– 375
- योग्यता–10 वीं पास से ग्रेजुएट (पदानुसार)
- आयु सीमा–19 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि– 21 जनवरी 2026
- वेबसाइट–https ://laturdccb .com

नाबार्ड यंग प्रोफेशनल भर्ती

- कंपनी का नाम– नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड)
- पद का नाम– यंग प्रोफेशनल (14 विषय)
- पदों की संख्या–44
- वेतन–70,000/– प्रति माह (सभी भत्ते सहित)
- योग्यता– विषय की आवश्यकता के अनुसार बैचलर/मास्टर डिग्री
- आयु सीमा–21 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि– 12 जनवरी 2026
- वेबसाइट–www .nabard .org

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, रेल मंत्रालय

- पद का नाम– चीफ लॉ असिस्टेंट, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर, जूनियर ट्रांसलेटर (हिंदी), सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर, स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर, साइंटिफिक असिस्टेंट (ट्रेनिंग), लैब असिस्टेंट ग्रेड III, साइंटिफिक सुपरवाइजर
- पदों की संख्या–312
- सैलरी–19,900 से 44,900 प्रति माह
- योग्यता–12 वीं से मास्टर डिग्री (पद के अनुसार अलग–अलग)
- आयु सीमा– 18 से 30–40 वर्ष (पदानुसार)
- आवेदन की अंतिम तिथि– 29 जनवरी 2026

नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लि.

- पद का नाम– ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (GET)
- पदों की संख्या–110
- वेतन–40,000 – 1,40,000 प्रति माह
- योग्यता–इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री
- आयु सीमा–अधिकतम 30 वर्ष, 22 जनवरी 2026 तक
- आवेदन की अंतिम तिथि–22 जनवरी 2026
- वेबसाइट–www .nalcoindia .com

बदलती इकोनॉमी में कॉमर्स स्ट्रीम के लिए बेस्ट करियर ऑप्शन

आज के समय में कॉमर्स स्ट्रीम करियर की दृष्टि से एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई है। अकाउंटिंग, फाइनेंस, बैंकिंग और बिजनेस से जुड़े अनेक ऐसे क्षेत्र हैं, जहां न सिर्फ अच्छी सैलरी, बल्कि स्थायी करियर की संभावनाएं भी मौजूद हैं। सही कोर्स, उपयुक्त स्किल्स और व्यावहारिक अनुभव के साथ कॉमर्स स्टूडेंट्स आकर्षक पैकेज हासिल कर सकते हैं। बदलती आर्थिक परिस्थितियां और कॉर्पोरेट सेक्टर की बढ़ती जरूरतें कॉमर्स ग्रेजुएट्स के लिए नए अवसर खोल रही हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए कौन–कौन से हाई–पेड करियर ऑप्शन उपलब्ध हैं। *– फीचर डेस्क*

चार्टर्ड अकाउंटेंट

कॉमर्स स्ट्रीम का सबसे प्रतिष्ठित और हाई–पेड प्रोफेशन माने जाने वाला चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) आज भी करियर की पहली पसंद बना हुआ है। एक सीए कंपनी के ऑडिटिंग, टैक्सेशन और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग जैसे अहम कामों की जिम्मेदारी संभालता है। यह कोर्स इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) द्वारा संचालित किया जाता है। करियर की शुरुआत में एक फ्रेशर सीए की सालाना सैलरी करीब 6 से 10 लाख रुपये होती है, जो अनुभव के साथ 15 से 30 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक पहुंच सकती है। सीए करके प्रोफेशनल्स कॉर्पोरेट कंपनियों, मल्टीनेशनल फर्म्स और सरकारी संस्थानों में उच्च पदों पर कार्य करने के मौके मिलते हैं।

कंपनी सेक्रेटरी (सीएस)

कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कंपनी लॉ में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए कंपनी सेक्रेटरी एक बेहतरीन और तेजी से उभरता हुआ करियर विकल्प है। बदलते कॉर्पोरेट नियमों और कानूनी ढांचे के चलते सीएस प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है। यह कोर्स इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (ICSI) द्वारा संचालित किया जाता है। सीएस प्रोफेशनल्स बैंकिंग सेक्टर, कॉर्पोरेट हाउस और लीगल फर्म्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस फील्ड में शुरुआती सैलरी लगभग 5 से 7 लाख रुपये प्रतिवर्ष होती है।

इंवेस्टमेंट बैंकर

इंवेस्टमेंट बैंकिंग को फाइनेंस की दुनिया का सबसे ग्लैमरस और हाई–रिस्क व हाई–रिवॉर्ड करियर माना जाता है। इंवेस्टमेंट बैंकर कंपनियों को पूंजी जुटाने (Capital Raising), मर्जर–एक्विजिशन और फाइनेंशियल स्ट्रैटजी से जुड़ी सलाह देते हैं। यह प्रोफेशन चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन कमाई के लिहाज से बेहद आकर्षक है। अनुभव, कंपनी, लोकेशन और पद (एनालिस्ट, एसोसिएट, VP, MD) के अनुसार सैलरी में बड़ा अंतर होता है। एक एनालिस्ट की शुरुआती सैलरी करीब 6 से 15 लाख रुपये प्रतिवर्ष हो सकती है।

चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए)

अगर इंटरनेशनल लेवल पर करियर बनाने की बात हो, तो सीएफए कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए टॉप करियर ऑप्शंस में शामिल है। यह एक ग्लोबली रिकग्नाइज्ड प्रोफेशनल कोर्स है, जो इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट पर फोकस करता है। सीएफए होल्डर्स पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, इक्विटी रिसर्च और वेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। अनुभव और प्रोफाइल के आधार पर सीएफए प्रोफेशनल्स की सैलरी लगभग 10 से 35 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकती है।

MBA (फाइनेंस, मार्केटिंग, HR)

MBA आज भी कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए सबसे पॉपुलर और वर्सेटाइल करियर ऑप्शन बना हुआ है। फाइनेंस, मार्केटिंग और HR जैसे स्पेशलाइजेशन सबसे ज्यादा डिमांड में हैं। इस कोर्स के जरिए स्टूडेंट्स में मैनेजमेंट, लीडरशिप और स्ट्रैटजिक थिंकिंग स्किल्स विकसित होती हैं। MBA के बाद मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने के बेहतरीन अवसर मिलते हैं। कॉलेज और स्पेशलाइजेशन के अनुसार सैलरी पैकेज 6 से 30 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,220.60	26,129.60
बढ़त	545.52	190.75
प्रतिशत में	0.64	0.74

सोना 1,37,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,39,000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, गुरुवार, 1 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

तीन साल के लिए लगा रक्षोपाय शुल्क

नई दिल्ली। भारत ने घरेलू इस्पात उद्योग को सस्ते विदेशी आयात से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए कुछ चुनिंदा इस्पात उत्पादों पर तीन साल के लिए रक्षोपाय शुल्क लगा दिया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पहले वर्ष में 12% शुल्क लगाया जाएगा, जो 21 अप्रैल 2025 से 20 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगा। दूसरे वर्ष में यह शुल्क घटाकर 11.5% होगा, जो 21 अप्रैल 2026 से 20 अप्रैल 2027 तक वहीं, तीसरे वर्ष में यह घटकर 11% होगा, जो 21 अप्रैल 2027 से 20 अप्रैल 2028 तक प्रभावी रहेगा। यह शुल्क व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिश के बाद लगाया गया है। इससे पहले, इसी वर्ष अप्रैल में सरकार ने इन इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12% की अस्थायी रक्षोपाय शुल्क लगाया था।

हुंदै इंडिया 1 जनवरी से बढ़ाएगी वाहनों के दाम

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड 1 जनवरी से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 0.6% की बढ़ोतरी करेगी। कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि से कंपनी वाहनों के दाम बढ़ा रही है। हुंदै मोटर इंडिया लि. (एचएमआईएल) ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि कीमती धातुओं और जिंस उत्पादों की कीमतें बढ़ने से कंपनी सभी मॉडलों के दाम में 0.6% की औसत वृद्धि करेगी। कंपनी ने कहा कि उत्पादन लागत को अनुकूल करने और ग्राहकों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए कंपनी प्रयासरत है, लेकिन इस वृद्धि से बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा बाजार पर डालने को कंपनी बाध्य हैं। वर्तमान में, कंपनी हैचबैक आई10 निओस से लेकर इलेक्ट्रिक एसयूवी आयोनिक5 तक कई वाहनों की बिक्री करती है।

प्रीमियर को 2,300 करोड़ का मिला ऑर्डर

नई दिल्ली। एकीकृत सौर उपकरण विनिर्माता प्रीमियर एनर्जी को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 2,300 करोड़ रुपये से ज्यादा के सेल और मॉड्यूल आपूर्ति के ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि ये ऑर्डर प्रमुख घरेलू ग्राहकों द्वारा दिए गए हैं। उसने 2025-26 की तीसरी तिमाही में 2,307.30 करोड़ के नए ऑर्डर हासिल किए हैं। इन ऑर्डर को 2026-27 और 2027-28 में पूरा किया जाना है।

अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि

आरबीआई की वित्तीय स्थिरता की रिपोर्ट के ताजा संस्करण की भूमिका पर बोले गवर्नर मल्होत्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि अस्थिर एवं प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत घरेलू खपत और निवेश के दम पर उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के ताजा संस्करण की भूमिका में मल्होत्रा ने लिखा है कि वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करना हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि वित्तीय क्षेत्र के नियामक यह मानते हैं कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में एक लक्ष्य नहीं है। नवाचार एवं वृद्धि को बढ़ावा देना, उपभोक्ताओं की रक्षा करना, विनियमन व पर्यवेक्षण के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जो वित्तीय प्रणाली की दक्षता में सुधार करता है, समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। गवर्नर ने कहा कि नीति निर्माताओं का सबसे महत्वपूर्ण योगदान एक ऐसी वित्तीय प्रणाली को बढ़ावा देना है जो मजबूत और झटकों के प्रति मजबूत हो, वित्तीय सेवाएं प्रदान करने में कुशल हो तथा जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा दे। मल्होत्रा ने कहा कि मजबूत वृद्धि, कम मुद्रास्फीति, वित्तीय व गैर-वित्तीय कंपनियों का बेहतर बही-खाता, पर्याप्त भंडार और सूझ-बूझ वाले नीति सुधारों से भारतीय अर्थव्यवस्था तथा वित्तीय प्रणाली मजबूत बनी हुई है।

● कहा- वित्तीय क्षेत्र के नियामक मानते हैं कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में लक्ष्य नहीं

उन्होंने कहा कि अस्थिर और प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद, मजबूत घरेलू खपत एवं निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था के उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। फिर भी, हम बाह्य प्रभावों से उत्पन्न होने वाली अल्पकालिक चुनौतियों को पहचानते हैं और अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के लिए निरंतर मजबूत उपाय कर रहे हैं।

चुनौतियों के बावजूद मजबूत वृद्धि की संभावना

मुंबई। वैश्विक आर्थिक माहौल चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि बनाए रखने की संभावना है और इसे मजबूत घरेलू मांग, नियंत्रित मुद्रास्फीति एवं संतुलित व्यापक आर्थिक नीतियों से समर्थन मिल रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को जारी अपनी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत है। बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी और नकदी भंडार है, उनकी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है और लाभ भी मजबूत बना हुआ है। घरेलू वित्तीय प्रणाली मजबूत है जिसे सुदृढ़ बहीखाते, अनुकूल वित्तीय हालात और वित्तीय बाजारों में कम उतार-चढ़ाव से समर्थन मिला है। हालांकि, निकट अवधि में भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार अनिश्चितता से जोखिम बने हुए हैं। केंद्रीय बैंक के व्यापक दबाव परीक्षण के परिणाम इसकी पुष्टि करते हैं कि बैंक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संभावित नुकसान सहन करने में सक्षम हैं और उनकी पूंजी नियामकीय न्यूनतम स्तर से काफी ऊपर बनी रहेगी।

समाशोधन निगमों की स्थिति मजबूत

रिपोर्ट में म्यूचुअल फंड कंपनियों और समाशोधन निगमों की स्थिति को भी मजबूत बताया गया है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) पर्याप्त पूंजी, स्थिर आय और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता के कारण मजबूत बनी हुई हैं। आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक, बीमा क्षेत्र में भी बहीखाते की स्थिति मजबूत है और एकीकृत सॉल्वेंसी अनुपात भी तय न्यूनतम सीमा से ऊपर है। सॉल्वेंसी अनुपात बीमा क्षेत्र में किसी कंपनी की दीर्घकालिक देनदारियों को पूरा करने और पॉलिसीधारकों के दावों का भुगतान करने की क्षमता को मापता है। यह रिपोर्ट वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के उस सामूहिक आकलन को दर्शाती है, जिसमें भारतीय वित्तीय प्रणाली की मजबूती और वित्तीय स्थिरता से जुड़े जोखिमों का मूल्यांकन किया गया है।

टीवी, रेफ्रिजरेटर, एलपीजी चूल्हा, कूलिंग टॉवर पर स्टार रेटिंग अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने 1 जनवरी से रेफ्रिजरेटर, टीवी, एलपीजी गैस चूल्हा एवं कूलिंग टॉवर जैसे कई उपकरणों पर ऊर्जा दक्षता वाली स्टार रेटिंग को अनिवार्य कर दिया है। बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की गजट अधिसूचना के मुताबिक, इस नए नियम का विस्तार डीप फ्रीजर, वितरण ट्रांसफॉर्मर और ग्रिड से जुड़े सोलर इनवर्टर पर भी होगा।

उल्लेखनीय है कि बीईई का स्टार रेटिंग ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इसके तहत उपकरणों पर एक से पांच स्टार की रेटिंग दी जाती है जो बताता है कि संबंधित उपकरण कितनी बिजली खपत करेगा। पहले फ्रॉस्ट-फ्री एवं डायरेक्ट कूल रेफ्रजरेटर, डीप

● बिजली मंत्रालय के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की अधिसूचना के अनुसार नियम आज से लागू

रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर (कैसेट, फ्लोर स्टैंडिंग टावर, सीलिंग, कॉर्नर एसी), रंगीन टीवी और अल्ट्रा एचडी टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर स्टार रेटिंग को दर्शाना स्वैच्छिक था। एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि स्टार-रेटिंग वाले उपकरणों की सूची समय-समय पर अद्यतन की जाती है। इन उपकरणों के लिए मसौदा नियम जनता से सुझाव लेने के लिए जारी किए गए थे।

डीआईआई के साथ से सेंसेक्स-निफ्टी में बढ़त

मुंबई, एजेंसी

● पांच कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद बाजार ने की वापसी

साल के आखिरी सत्र में बुधवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का साथ मिलने से सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक प्रतिशत तक चढ़ गए। लगातार कारोबारी सत्रों में गिरावट के बाद दोनों सूचकांक ने बढ़त दर्ज की है।

बीएसई का सेंसेक्स 545.52 अंक उछलकर 85,220.60 अंक पर बंद हुआ। सत्र के दौरान 762.09 अंक बढ़ा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी चार दिनों की गिरावट से उबरकर 190.75 अंक चढ़कर 26,129.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, टाइटन और ट्रेंट के शेयर बढ़त में रहे। टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और सन फार्मा के शेयरों में बिकवाली देखी गई। इस साल सेंसेक्स 7,081.59 अंक यानी 9% चढ़ा, जबकि निफ्टी में 2,484.8 अंक यानी 10.50% की तेजी रही। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में कारोबार के दौरान हल्की गिरावट देखी गई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। मंगलवार को विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने 3,844.02 करोड़ के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6,159.81 करोड़ के शेयर खरीदे।

वीआईएल के एजीआर बकाया पर सरकार ने लगाई रोक

नई दिल्ली। सरकार ने वोडाफोन-आइडिया के लिए बड़े राहत पैकेज को बुधवार को मंजूरी दी। इसके तहत उसके बकाया भुगतान से पांच साल की मोहलत दी गई है। इससे कर्ज में फंसी दूरसंचार कंपनी को बड़ी राहत मिली है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के 87,695 करोड़ रुपये के समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर रोक लगाने पर सहमति जतायी है जिसे संकटग्रस्त कंपनी को वित्त वर्ष से 2031-32 से 2040-41 तक चुकाना होगा।

● वोडाफोन-आइडिया को बड़ी राहत देते हुए दी गई पांच साल की मोहलत

एजीआर बकाया से तात्पर्य समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के आधार पर दूरसंचार कंपनियों द्वारा सरकार को देय भुगतान से है। यह वह राजस्व है जिस पर दूरसंचार संचालकों को लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क का भुगतान करना होता है। इसमें सभी राजस्व शामिल हैं यहां तक कि गैर-दूरसंचार आय (जैसे ब्याज, किराया, परिसंपत्ति बिक्री) भी। इन बकाया राशियों के अलावा 2017-18 और 2018-19 से संबंधित एजीआर बकाया कंपनी द्वारा 2025-26 से 2030-31 के बीच बिना बदलाव के देय होगा।

ईयू का कार्बन कर आज से होगा लागू

भारतीय इस्पात, एल्युमीनियम निर्यातकों को नुकसान की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय संघ (ईयू) का कुछ धातुओं पर कार्बन कर (सीबीएएम) 1 जनवरी से लागू होने जा रहा है, जिससे भारत के इस्पात एवं एल्युमीनियम निर्यात को झटका लग सकता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यूरोपीय संघ के 27 देशों का समूह उन वस्तुओं पर यह कर लगा रहा है, जिनके निर्माण के दौरान कार्बन उत्सर्जन होता है। इस्पात क्षेत्र में ब्लास्ट फर्नेस–बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीएफ–बीओएफ) मार्ग में उत्सर्जन सबसे अधिक होता है जबकि गैस आधारित डीआरआई में यह कम तथा कबाड़ (स्क्रैप) आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) में सबसे कम होता है। इसी तरह एल्युमीनियम में बिजली का स्रोत एवं ऊर्जा की खपत अहम भूमिका निभाती है। कोयले से उत्पादित बिजली से कार्बन बोझ बढ़ता है, जिससे सीबीएएम लागत भी अधिक होती है।

छोटे निर्यातक ईयू बाजार से हो सकते हैं बाहर

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ईयू में प्रवेश करने वाली भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम की हर खेप पर कार्बन लागत जुड़ेगी क्योंकि सीबीएएम रिपोर्टिंग चरण से भुगतान चरण में प्रवेश करेगा। जटिल आंकड़ा और सत्यापन प्रक्रियाओं से अनुपालन लागत बढ़ेगी, जिससे कई छोटे निर्यातक ईयू बाजार से बाहर हो सकते हैं। उत्सर्जन का सही आकलन अब प्रतिस्पर्धा का आधार बन गया है। 2026 से उत्सर्जन आंकड़ों का स्वतंत्र सत्यापन अनिवार्य होगा और केवल ईयू-मान्यता प्राप्त या आईएसओ 14065 के अनुरूप सत्यापनकर्ताओं को ही स्वीकार किया जाएगा। आईएसओ 14065 पर्यावरणीय सूचना विवरणों के सत्यापन एवं प्रमाणीकरण करने वाले निकायों के लिए सिद्धांतों और आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करता है। कम उत्सर्जन वाले उत्पादकों के लिए हालांकि सीबीएएम प्रतिस्पर्धात्मक लाभ भी बन सकता है। जीटीआरआई के अनुसार, भारत का ईयू को इस्पात एवं एल्युमीनियम निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 7.71 अरब डॉलर से घटकर 2025 में 5.82 अरब डॉलर रह गया जो 24.4 प्रतिशत की गिरावट है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, कई भारतीय निर्यातकों को कीमतों में 15 से 22 प्रतिशत तक की कटौती करनी पड़ सकती है ताकि ईयू के आयातक उसी मुनाफे (मार्जिन) से सीबीएएम कर का भुगतान कर सकें। भारतीय निर्यातकों को सीधे तौर पर कर का भुगतान नहीं करना पड़ेगा क्योंकि यूरोपीय संघ स्थित आयातकों (जो अधिकृत सीबीएएम घोषणाकर्ता के रूप में पंजीकृत हैं) को आयातित वस्तुओं में निहित उत्सर्जन से संबंधित सीबीएएम प्रमाणपत्र खरीदने होंगे। इसका भार अंततः भारतीय निर्यातकों पर पड़ेगा।

राष्ट्रीय

बंगाल में घुसपैठ और भ्रष्टाचार का खतरा मौजूद

पूर्वी कोलकाता में कार्यकर्ताओं और नेताओं की बंद कमरे में केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने ली बैठक

● शाह ने तय किया एजेंडा, जिम्मेदारियां सौंपीं, आरएसएस से समन्वय और चुनावी मुद्दों को दिया अंतिम रूप

कोलकाता, एजेंसी

भाजपा के लिए 2026 के पश्चिम बंगाल चुनाव की भूमिका तय करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को घुसपैठ और भ्रष्टाचार के मुद्दों को राज्य की सत्ता से तृणमूल कांग्रेस को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए पार्टी का मुख्य चुनावी हथियार बताया। पूर्वी कोलकाता के 'साइंस सिटी ऑडिटोरियम' में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और नेताओं की बंद कमरे में हुई बैठक में शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के तहत घुसपैठ और भ्रष्टाचार ने संस्थागत रूप ले लिया है और यह महानगर इन बुराइयों के प्रभाव से ज्यादा समय तक अछूता नहीं रह पाएगा।

शाह भाजपा के कोलकाता महानगर क्षेत्र के बूथ स्तर और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। यह क्षेत्र शहर और आसपास की 28 विधानसभा सीटों को शामिल करता है। यह बैठक शाह के 48 घंटे के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान लगातार आयोजित बैठकों की श्रृंखला की अंतिम कड़ी थी। उन्होंने एजेंडा तय किए, नेताओं को जिम्मेदारियां सौंपीं, राज्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ समन्वय किया और आगामी महीनों में चुनावी मैदान में उतरने के लिए मुद्दों को अंतिम रूप दिया। बैठक में शामिल कार्यकर्ता के अनुसार शाह ने कहा कि दिल पे लिख लो, इस बार हमारी सरकार। शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि घुसपैठ का खतरा साफ और मौजूद है और अगर इससे लड़ने के लिए लोग नहीं जागे तो शहरवासी जल्द ही इससे गंभीर रूप से प्रभावित होंगे। उन्होंने सत्ता में आने के समय तृणमूल के मां-माटी-मानुष नारे का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने इन तीनों मूल्यों को अपने शासन में दूषित किया है। शाह ने कहा कि राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं, इसलिए 'मां' खतरे में है, बेहतर अवसरों के लिए लोग राज्य छोड़कर जा रहे हैं इसलिए मानुष के लिए जगह कम है और राज्य की माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है।

कोलकाता में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल अमित शाह।

विस चुनाव को लेकर की कार्य योजना पर चर्चा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा की राज्य इकाई की तैयारियों का जायजा लेने के तहत अमित शाह ने पार्टी के वर्तमान एवं पूर्व जन प्रतिनिधियों के समक्ष कार्य योजना प्रस्तुत की तथा पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष को मुख्य चुनावी चेहरों में से एक पेश किया। राज्य में भाजपा की गतिविधियों में अग्रणी भूमिका से पिछले कई महीनों से काफी हद तक दूर रहे घोष को भी बंद दरवाजे के भीतर हुई इस बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था। ऐसा बताया जा रहा है कि शाह ने एक अलग बैठक की जिसमें घोष के साथ-साथ राज्य इकाई के एक अन्य पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, मौजूदा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और राज्य में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे।

ममता बनर्जी पर शाह को धमकी देने का आरोप

भुवनेश्वर। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए उन पर राज्य के दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह तानाशाही कर रही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने बांकुड़ा जिले में जनसभा के दौरान कहा कि शाह कोलकाता के जिस होटल में ठहरे हुए हैं वहां से बाहर वह उनकी मर्जी से ही निकल पाए हैं। बनर्जी ने देश के गृह मंत्री को ऐसी भाषा में धमकी दी है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमने इसे देखा है।

चलती कार में महिला से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में 25 वर्षीय विवाहित महिला से चलती वैन में सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद में उसे सड़क पर फेंक दिया गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार देर रात तब घटी जब दोनों आरोपी परिवहन का इंतजार कर रही महिला को लिफ्ट की पेशकश की। दोनों उसे उसके गंतव्य के बजाय गुरुग्राम ले गए और कार में उससे दुष्कर्म किया। रात तीन बजे राजा चौक के पास तेज रफ्तार गाड़ी से महिला बाहर फेंक दिया। पुलिस के बताया कि महिला के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। उसकी हालत गंभीर है। पीड़िता की बहन ने मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के निवासी और फरीदाबाद में रह रहे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों ने जुर्म कबूल कर लिया है।

विकास के लिए बुनियादी ढांचे का किया जा रहा निर्माण : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

● बोले- प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना से देश के आर्थिक विकास को मिलेगी गति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक नया राजमार्ग बनाने और मौजूदा राजमार्ग को चौड़ा करने को मंजूरी देने के फैसले से आवागमन को बढ़ावा मिलेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा नासिक और सोलापुर के बीच छह-लेन वाले एक नए ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंजूरी देने और ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी देने के बाद, प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, विकास के लिए अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा रहा है। मोदी ने कहा कि मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र में छह लेन वाले नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के अनुरूप यह महत्वपूर्ण परियोजना यात्रा के समय को काफी कम करेगी, पश्चिम से पूर्व की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, आवागमन को बढ़ावा देगी और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करेगी, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी से राज्य की प्रगति को गति मिलेगी। मोदी ने कहा कि ओडिशा की प्रगति को गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण परियोजना ओडिशा के गजपति, रायगढ़ और कोरापुट जिलों में यात्रा को तेज और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे, पर्यटन और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही आदिवासी क्षेत्रों में समावेशी विकास में तेजी आएगी।

राजस्थान : कार से 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद

टोंक (राजस्थान), एजेंसी

● 200 कारतूस व सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडलों के साथ दो लोग गिरफ्तार

राजस्थान के टोंक जिले की पुलिस ने एक कार से 150 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, 200 कारतूस और सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडलों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार यह विस्फोटक सामग्री अरावली क्षेत्र में अवैध खनन स्थलों पर विस्फोट के लिए ले जाई जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि जब्त सामग्री के स्रोत, इसे कहां ले जाया जा रहा था, संभावित उपयोग और किसी आपराधिक नेटवर्क से संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। आरोपियों में बूंदी जिले के निवासी सुरेंद्र पटवा और सुरेंद्र मोची है। टोंक पुलिस उपाधीक्षक (नगर) मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि आरोपी विस्फोटक सामग्री को बूंदी से टोंक ले जा रहे थे। एनएच-52 पर गश्त के दौरान जब पुलिस ने उन्हें पकड़ा तो आरोपियों ने दावा किया कि वे बोरियों में कृषि उपयोग के लिए खाद ले जा रहे हैं। तलाशी पर बोरियों में अमोनियम नाइट्रेट मिला। इसके 200 कारतूस और 1,100 मीटर लंबाई के सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडल भी मिलें। विस्फोटक सामग्री ढोने के लिए इस्तेमाल की गई कार को भी पुलिस ने जब्त कर लिया गया है। मिश्रा ने बताया कि खुफिया सूचना के अनुसार नए साल की पूर्व संध्या पर बड़े पैमाने पर क्षेत्र में उत्सवों से पहले दहशत का माहौल बन गया। अमोनियम नाइट्रेट खुली खदानों और पत्थर की खानों में विस्फोट के लिए इस्तेमाल होने वाला प्रमुख घटक है।

कारोबारी की अवैध गिरफ्तारी पर सुनवाई से सुप्रीम इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी व्यवसायी की उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई से बुधवार को इन्कार कर दिया। शीर्ष अदालत ने मामले में हाईकोर्ट जाने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और प्रशांत मिश्रा की अवकाशकालीन पीठ ने याचिकाकर्ता उमंग रस्तोगी को राहत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख करने को कहा। पीठ ने संज्ञान लिया कि याचिकर्ता के पिता की गिरफ्तारी के संबंध में याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में है। न्यायालय ने कहा, आप पहले ही हाईकोर्ट जा चुके हैं। हाईकोर्ट को इस पर भी विचार करना चाहिए।

ठंड-कोहरे की मार झेल रहा उत्तर भारत, जनजीवन प्रभावित

● वाहनों के पहिए थमे, कई राज्यों में स्कूल बंद, पहाड़ों पर बर्फबारी जारी

नई दिल्ली, एजेसी

देश का उत्तरी हिस्सा कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की मार झेल रहा है। ठंड से कई राज्यों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं तो कई में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। वहीं घने कोहरे से वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आ रहे है, जिससे समूचे उत्तर भारत का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जहां कोहरे से बसें रेंग रही हैं, वहीं रेलगाड़ियां भी घंटों लेट चल रही हैं।

वहीं, दिल्ली बुधवार को घने कोहरे की चादर में लिपटी रही और वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया। कई जगहों पर दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) औसतन 384 रहा। 21 केंद्रों पर बहुत खराब और 16 केंद्रों पर 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई।

असम में ठंड से स्कूल एक सप्ताह के लिए बंद : ठंड को देखते हुए असम के कई जिले में स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है। आईएमडी ने कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और हल्के कोहरा का पूर्वानुमान जताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की है।

कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी

श्रीनगर। कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई। साथ ही मौसम विभाग ने 24 घंटे में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के बावजूद, घाटी में असामान्य रूप से मौसम गर्म रहा, जहां तापमान सामान्य से तीन से सात डिग्री अधिक है।

झारखंड में घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी

रांची। आईएमडी ने झारखंड में अगले दो दिन तक घने कोहरे की आशंका को देखते हुए बुधवार को येलो अलर्ट जारी किया। आईएमडी के अनुसार, गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिले में घना कोहरा छाया रहेगा। ।

राजस्थान में करौली सबसे ठंडा

जयपुर। राजस्थान के करौली का तापमान 4.6 डिग्री रहा। अलवर में पारा 6.5, दौसा में 6.6, टोंक में 6.9, पिलानी में 8.8, चूरू में 9.1 और भीलवाड़ा में 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा। कई जिलों में बारिश और राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में बेहद घना कोहरा छाने की आंशका है।

न्यूज ब्रीफ

शौच के लिए निकली किशोरी लापता

शुकुल बाजार : बीते सोमवार को शौच के लिए निकली एक नाबालिग किशोरी लापता हो गई। परिजनों ने मंगलवार को उसकी गुमशुदगी की तहरीर थाना में दी, जबकि बुधवार को पता चलने पर उन्होंने किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के आरोप में एक युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

लोकबंधु को पुण्यतिथि पर किया नमन

प्रतापगढ़ : समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुधवार को सपा कार्यकर्ताओं ने लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि मनाई। कार्यकर्ताओं ने बारी-बारी से उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि वह जहां अन्याय होते देखते थे, उसके विरोध में खड़े हो जाते थे। डॉ. राममनोहर लोहिया लोहिया के नेतृत्व में उन्होंने समाजवादी आंदोलन में हिस्सा लिया। यहां अब्दुल कादिर जिलानी, मनीष पाल, निसार अहमद, डॉ.राम बहादुर पटेल, विकास यादव, शराफत उल्ला, संजय यादव, प्रदीप यादव, प्रवेश मौर्य आदि रहे।

10 लाख की जमीन हैदरगढ़ में जब्त

सिंहपुर (अमेठी) : थाना इन्हौना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी एवं एनडीपीएस एक्ट (मादक पदार्थों के अवैध संव्यवहार से अर्जित की गई लगभग 10 लाख रुपये मूल्य की जमीन को जब्त किया है। यह कार्रवाई यूपी गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत बुधवार शाम को की गई। पुलिस के अनुसार, जब्त की गई संपत्ति अभियुक्त मो0 वकील पुत्र स्व. शरीफ, निवासी वार्ड कुरैशी, मकान संख्या 123, थाना हैदरगढ़, जनपद बाराबंकी की है। अभियुक्त ने यह जमीन चोरी एवं मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से अर्जित धन से खरीदी थी और इसे अपने परिजनों के नाम पर दर्ज करा रखा था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मो. वकील एक शातिर अपराधी एवं गैंग लीडर है, जो अपने साथियों के साथ मिलकर आर्थिक एवं भौतिक लाभ के उद्देश्य से चोरी, मादक पदार्थों के अवैध संव्यवहार तथा अन्य समाज विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उसके विरुद्ध जनपद के विभिन्न थानों में चोरी, एनडीपीएस एक्ट एवं गैंगस्टर एक्ट के तहत कई मुकदमे दर्ज हैं।

छापेमारी में कॉलेज परिसर में चल रही नकली डीएपी फैक्ट्री का भंडाफोड़

करोड़ों के काले कारोबार का खुलासा, दो लोगों पर नामजद व कई अन्य पर केस दर्ज

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। जिले में किसानों की मेहनत पर डाका डालने वाले एक बड़े रैकेट का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। खाद की भारी किल्लत के बीच जालसाजों ने एक शिक्षण संस्थान के परिसर को ही नकली डीएपी खाद और कीटनाशक दवाओं के अवैध निर्माण व पैकिंग का अड्डा बना लिया। चौंकाने वाली बात यह रही कि यह अवैध फैक्ट्री किसी सुनसान गोदाम में नहीं, बल्कि एक कांग्रेसी नेता व पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष से जुड़े इंटर कॉलेज परिसर में संचालित की जा रही थी।

जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देश पर कृषि विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने ककवा रोड स्थित प्रमोद आलोक इंटरमीडिएट कॉलेज, मंगलपुर के परिसर में छापेमारी की। कॉलेज के एक कमरे में चल रहे इस अवैध कारोबार को देखकर अधिकारी भी दंग रह गए।

छापेमारी करते जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेश कुमार। अमृत विचार

छापेमारी के दौरान मौके से भारी मात्रा में नकली डीएपी खाद, घातक कीटनाशक दवाएं, सैकड़ों खाली बोरियां बरामद की गईं, जिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ इफको और इंडो रामा फर्टिलाइजर कंपनी के नाम व लेबल छपे थे। इसके अलावा खाद पैक करने वाली आधुनिक पैकेजिंग मशीनें और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन भी जब्त की गईं।

जानकारी के मुताबिक बीते कई दिनों से अमेठी जिले में डीएपी खाद की भारी किल्लत थी। इसी दौरान बाजार में अचानक नामी कंपनियों की खाद उपलब्ध होने लगी, जिससे कंपनी अधिकारियों को संदेह हुआ। इंडो रामा कंपनी के अधिकारी आशीष जांगड़ा ने तीन-चार दिनों तक गुप्त रूप से रेकी की और पुख्ता जानकारी जुटाने के बाद जिलाधिकारी से शिकायत की, जिसके बाद कार्रवाई की गई। कार्रवाई के बारे में जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेश यादव ने बताया कि बरामद खाद और कीटनाशकों के चार अलग-अलग नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। पूरी फैक्ट्री को सील कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मौके पर मिले मजदूर रामउजागिर यादव (निवासी खरौना, अमेठी) से पूछताछ की गई। मजदूर ने बताया कि उसे शिवम तिवारी, निवासी कालू का पुरवा, ताला के कहने पर मजदूरी के लिए बुलाया गया था और बोरी भरते समय ही उसे पकड़ लिया गया। जिला कृषि अधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रथम दृष्टया यह मामला नकली खाद के अवैध निर्माण और पैकिंग का है, जो गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। मौके पर मिले मजदूर, शिवम तिवारी समेत अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

दर्दनाक हादसा : पिकअप से कुचलकर नानी और मासूम नातिन की गई जान

संवाददाता, कुंडा,प्रतापगढ़

अमृत विचार। दस महीने की मासूम नातिन (बेटी की बेटी) को गोद में लेकर डेयरी पर दूध देने जा रही महिला को हाईवे पार करते समय तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने कुचल दिया। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने घायलों को सीएचसी भेजा। डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

मानिकपुर थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव निवासी राम सजीवन पटेल की 45 वर्षीय पत्नी सुमेरा पटेल बुधवार सुबह भैंस का दूध निकालने के बाद उसे गांव के सामने ही हाईवे पार स्थित डेयरी पर देने जा रही थी। मायके आई उसकी बेटी पूजा घर में काम कर रही थी। इससे सुमेरा दूध देने जाते समय पूजा की 10 महीने की इकलौती मासूम बेटी आर्या को भी गोद में लेती गई। सुबह करीब आठ बजे जैसे ही वह तिवारीपुर गांव के सामने प्रयागराज-लखनऊ हाईवे का पार करने लगी। तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उसे टक्कर मार दिया, वह मासूम बच्ची समेत सड़क पर गिरी तो पिकअप चालक ने भगाने के चक्कर में कुचल दिया। ग्रामीणों की मदद से दोनों को सीएचसी कुंडा भेजा। वहीं सीएचसी में डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

ड्रग इंस्पेक्टर कमलेश को शासन ने किया निलंबित

केशव बाजपेयी, अमेठी

अनुशासनहीनता

- कोडीन कफ सिरप मामले में शासन ने की कार्रवाई

अमृत विचार। कोडीन कफ सिरप से जुड़े मामले में शासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिले के ड्रग इंस्पेक्टर (औषधि निरीक्षक) कमलेश मिश्रा को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा आयुक्त की रिपोर्ट के आधार पर की गई है, जिससे स्वास्थ्य एवं औषधि विभाग में हड़कंप मच गया है।

विगत 22 दिसंबर को कोडीन कफ सिरप से जुड़े एक मामले में ड्रग इंस्पेक्टर कमलेश मिश्रा ने मीडिया के समक्ष बयान दिया था। जबकि शासनादेश के अनुसार स्पष्ट निर्देश थे कि कोडीन कफ सिरप के संबंध में केवल अधिकृत अधिकारी ही मीडिया को बयान देंगे। इसके बावजूद उन्होंने अनधिकृत रूप से मीडिया में बयान दिया, जिसमें छोटे औषधि विक्रेताओं पर कार्रवाई की बात कही गई। शासन स्तर पर इस बयान की समीक्षा के दौरान पाया गया कि यह बयान शासन की मंशा और नीति के विपरीत था। इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए तत्काल प्रभाव से उन्हें निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि के दौरान औषधि निरीक्षक को मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच के लिए सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ को जांच अधिकारी नामित किया गया है। जांच अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे मामले से जुड़े सभी पहलुओं, दस्तावेजों और परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करें। वहीं जिलाधिकारी संजय चौहान ने निलंबन की कार्रवाई की पुष्टि की है।

उल्लेखनीय है कि ड्रग इंस्पेक्टर कमलेश मिश्रा इससे पहले भी विवादों में रह चुके हैं। लगभग चार माह पूर्व मुंशीगंज कोतवाली प्रभारी शिवाकांत त्रिपाठी और अन्य पुलिस कर्मियों के साथ उनकी हाथापाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। उस समय उन पर नशे की हालत में होने के आरोप लगे थे। इस मामले की जांच रिपोर्ट भी शासन को भेजी जा चुकी है, जो फिलहाल विचाराधीन बताई जा रही है।

एसडीएम के खिलाफ अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन कर लगाए मुर्दाबाद के नारे

मुसाफिरखाना, अमेठी। मुसाफिरखाना तहसील परिसर में एसडीएम अभिनव कनौजिया की कार्यशैली के विरोध में अधिवक्ताओं का दूसरे दिन बुधवार को भी धरना प्रदर्शन जारी रहा। विरोध प्रदर्शन की अगुवाई बार एसोसिएशन अध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ला ने की।

प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं का आरोप है कि एसडीएम का व्यवहार न्यायिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है और कई फाइलों में मनमाने ढंग से आदेश पारित किए जा रहे हैं। उनके कार्य करने के तौर-तरीकों से न केवल अधिवक्ताओं और आम जनता को भी लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिवक्ताओं ने कहा कि एसडीएम के पक्षपातपूर्ण रवैये के कारण न्यायिक कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे अधिवक्ता समुदाय में गहरा असंतोष व्याप्त है। इस अवसर पर वेद प्रकाश शुक्ल, राजन सिंह, सतीश सिंह, संजय मिश्रा, रमाशंकर तिवारी, सुग्रीव मिश्रा, कुलदीप शुक्ला ,संजय शुक्ला, अश्विनी कुमार श्रीवास्तव, प्रभाकर सिंह, विकास पाल, रमेश वर्मा, आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

डीएम ने फाइलेरिया उन्मूलन के लिए की बैठक

प्रतापगढ़। फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के अंतर्गत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन 2026 के लिए प्रथम अंतरविभागीय समिति की बैठक मंगलवार को डीएम शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समस्त सहयोगी विभाग के प्रमुख अथवा उनके प्रतिनिधि, सीएमओ डॉ. एएन प्रसाद, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. राजेश पांडेय एवं सहयोगी संस्था पाथ डब्ल्यूएचओ एवं पीसीआई के जिला प्रतिनिधि उपस्थित रहे। डीएम ने माइक्रोप्लान के अनुसार ही कार्य करने पर विशेष बल दिया।

बेगम खालिदा जिया राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में संसद भवन के बाहर पूर्व पीएम खालिदा जिया के नमाज-ए-जनाजा के दौरान लाखों की संख्या में समर्थकों की भीड़ उमड़ी।

ढाका, एजेंसी

- पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बगल में दफनाया गया

बंगलादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री एवं देश की राजनीति की दिग्गज शख्सियत बेगम खालिदा जिया को बुधवार को प्रशंसकों एवं समर्थकों के भारी भीड़ के बीच सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मंगलवार की सुबह बेगम जिया का 80 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। बुधवार की सुबह सात बजे नमाज-ए-जनाजा निकला तो ढाका एवं अन्य जिलों से लोगों का काफिला उमड़ पड़ा। बेगम जिया को उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बगल में पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

इसके पूर्व कड़ी सुरक्षा के बीच खालिदा जिया के जनाजे की नमाज अदा की गई। नमाज-ए-जनाजा बुधवार दोपहर को मानिक मियां एवेन्यू में अदा की गई। बैतुल मुकर्रम राष्ट्रीय मस्जिद के खतीब मुफ्ती मोहम्मद अब्दुल मलिक ने जनाजे की नमाज अदा की, जबकि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्थायी समिति के सदस्य नजरुल इस्लाम खान ने जिया की संक्षिप्त जीवनी पढ़ी।

अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस, प्रधान न्यायाधीश जुबैर रहमान चौधरी और खालिदा जिया के बेटे एवं बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान विदेशी गणमान्य व्यक्तियों, अंतरिम सरकार के सलाहकारों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और वरिष्ठ सरकारी एवं सैन्य अधिकारियों के साथ जनाजे की नमाज में शामिल हुए। जिया के बड़े बेटे रहमान ने नमाज से पहले वहां मौजूद लोगों से कहा कि कृपया अल्लाह से दुआ करें कि उन्हें जन्नत में जगह मिले। बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रहीं जिया की नमाज-ए-जनाजा में लाखों लोग शामिल हुए।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **सुप्रिया गोस्वामी पुत्री राम धीरज निवासी तेंदुआ बाजार शुकुल** के निवासी हैं मेरी हाई स्कूल के मूल मार्कशीट बाजार आते समय कही गिर गई है जिसका अनुक्रमांक 2384809 है बहुत खोजबीन करने के बाद भी मेरी मार्कशीट मुझे नहीं मिली है।

सूचना

मैं, अमन श्रीवास्तव, पुत्र ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव ने अपना एमबीए डिग्री प्रमाणपत्र जो डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2023 में जारी किया गया था, खो दिया है। यह प्रमाणपत्र शहर/क्षेत्र, में कहीं गुम हो गया है। यदि किसी को प्राप्त हो, तो कृपया नीचे दिए गए पते/संपर्क पर लौटाएँ। **अमन श्रीवास्तव पुत्र ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, पता– अश्वनीपुरम कालोनी जप्ती वजीरगंज जिला अयोध्या, संपर्क–8429827575**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम MERCILLINA DEANE था। मैने अपना नाम बदलकर MAHI AGARWAL रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए। Add 38, कोतवाली नगर, मोहल्ला फतेहपुरा जिला बहराइच, यूपी।

सूचना

मैं चन्द्रशेखर प्रसाद से अपना नाम बदलकर चन्द्रशेखर रख रहा हूँ आज से मुझे नए नाम से जाना व पहचाना जाए । पता– 544/1396 बरौरा रोड हुसैन बाड़ी, एकता नगर बाला गंज लखनऊ है।

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ZIAUL HAQ से बदलकर MOHD ZIAULHAQ रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHD HASEEB ADD-335/158 NEW 335/236, GALI GURDEEN, MAHMOOD NAGAR CHOWK, PO-CHOWK DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

मैं **सपना पुत्री राजेंद्र पाल ग्राम काशीपुर पोस्ट करकसा थाना डलमऊ रायबरेली** की निवासिनी हूं। मेरा हाई स्कूल रोल नंबर 1523808 व इंटरमीडिएट रोल नंबर 1140 320 के अंक पत्र वास्तव में खो गए हैं। खोजबीन के बाद भी मिले नहीं है।

सूचना

मैने अपना नाम SAYYAD MEESAM HUSAIN से बदलकर MEESAM HUSAIN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SHAMIM HUSAIN ADD-390/034A RUSTAM NAGAR KASHMIRI MOHALLA CHOWK DIST-LUCKNOW-226003 (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम ABDUL RAHEEM ANSARI से बदलकर ABDUL RAHIM JALALUDDIN ANSARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-JALALUDDIN ANSARI ADD-UTRAULA PACHAUTA, ALLIPUR BUJURG, DIST-BALRAMPUR-271604 (U.P.)

सूचना

मैं Uzma Jabeen, यह घोषित करती हूँ कि मेरे हाईस्कूल सर्टिफिकेट में मेरे पिता का नाम गलती से Vasi Mohammad छप गया है। पिता का सही नाम Wasi Mohammad है, जिसे भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिये सही माना जाए। D/o Wasi Mohammad R/O 431/217, Niwati Tola, Moazzam Nagar, Hanuman Mandir, Lucknow

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम MAHMOOD KHAN से बदलकर MAHMOOD ALI KHAN रख लिया है। अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुये नाम से जाना व पहचाना जाये। पुत्र HAJI YASEEN KHAN निवासी-दक्षिणी कोलिया, पो.-छपिया, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश।

सूचना

मैं **पुत्ती लाल पुत्र बच्चू, निवासी– ग्राम चक्रधरपुर, परगना व तहसील अमेठी, जनपद अमेठी** का निवासी हूं, मैंने अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से अपने पुत्र ललित उर्फ ननित को पूरी तरह बेदखल कर दिया है। उक्त वसीयत मैंने बिना किसी दबाव, जोर–जबरदस्ती के, अपनी स्वेच्छा और स्वस्थ मस्तिष्क की अवस्था में की है। मेरा ललित उर्फ ननित तथा उसके पूरे परिवार से अब किसी प्रकार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं है। भविष्य में यदि ललित उर्फ ननित या उसके परिवार द्वारा मेरी संपत्ति या हक पर कोई दावा किया जाता है तो उसका मुझसे कोई लेना–देना नहीं होगा।

> दौड़ने से अनुशासन, विश्वास और दृढता सीखने को मिलती है, जो आपके साथ हमेशा रहती है। मुझे टाटा मुंबई मैराथन के 21वें सत्र का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।
>
> -आंद्र डि ग्रासे, फर्राटा धावक

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ली और कॉप ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ शुरू की ट्रेनिंग

मडगांव (गोवा)। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी ऑलराउंडर मरिजाने कॉप और उनकी हमवतन लिजेल ली आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पहले दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग सत्र में शामिल हो गई हैं। भारतीय खिलाड़ी तानिया भाटिया, निकी प्रसाद, मीनू मणि, ममता मडीवाला, दीया यादव और नंदनी शर्मा भी शिविर में शामिल हो गई हैं। तीन बार फाइनल में पहुंची दिल्ली कैपिटल्स अपने डब्ल्यूपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 10 जनवरी को नवी मुंबई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम मुख्य कोच जोनाथन बैटी की देखरेख में ट्रेनिंग कर रही है और मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला खत्म होने के बाद भारतीय टीम की अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल होंगी। सत्र पूर्व शिविर के बारे में बात करते हुए बैटी ने कहा हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं इसलिए टीम का घुलना मिलना अच्छा होगा। गोवा का मौसम तैयारियों के लिए एकदम सही है।

साई के नए केंद्र का खेलमंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरु स्थित नेताजी सुभाष दक्षिण केंद्र को नया अत्याधुनिक हाई परफॉर्मेंस केंद्र मिलने जा रहा है जिसके शिलान्यास समारोह का खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को वर्चुअल उद्घाटन किया। करीब 75 करोड़ की लागत से बनने वाले प्रस्तावित केंद्र को हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से सीएसआर सहयोग के द्वारा स्थापित किया जायेगा जो इसके लिये 60 करोड़ रूपये देगा। साइ के सूत्र के अनुसार यह अगले 12 महीने में तैयार हो जायेगा। खेल मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इससे भारत के एलीट खिलाड़ियों की तैयारियों का इकोसिस्टम मजबूत होगा चूंकि उन्हें एक छत के नीचे विश्व स्तरीय खेल विज्ञान और सहायक सुविधायें मिल सकेंगी।

आईसीसी ने ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक बताया

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक रेटिंग दी है। इस मैदान पर 14 नवंबर से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट खेला गया था, और मैच तीन दिनों के अंदर खत्म हो गया, जिसमें भारत को मेहमान टीम से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सतह की कोई निंदा नहीं हुई। "यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जिसकी हम तलाश कर रहे थे। यह बिल्कुल वैसी ही पिच है और मुझे लगता है कि क्यूरेटर बहुत, बहुत मददगार थे। और हम बिल्कुल यही चाहते थे। और हमें बिल्कुल यही मिला। जब आप अच्छा नहीं खेलते हैं, तो ऐसा ही होता है," भारत के कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम के 30 रनों से हारने के बाद कहा था, जब वे 124 रनों का पीछा करने में नाकाम रहे। हालांकि, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुवाहाटी पहुंचने पर गंभीर की बात का खंडन किया – जो दूसरे टेस्ट का स्थान था, उन्होंने कहा कि कोई भी कोलकाता जैसी पिच नहीं चाहता था। पिच ने पहले दिन से ही तेज टर्न दिया।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा 2026

अंडर-19 विश्व कप से शुरुआत और विश्व शतरंज से होगा वर्ष का समापन

नई दिल्ली, एजेंसी : भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। इसमें विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा, जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी समेत कई नए खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र रहेंगे ऐसे में पीटीआई ने नए साल के खेल कैलेंडर पर नजर डाली है। पेश है विवरण।

जनवरी, फरवरी, मार्च

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी, क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। यह 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। इस आयु वर्ग के फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से एक फरवरी के बीच आयोजित होगा, लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है। बैडमिंटन ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी जिसमें पीवी सिंधु और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

पीवी सिंधु।

अप्रैल, मई, जून

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा। जिससे विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के डी गुकेश विश्व चैम्पियन हैं। मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा। एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप एक से दस अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जायेगी। इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा। इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैम्पियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से दस मई तक चलेगा जिसके लिये भारतीय महिला और पुरुष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है। जून में महिला टी20 विश्व कप होगा जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी। मई में फ्रेंच ओपन और जून में विंबलडन खेला जाएगा। इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

कोनेरू हम्पी।

जुलाई, अगस्त, सितंबर

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। निशानेबाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों को बजट में कटौती के लिए रोस्टर से हटा दिया गया है। इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरुष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी। इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा। इसमें हॉकी में स्वर्ण जीतने वाली टीम लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटायेगी जबकि निशानेबाजी में भी कोटा स्थान होंगे। एथलेटिक्स में डायमंड लीग फाइनल चार से पांच सितंबर तक ब्रसेल्स में होगा। शतरंज ओलंपियाड का 46वां सत्र सितंबर में ताशकंद में खेला जाएगा।

अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप होगी। इसके बाद भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप 27 अक्टूबर से आठ नवंबर तक खेली जाएगी। एक नवंबर से दोहा में आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप होगी। दिसंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप होगी जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है।

श्रीलंका के खिलाफ एक मैच में विकेट लेने बाद जश्न मनाती दीप्ति शर्मा। फाइल फोटो

दीप्ति शर्मा ने बनाया एक और रिकॉर्ड

- टी-20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बनीं

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में महिला और पुरुष वर्ग दोनों में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गई है। दीप्ति ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पांचवें अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में नीलाक्षिका सिल्वा को आउट कर मेगन शट के 151 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उन्होंने 2016 में पदार्पण के बाद से 133 मैचों में अपना 152वां टी-20 विकेट लेकर यह मुकाम हासिल किया।

इसी के साथ दीप्ति ने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस सूची में पाकिस्तान की निदा डार 144 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रवांडा की हेनरीट इशिम्वे 117 मैचों में 144 विकेट के साथ चौथे तथा इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 101 मैचों 142 विकेट के साथ पांचवें स्थान पर है। इस उपलब्धि के साथ ही दीप्ति शर्मा महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने के झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। दीप्ति के पास (टेस्ट में 20, एकदिवसीय में 162 और टी-20 में 152 विकेट) सहित कुल 334 विकेट हैं, जबकि गोस्वामी ने (टेस्ट में 44, एकदिवसीय में 255, टी-20 में 56 विकेट) कुल 355 विकेट के साथ सबसे आगे हैं। इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट 335 विकेट के साथ दीप्ति से ठीक आगे हैं।

यूपी की लगातार चौथी जीत जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन

विजय हजारे ट्रॉफी

- वीजेडी प्रणाली से असम को 58 रनों से हराया

राजकोट, एजेंसी

उत्तर प्रदेश ने आर्यन जुयाल के नाबाद 150 रन की बदौलत बुधवार को यहां बारिश से प्रभावित विजय हजारे ट्रॉफी मैच में 'वीजेडी' प्रणाली से असम पर 58 रन से जीत दर्ज कर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। असम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसमें कप्तान सुमित घडीगांवकर ने 86 गेंद में शानदार 101 रन बनाए। उनके अलावा सिबशंकर रॉय ने 83 गेंद में 82 रन की पारी खेली। लेकिन जीशान अंसारी (60 रन देकर तीन विकेट) और विप्रज निगम (66 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने असम की टीम 48.4 ओवर में 308 रन पर सिमट गई। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए जुयाल ने 140 गेंद की नाबाद पारी में 15 चौके और तीन छक्के जड़े। उन्होंने पिछले तीन मैच में से दो में 80 और 134 रन बनाए थे। वह फिलहाल विकेटकीपिंग नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल संभाल रहे हैं। जुयाल को प्रियम गर्ग का अच्छा साथ मिला जिन्होंने पांच चौके की मदद से 53 गेंद में 52 रन बनाए जबकि कप्तान रिंकू सिंह ने 15 गेंद में 37 रन का योगदान दिया। जब बारिश के कारण खेल रुका तो उत्तर प्रदेश ने 42 ओवर में दो विकेट पर 291 रन बना लिए थे। और अंत में उसे 'वीजेडी' प्रणाली से विजेता घोषित किया गया।

आर्यन जुयाल।

मुकेश कुमार और आकाश दीप ने अपनी बेहतरीन गेंदों से कहर बरपाया जिससे बंगाल ने जम्मू कश्मीर को कम स्कोर वाले मुकाबले में नौ विकेट से शिकस्त दी। गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए मुकेश (16 रन देकर चार विकेट) और आकाश (32 रन देकर चार विकेट) ने चार-चार विकेट लिए जबकि मोहम्मद शमी ने 14 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। इससे बंगाल ने जम्मू कश्मीर को 20.4 ओवर में महज 63 रन पर ऑल आउट कर दिया। केवल कप्तान पारस डोगरा (19) और शुभम खजूरिया (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए जबकि तीन बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल पाए। अभिषेक पोरेल (30) और सुदीप कुमार घरामी (25) ने 9.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर बंगाल को तीसरी जीत दिलाई जिससे टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई। तेज गेंदबाज दर्शन नालकंडे ने निरंजन शाह स्टेडियम में चार विकेट झटककर विदर्भ को चंडीगढ़ पर आठ विकेट से जीत दिलाई जो टूर्नामेंट में उनकी तीसरी जीत थी।

नालकंडे (33 रन देकर तीन विकेट) के अलावा नचिकेत भुटे (18 रन देकर दो विकेट) और दीपेश परवानी (22 रन देकर दो विट) ने भी गेंद से प्रभावित किया जिससे विदर्भ ने चंडीगढ़ को 29.1 ओवर में 113 रन पर ऑल आउट कर दिया।

मुंबई ने गोवा को 87 रनों से हराया

जयपुर। सरफराज खान ने बुधवार को यहां 75 गेंद में 14 छक्कों की मदद से 157 रन की विस्फोटक पारी खेलकर 2025 का अंत शानदार अंदाज में किया जिसकी बदौलत मुंबई की टीम विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप सी मुकाबले में गोवा को 87 रन से हराकर नॉकआउट चरण के करीब पहुंच गई।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी शानदार फॉर्म में रहे सरफराज ने 56 गेंद में शतक पूरा किया जो उनका लिस्ट ए क्रिकेट में तीसरा शतक था। मुंबई ने इसकी मदद से आठ विकेट पर 444 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर गोवा को नौ विकेट पर 357 रन पर रोक दिया। अब बचे हुए तीन मैच में से एक और जीत उसे निश्चित रूप से क्वार्टर-फाइनल में पहुंचा देगी। यशस्वी जायसवाल (46) ने 'गैस्ट्राइटिस' के कारण राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप के शुरुआती सप्ताह से बाहर रहने के बाद वापसी की और इसी दिन सरफराज पूरी तरह छाए रहे। उन्होंने गोवा के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए अपनी पारी के दौरान नौ चौके और 14 छक्के लगाए। सरफराज के 14 छक्कों में से 10 ऑफ स्पिनर ललित यादव (93 रन देकर दो विकेट) और बाएं हाथ के स्पिनर दर्शन मिसाल (98 रन देकर तीन विकेट) के खिलाफ लगे।

चौथे गोल का जश्न

लंदन में आर्सेनल और एस्टन विला के बीच इंग्लिश प्रीमियर लीग सॉकर मैच के दौरान अपनी टीम का चौथा गोल करने के बाद जश्न मनाते आर्सेनल के गैब्रियल जीसस। • एजेंसी

कार्लोस के दिल की सर्जरी हुई

मैड्रिड, एजेंसी

ब्राजील और रियल मैड्रिड के पूर्व डिफेंडर रॉबर्टो कार्लोस की हृदय से जुड़ी समस्या के लिए सर्जरी हुई है। स्पेन के दैनिक खेल समाचार पत्र डियारियो एएस ने बुधवार को यह खबर दी।

मैड्रिड के मौजूदा एंबेसडर और 52 साल के पूर्व फुल बैक खिलाड़ी कार्लोस कथित तौर पर अपने देश में छुट्टियां मना रहे थे जब एक जांच में हृदय में समस्या का पता चला। कार्लोस ने शुरू में अपने पैर में खून के एक छोटे थक्के के लिए परीक्षण करवाए थे। हालांकि शरीर के पूर्व एमआरआई से पता चला कि उनका हृदय ठीक से काम नहीं कर रहा था। उन्हें 'कैथेटर' डालने की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ऑपरेशन 40 मिनट तक चलने वाला था लेकिन एक जटिलता के कारण इसमें लगभग तीन घंटे लग गए। यह प्रक्रिया सफल रही। कार्लोस को खतरे से बाहर बताया जा रहा है लेकिन डॉक्टर उन पर करीबी नजर रखे हुए हैं और उबरने की प्रक्रिया के तहत उन्हें 48 घंटे अस्पताल में रहना होगा। समाचार पत्र ने कहा कि उसने ब्राजील के पूर्व स्टार और उनके साथियों से संपर्क किया तथा उनके हवाले से कहा मैं अब ठीक हूं। अब तक के सबसे 'अटैकिंग लेफ्ट बैक' में से एक कार्लोस ने ब्राजील के लिए 125 मैच खेले। वह मैड्रिड में 11 साल तक खेले। कार्लोस उस विश्व कप टीम के सदस्य थे जो 1998 में फाइनल में पहुंची और 2002 में ट्रॉफी जीती।

फुटबॉल महासंघ ने क्लबों से कहा लीग में हिस्सा लेने की करें पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रतियोगिता में खेले जाने वाले मुकाबलों की सही संख्या का करना है आकलन

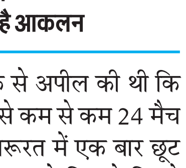

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को क्लबों से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के देर से शुरू होने वाले सत्र और प्रस्तावित प्रारूप में अपनी भागीदारी की पुष्टि एक दिन के अंदर करने को कहा जिससे कि वह महाद्वीपीय संस्था को प्रतियोगिता में खेले जाने वाले मुकाबलों की सही संख्या बता सके।

आईएसएल 2025-26 अभी शुरू नहीं हुआ है, जिससे यह तय है कि क्लब एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) चैंपियन्स लीग दो में खेलने का पात्र होने के लिए शीर्ष डिविजन लीग और घरेलू कप में जरूरी 24 मैच नहीं खेल पाएंगे। इस संदर्भ में आईएसएल क्लबों ने एआईएफएफ से अपील की थी कि वह एएफसी से कम से कम 24 मैच खेलने की जरूरत में एक बार छूट देने का आग्रह करे जिससे कि वे एसीएल दो में खेल सकें।

क्लबों के प्रतिनिधियों और एआईएफएफ द्वारा बनाई गई एक समिति ने 2025-26 आईएसएल सत्र को कैसे आयोजित किया जाए इसे लेकर 24 दिसंबर 2025 से अब तक पांच बैठक की हैं। एआईएफएफ ने आईएसएल क्लबों को एक पत्र में कहा 28 दिसंबर 2025 को हुई बैठक में आईएसएल क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से आग्रह किया था कि वह 24 मुकाबलों की न्यूनतम जरूरत में एक बार की छूट के बारे में एशियाई फुटबॉल परिसंघ के साथ बात करे। पत्र के अनुसार एआईएफएफ ने आईएसएल क्लबों से एक जनवरी 2026 तक आईएसएल 2024-25 में हिस्सा लेने और प्रस्तावित प्रतियोगिता प्रारूप की पुष्टि करने के लिए कहा है। एएफसी, खेल मंत्रालय और उच्चतम न्यायालय को इसके बारे में बताया जाएगा। एआईएफएफ ने यह भी कहा कि उसे आईएसएल क्लबों के साथ हुई बैठक के नतीजे के बारे में दो जनवरी 2026 से पहले खेल मंत्रालय को बताना होगा। एआईएफएफ ने आईएसएल 2025-26 सत्र के लिए दो प्रतियोगिता प्रारूप का सुझाव दिया।

फीफा रेफरी सूची में तीन और भारतीय शामिल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बुधवार को बताया कि एक महिला सहित तीन भारतीय रेफरी को फीफा की 2026 अंतर्राष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है।

गुजरात की रचना कमानी को महिला रैफरी की फीफा सूची में शामिल किया गया है जबकि पुडुचेरी के अश्विन कुमार और दिल्ली के आदित्य पुरकायस्थ को पुरुष रैफरी के रूप में जगह मिली है। एआईएफएफ ने कहा कि अश्विन कुमार और आदित्य पुरकायस्थ ने मलेशिया के कुआलालंपुर में एएफसी रैफरी अकादमी का कोर्स पूरा कर लिया है जबकि रचना कमानी यह कोर्स कर रही हैं। इसके अलावा पुडुचेरी के मुरलीधरन पांडुरंगन और महाराष्ट्र के पीटर क्रिस्टोफर को फीफा सहायक रैफरी के रूप में शामिल किया गया है।

पीडब्ल्यूएल की नीलामी

3 जनवरी को लगेगी बोली, 15 जनवरी से एक फरवरी तक होगी प्रतियोगिता

सहरावत व सुसाकी का सबसे अधिक आधार मूल्य

नई दिल्ली, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक्स के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत 18 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) की नीलामी में सबसे महंगे घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए हैं जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता युई सुसाकी और दिग्गज खिलाड़ी युस्नेलिस गुजमेन लोपेज को भी इतने ही आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है।

पीडब्ल्यूएल नीलामी तीन जनवरी को होनी है जबकि लीग 15 जनवरी से एक फरवरी तक होगी। आगामी सत्र में मुकाबला करने वाली छह फ्रेंचाइजी हरियाणा थंडर्स, टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल, पंजाब रॉयल्स, महाराष्ट्र केसरी, दिल्ली दंगल वारियर्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

विश्व चैंपियनशिप के दौरान वजन प्रबंधन नहीं करने के कारण 21 साल के सहरावत पर लगा प्रतिबंध हाल ही में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने हटा दिया था। वह हाल के सत्रों में भारत के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने ओलंपिक खेलों और एशियाई खेलों में पदक जीते। विश्व और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता दीपक पूनिया का आधार मूल्य 10 लाख रुपये है। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नवीन भी इसी वर्ग में हैं। मौजूदा समय में भारत के सबसे अच्छे पहलवानों में से एक सुजीत कलकल ने हालांकि अपना आधार मूल्य सिर्फ सात लाख रुपये रखा है।

विदेशी पुरुषों के वर्ग में यूरोपीय और यूरेशियाई पहलवानों का दबदबा है। पूर्व विश्व और यूरोपीय चैंपियन रूस के अबासगदजी मागोमेदोव का आधार मूल्य 10 लाख है। इसी वर्ग में आर्मेनिया के विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता अरमान एंड्रियासियन और हंगरी के 2023 के विश्व चैंपियन इस्जमेल मुसुकाजेव भी हैं।

आर्सेन व अखमेद पर बड़ी बोली लगाने की उम्मीद

कई बार के विश्व और यूरोपीय पदक विजेता और ओलंपियन आर्मेनिया के आर्सेन हारुत्युनियन और मौजूदा विश्व और यूरोपीय चैंपियन रूस के उस्मानोव अखमेद पर बड़ी बोली लगाने की उम्मीद है। दोनों का आधार मूल्य 10 लाख रुपये है। महिला कुश्ती में विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता और भारत की स्टार खिलाड़ी अंतिम पंघाल को 10 लाख रुपये आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है जबकि फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही अंशु मलिक भी इसी वर्ग में हैं। स्वाति शिंदे, पूजा गहलोत भी उन शीर्ष भारतीय नामों में शामिल हैं जिनमें काफी दिलचस्पी होने की उम्मीद है।